शर्मा शार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 324 | गुवाहाटी | सोमवार, 24 जून, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भारत-बांग्लादेश के बीच शुरू होगी ट्रेन और बस सेवा : हसीना पेज 2

असम पिछले दशक में देश के अग्रणी खेल केंद्र के रूप में उभरा है : सोनोवाल पेज 3

उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए राज्य बजट में शामिल किए जाएंगे शिक्षकों के... पेज 5

भारतीय टेनिस स्टार सुमित नागल को बड़ी सफलता... पेज 7

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

नीट 2024 : जांच के लिए बिहार गए सीबीआई टीम पर हमला

नकली पुलिस समझकर लोगों ने पीटा

पटना। यूजीसी नेट पेपर मामले में बिहार के नवादा में जांच करने पहुंची सीबीआई टीम पर गांव वालों ने हमला कर दिया। ग्रामीणों ने सीबीआई टीम को नकली टीम समझकर उसमें शामिल अधिकारियों से मारपीट की। जब उन्हें ये भरोसा हुआ कि ये असली सीबीआई टीम है तब उन्हें छोड़ा गया। इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यूजीसी नेट परीक्षा को शिक्षा मंत्रालय की ओर से रद्द कर दिया गया था। इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपी गई है। मामले की जांच कर रही टीम शनिवार रात मोबाइल लोकेशन के आधार पर बिहार के नवादा गांव में पहुंची थीं। यहां टीम लोगों से पूछताछ कर ही रही थी कि तभी गांव वालों ने नकली सीबीआई टीम समझ अधिकारियों पर हमला कर दिया। गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई। जब अधिकारियों ने अपना परिचय दिया तो ग्रामीणों ने उन्हें छोड़ा। शनिवार को लगभग 4 बजे सीबीआई की टीम नवादा पुलिस बल के साथ मुरहेना के कसियाडीह गांव निवासी फूलचंद प्रसाद व उनकी पत्नी बबिता देवी के घर की -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम शर्मा ने मतदान प्रतिशत पर की बात, कहा-

समुदाय विशेष ने भाजपा से लिया लाभ लेकिन कांग्रेस को दिया वोट

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि बांग्लादेश मूल के अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों ने लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को वोट दिया। जबकि केंद्र और राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारों ने उनके लिए विकास कार्य किए हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यह असम का एकमात्र समुदाय है जो कि सांप्रदायिकता में लिप्त है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा शनिवार को राज्य मुख्यालय में भाजपा और उसके सहयोगी दलों के विजयी उम्मीदवारों के अभिनंदन समारोह में पहुंचे। वहां उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन को लगभग 47 प्रतिशत वोट मिला। जबकि कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियों का वोट प्रतिशत 39 था। भाजपा-अगप-यूपीपीएल गठबंधन ने राज्य की 14 लोकसभा सीटों में से 11 सीट जीती थीं, शेष तीन सीट कांग्रेस ने हासिल की थी। हिमंत विश्व ने दावा किया कि अगर कांग्रेस की 39 प्रतिशत वोटों का विश्लेषण करें तो यह पता चलेगा की वोट पूरे राज्य से नहीं मिला है। इसका आधा हिस्सा 21 विधानसभा क्षेत्रों में -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
दिमाग ठंडा हो तो फैसले गलत नहीं होते और भाषा मीठी हो तो अपने दूर नहीं होते!
- अज्ञात

राज्य में बाढ़ को लेकर मुख्यमंत्री ने जताई चिंता अब तक 39 की मौत

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर राज्य असम पूरी तरह से बाढ़ में डूब गया है, जिससे बचने के लिए लोग अपने-अपने घरों से निकलने के लिए मजबूर हो गए हैं। इस बाढ़ से लगभग 10 जिलों में लगभग 1 लाख से ज्यादा आबादी के लोग प्रभावित हुए हैं। असम की ऐसी गंभीर स्थिति पर मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य में बाढ़ की वजह से बिगड़ती स्थिति पर चिंता जताते हुए एक्स पर पोस्ट किया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया -शेष पृष्ठ दो पर

दो संदिग्ध शिकारियों की हत्या पर सीएम ने दिए जांच के आदेश

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को राज्य के मुख्य सचिव को लाओखोवा वन्यजीव अभयारण्य में दो संदिग्ध शिकारियों की हत्या की जांच के लिए तुरंत जांच शुरू करने का निर्देश दिया। मृतकों की पहचान उ5 वर्षीय समरुद्दीन और 40 वर्षीय अब्दुल जलील के रुप में हुई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर असम के सीएम ने लिखा कि कल रात, सुतिरपार गांव के लोगों ने लौखुआ-बुढ़ाचापोरी रिजर्व फॉरेस्ट में घुसपैठ की। गश्त कर रहे वन रक्षकों के साथ मुठभेड़ के दौरान, एक गार्ड ने आत्मरक्षा में गोली चलाई, जिसके परिणामस्वरूप समरुद्दीन (55) और अब्दुल जलील (40) की मौत हो गई। मैंने असम के मुख्य सचिव को घटना की गहन जांच के लिए तुरंत -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

त्रिपुरा के सीएम ने बांग्लादेशी पीएम को उपहार में भेजे 500 किलो अनानास

अगरतला। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने सद्भावना संदेश के तौर पर रविवार को अखौरा एकीकृत चेक पोस्ट (आईसीपी) के माध्यम से बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को 500 किलोग्राम रानी अनानास भेजे। बागवानी विभाग के सहायक निदेशक दीपक बैद्य ने अगरतला के निकट अखौरा आईसीपी में संवाददाताओं को बताया, मुख्यमंत्री माणिक साहा की पहल पर हमने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को 100 पैकेटों में 500 किलोग्राम रानी अनानास भेजे हैं। प्रत्येक पैकेट में 750 ग्राम वजन के छह अनानास हैं। यह दुनिया में अनानास की सर्वोत्तम किस्म है। भारत और -शेष पृष्ठ दो पर

झूठ और फरेब लंबे समय तक नहीं चलते : हिमंत

रांची (हि.स.)। भाजपा प्रदेश कार्यालय में रविवार को दिनभर सांगठनिक बैठकों और कार्यक्रमों का दौर रहा। प्रदेश भाजपा के लिए आगामी विधानसभा चुनाव की दृष्टि से केंद्रीय नेतृत्व द्वारा नव नियुक्त प्रदेश चुनाव प्रभारी केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं सह प्रभारी असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा प्रदेश कार्यालय पहुंचे। प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह के साथ दोनो केंद्रीय नेताओं ने सर्वप्रथम आज डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। प्रदेश कार्यालय -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वोत्तर में इसरो की मदद से बनेंगे बड़े तालाब : केंद्रीय गृहमंत्री

नई दिल्ली। दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बाढ़ प्रबंधन को लेकर समीक्षा बैठक की। इस बैठक में गृह मंत्री अमित शाह ने बाढ़ और जल प्रबंधन के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की तरफ से उपलब्ध कराए गए सैटेलाइट तस्वीर के उपयोग पर भी जोर दिया। बैठक के दौरान उन्होंने ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (जीएलओएफ) से निपटने की तैयारियों का भी जायजा लिया। इस समीक्षा बैठक के दौरान अमित शाह ने कहा कि बेहतर बाढ़ प्रबंधन के लिए नदियों के जलस्तर के पूर्वानुमान प्रणाली को उन्नत करने के प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि पूर्वोत्तर में कम से कम 50 बड़े तालाब बनाए जाने चाहिए जिससे ब्रह्मपुत्र के पानी को डाइवर्ट और इकट्ठा किया जा सके। इससे उन क्षेत्रों में कम लागत पर कृषि, सिंचाई और पर्यटन को विकसित करने में मदद मिलेगी और बाढ़ से निपटने में भी मदद मिलेगी, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ भी होगा। बता दें कि असम और पूर्वोत्तर में ब्रह्मपुत्र नदी में बार-बार आने वाली बाढ़ एक बड़ी समस्या है, क्योंकि हर साल इसमें कई लोगों की जान जाती है और हजारों हेक्टेयर भूमि जलमग्न हो जाती है। वहीं पिछले कुछ सालों में सिक्किम और उत्तराखंड में बर्फीले झील के फटने से आई बाढ़ के कारण कई लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों लोग बेघर हो गए। इसमें -शेष पृष्ठ दो पर

जमानत पर दिल्ली एचसी की रोक के खिलाफ एससी पहुंचे केजरीवाल

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आबकारी नीति मामले में जमानत दे दी थी, जिसपर दिल्ली हाई कोर्ट ने रोक लगा दी थी। अब दिल्ली हाई कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ दिल्ली के सीएम ने रविवार को सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। सामने आई जानकारी के अनुसार, अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा उनकी जमानत पर लगाई गई रोक के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर की। अरविंद केजरीवाल के वकीलों ने कल सुबह सुनवाई की अपील की है। आम आदमी पार्टी ने ये जानकारी दी है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ट्रायल कोर्ट के जमानत आदेश को चुनौती दी थी। जस्टिस -शेष पृष्ठ दो पर

अरुणाचल में बादल फटने से कई जगहों पर आई बाढ़, घर और वाहन क्षतिग्रस्त

इटानगर। एक तरफ जहां देश के कई राज्य भीषण गर्मी की चपेट में हैं। गर्मी और लू के चलते लोगों को घर से निकलना मुश्किल हो रहा है वहीं दूसरी तरफ अरुणाचल प्रदेश में बादल फटने के बाद इटानगर के कई जगहों पर भारी बाढ़ आ गई। अधिकारियों के मुताबिक बाढ़ ने ऐसी तबाही मचाई है जिससे कई घर जमींदोज हो गए वहीं वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए। बाढ़ की वजह से कई लोग बेघर हो गए। मूसलाधार बारिश के चलते आई बाढ़ से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़कों पर नदी की तरह पानी बह रहा है जिससे आने जाने वाहनों को मुश्किल हो रहा है। आलम यह है कि बाढ़ का पानी लोगों के घरों के अंदर भी घुस गया है। बाढ़ का एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें साफ देखा जा -शेष पृष्ठ दो पर

नक्सलियों ने घात लगाकर किया ब्लास्ट दो कोबरा जवान शहीद

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में नक्सलियों ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के एक ट्रक को आईईडी से उड़ा दिया है। इस हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की विशेष इकाई *कोबरा* 201 बटालियन के दो जवान, जिनका नाम विष्णु आर और शैलेंद्र बताया जा रहा है, शहीद हो गए हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह विस्फोट राज्य की राजधानी रायपुर से 400 किलोमीटर दूर सुरक्षा बलों के सिलगेर और टेकलगुडेम शिविरों के -शेष पृष्ठ दो पर

राजकोट में दोबारा नीट कराने के खिलाफ छात्रों का विरोध प्रदर्शन

राजकोट। नीट यूजी परीक्षा में कथित गड़बड़ियों को लेकर जगह-जगह पर छात्रों का विरोध प्रदर्शन जारी है। कुछ छात्र परीक्षा दोबारा कराने की मांग कर रहे हैं तो कुछ री-एग्जाम का विरोध कर रहे हैं। रविवार को गुजरात के राजकोट में भी छात्रों ने दोबारा परीक्षा कराने को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। छात्रों का कहना है कि उन्होंने मेहनत से परीक्षा दी और अंक हासिल किए, ऐसे में दोबारा परीक्षा नहीं होनी चाहिए। नीट-यूजी की एक अभ्यर्थी पलक ने समाचार एजेंसी से कहा कि मैंने -शेष पृष्ठ दो पर

आज से शुरू हो रहा 18वीं लोकसभा का पहला सत्र

पीएम मोदी समेत 280 सांसद लेंगे शपथ

नई दिल्ली। 18वीं लोकसभा का पहला सत्र सोमवार को शुरू होगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित नवनिर्वाचित सांसद शपथ लेंगे, जिसके बाद लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा तथा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। अप्रैल-जून में हुए आम चुनावों के बाद यह पहला लोकसभा सत्र होगा। 18वीं लोकसभा में एनडीए के पास 293 सीटों के साथ बहुमत है, जबकि भाजपा के पास 240 सीटें हैं, जो बहुमत के 272 के आंकड़े से कम है। विपक्षी दल इंडिया ब्लॉक के पास 234 सीटें हैं, जबकि कांग्रेस के पास 99 सीटें हैं। प्रधानमंत्री मोदी और उनके मंत्रिपरिषद के सदस्य सुबह 11 बजे से शपथ लेंगे। प्रधानमंत्री मोदी के शपथ लेने के बाद मंत्रिपरिषद के अन्य सदस्य शपथ लेंगे। इसके बाद अलग-अलग राज्यों के सांसद वर्णमाला क्रम में शपथ लेंगे। इसका मतलब है कि असम के नवनिर्वाचित सांसद शपथ लेंगे और पश्चिम बंगाल के सांसद सबसे आखिर में शपथ लेंगे। सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी और उनके मंत्रिपरिषद सहित 280 नवनिर्वाचित सांसद शपथ लेंगे, जबकि अगले दिन (25 जून) 264 नवनिर्वाचित सांसद शपथ लेंगे। भाजपा नेता और सात बार से सदस्य भर्तृहरि महताब को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त करने पर विवाद का असर सत्र पर भी पड़ने की संभावना है। विपक्ष ने इस कदम की कड़ी आलोचना -शेष पृष्ठ दो पर

जज्बे को सलाम, 105 वर्षीया महिला ने हासिल की मास्टर्स डिग्री

न्यूयार्क। होंसले बुलंद हो तो इंसान किसी भी उम्र में मन चाहा मुकाम हासिल कर सकता है। ऐसे ही जज्बे की एक मिसाल सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। कॉलेज छोड़ने के बाद ही बहुत से लोग कहने लगते हैं कि पढ़ाई की उम्र नहीं रही तो कई लोग नौकरी करते करते, तो कई महिलाएं शादी के बाद या फिर बच्चों की पढ़ाई के साथ ही अपनी पढ़ाई करती हैं। लेकिन किसी की पढ़ाई बीच में छूटी हो और फिर दशकों बाद वह अपनी डिग्री पूरी कर सके ऐसा बहुत कम देखने को मिलता है। लेकिन ऐसा कर दिखाया है अमेरिका की एक महिला ने जिसने 80 साल बाद 105 साल की उम्र में अपनी मास्टर डिग्री हासिल की। अमेरिका के वर्जीनिया गिनी हिसलोप ने स्टैनफोर्ड ग्रेजुएट स्कूल ऑफ एजुकेशन (जीएसई) से 80 साल बाद अपनी मास्टर डिग्री हासिल की है। उन्होंने 1940 के दशक में स्टैनफोर्ड में जरूरी कक्षाएं ली थीं। -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact
97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

भारत-बांग्लादेश के बीच शुरू होगी ट्रेन और बस सेवा : हसीना

नई दिल्ली। भारत और बांग्लादेश ने शनिवार को कोलकाता और राजशाही के बीच नई ट्रेन सेवा और कोलकाता एवं चटगांव के बीच नई बस सेवा की घोषणा की। यह घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी बांग्लादेशी समकक्ष शेख हसीना के बीच यहां द्विपक्षीय बैठक के बाद की गई। हसीना शुक्रवार को यहां पहुंचीं और वह मोदी के लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत की राजकीय यात्रा करने वाली पहली विदेशी नेता बन गईं। द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने संपर्क और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए कई नए उपायों की भी घोषणा की। यह घोषणा की गई कि कोलकाता और राजशाही के बीच एक यात्री ट्रेन सेवा जल्द ही शुरू की जाएगी। इसमें कोलकाता और चटगांव के बीच एक नई बस सेवा भी शुरू की जाएगी और बांग्लादेश के सिराजगंज में अंतर्देशीय कंटेनर डिपो बनाने के लिए भारत अनुदान देगा। अपने संबोधन में मोदी ने दोनों देशों लोगों के बीच आपसी संपर्क को द्विपक्षीय संबंधों की नींव बताते हुए कहा कि बांग्लादेश से इलाज के लिए भारत आने वाले लोगों के लिए ई-मेडिकल वीजा सुविधा शुरू की जाएगी। भारत ने रंगपुर में एक नया सहायक उच्चायोग खोलने का भी फैसला किया है। दोनों पक्षों ने डिजिटल, समुद्री अर्थव्यवस्था, रेलवे, अंतरिक्ष, हरित प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और चिकित्सा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में संबंधों को मजबूत करने के लिए 10 समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

राज्य में विभिन्न इलाकों से दो शव बरामद

कामरूप/होजाई (हिंस)। बोको के पाठशालाकोठ इलाके में बोको नदी में तैरता हुआ आज एक शव बरामद किया गया। मृतक की पहचान बोको डाकुआपाड़ा के देबकांत राभा (50) के रूप में हुई है। पुलिस ने आज बताया कि मृतक शनिवार को बोको के साप्ताहिक बाजार पहुंचने के बाद से लापता था। आशंका जताई जा रही है कि बोको नदी पार करते समय वह पानी में बह गया होगा। बोको पुलिस ने आज शव बरामद कर लिया। उधर होजाई के शिकारीगेट के पास आज सुबह एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया। रेलवे पुलिस को शक है कि चलती ट्रेन से गिरने के कारण व्यक्ति की मौत हुई होगी। हालांकि, मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। होजाई रेलवे पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी।

मुठभेड़ में घायल अपहर्ता पुलिसकर्मी अस्पताल में भर्ती

कछार (हिंस)। भागने की कोशिश कर रहा किशोरी के अपहरण का आरोपी पुलिस मुठभेड़ में घायल हो गया। अपहर्ता और उसके हमले में घायल पुलिसकर्मी को सिलचर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कछार पुलिस अधीक्षक ने आज बताया है कि जिले के बिनाकांदी में कानून-व्यवस्था की गंभीर स्थिति के संबंध में सूचना मिलने के बाद लखीमोनी रिकियासन (19) नामक एक लड़की को अपहर्ता के चंगुल से आजाद कराया गया। मन्नान अहमद (32) द्वारा लड़की का अपहरण के संबंध में लखीपुर थाने को कछार पुलिस की टीम द्वारा सूचना दी गई थी। विशेष छापेमारी और तलाशी के दौरान अपहृत लड़की को सोनाई के पास बरामद किया गया। जांच के दौरान, आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया। आरोपी शादीशुदा है और उसके दो बच्चे हैं। आज जब मुख्य आरोपी मन्नान अहमद को लखीपुर बीपीएचसी अस्पताल ले जाया जा रहा था, तो उसने पुलिस से शिवपुर, मोरागोंग, बांसकांडी में पेशाब करने के लिए वाहन रोकने का अनुरोध किया। लेकिन, जैसे ही वाहन रोका गया, उसने अचानक ड्यूटी पर तैनात लांस नायक जसीमुद्दीन लस्कर पर एक जोरदार मुक्का मारकर हमला कर दिया और खुले मैदान की ओर पुलिस हिरासत से भाग गया। रुकने को कहे जाने पर वह भागता रहा। पुलिस टीम ने कोई और विकल्प न पाकर दो राउंड नियंत्रित फायरिंग की। जिसमें उसके पैर में गोली लग गई और वह गिर गया। उसे तुरंत पकड़ लिया गया। आरोपी मन्नान अहमद और गंभीर रूप से घायल लांस नायक जेसीमुद्दीन लस्कर को ईलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया। आगे की कार्रवाई शुरू की जा रही है।

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में हथियार और गोला-बारूद की बरामदगी का सिलसिला लगातार जारी है। इसी सिलसिले में भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद संयुक्त सुरक्षा बलों के अभियान में बरामद किया गया। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि पहाड़ी और घाटी जिलों के सीमांत और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों द्वारा तलाशी अभियान और क्षेत्र वर्चस्व चलाया गया। तलाशी अभियान के दौरान थौबल जिले के वेथौ फुट हिल क्षेत्र से एक 12-बोर सिंगल बैरल, एक 12-बोर बोल्ट एक्शन राइफल, एक एसएमजी विद मैगजीन, एक रिवॉल्वर, दो 2-इंच मोर्टार शेल, दो 81-मोर्टार शेल, दो 36-एचई हैंड ग्रेनेड, दो चीनी ग्रेनेड, एक आईईडी, दो स्मोक ग्रेनेड, दो स्मोक शेल, एक मोटोरोला हैंड हेल्ड सेट, एक 7.62 एसएलआर मैगजीन और 01 एक असॉल्ट राइफल मैगजीन बरामद किया गया। सुरक्षा बलों द्वारा पूरे राज्य में छापामारी अभियान चलाया जा रहा है।

मेघालय में लापता युवक का शव बरामद

कामरूप (हिंस)। मेघालय के अरेडोंगा से लापता हुए युवक का शव बरामद कर लिया गया। पुलिस ने आज बताया कि मृत युवक की पहचान ध्रुवज्योति कलिता (21) के रूप में हुई है। मृतक का घर छयगांव के मिलनपुर में है। मृतक युवक बीते कल तीन अन्य मित्रों के साथ आरेडोंगा गया था। पिकनिक स्पॉट आरेडोंगा में नहाने के दौरान युवक लापता हो गया था। कल से ही उसकी तलाश की जा रही थी। आज युवक का शव बरामद किया गया। मेघालय पुलिस और एसआरटी ने युवक का शव बरामद किया।

हेरोइन के साथ महिला समेत पांच गिरफ्तार

गोलाघाट (हिंस)। भारी-मात्रा में हेरोइन के साथ आज एक महिला समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। रविवार को धनसिरी पुलिस ने धनसिरी उप-मंडल में असम-नगालैंड सीमा पर उरियामघाट थाना क्षेत्र के तीन नंबर दयालपुर गांव की एक महिला से भारी मात्रा में नशीले पदार्थों को जब्त करने में कामयाबी हासिल की। जब्त हेरोइन की कीमत 10 लाख रुपए से अधिक बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि सूचना के आधार पर धनसिरी उपमंडल पुलिस अधिकारी के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम ने आज उक्त गांव में अभियान चलाया। पुलिस ने गांव में रहीमा खातून (44) के घर से 269.94 ग्राम संदिग्ध हेरोइन से भरे 24 साबुन के डिब्बे में जब्त किए। प्रारंभिक पूछताछ के अंत में रहीमा खातून को उसके देवर शाह अली (28) के साथ पुलिस ने हिरासत में ले लिया। घटना के सिलसिले में तीन अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उरियामघाट थाने में मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी।

गांजा समेत एक तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के नूनमाटी पुलिस ने गांजा समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के नारंगी के लाल बस्ती इलाके में चलाए गए अभियान के दौरान 1.571 ग्राम गांजा समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान अलका दे रूप में की गई है। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार तस्कर से सघन पूछताछ कर रही है।

ड्रग्स की तस्करी मामले में शामिल दो तस्कर गिरफ्तार

होजाई (हिंस)। होजाई जिले के पूर्व धनीराम पथार इलाके में पुलिस की एक टीम ने अभियान चला कर ड्रग्स समेत दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान छह प्लास्टिक के छोटे-छोटे कंटेनर में भरकर रख गए ड्रग्स समेत दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार तस्करों की पहचान जफर अली और हबीबुर रहमान के रूप में की गई है। यह अभियान पुलिस अधिकारी निखिल चंद्र राय के नेतृत्व में चलाया गया था। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

पृष्ठ एक का शेष

नीट 2024 : जांच के लिए...

तलाशी लेकर लोटने ही वाली थी कि करीब 200-300 लोगों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने सिविल ड्रेस में रहे सीबीआई टीम को नकली बताकर घेर लिया। हालांकि, सीबीआई अधिकारियों ने अपना पहचान पत्र भी दिखाया। साथ ही नवादा नगर थाना की महिला सिपाही काजल कुमारी की ओर से भी लोगों को समझाने का प्रयास किया गया। इसके बाद भी भीड़ ने एक न सुनी और अधिकारियों के साथ बदतमीजी करने लगे। मामला बढ़ते देख सीबीआई की टीम ने रजौली थाना की पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस जब तक पहुंचती उससे पहले ही ग्रामीणों ने सीबीआई की टीम पर हमला बोल दिया। हमले में सीबीआई टीम की गाड़ी चला रहे संजय सोनी घायल हो गए। बताया जा रहा है कि यूजीसी नेट पेपर लीक मामले में गिरफ्तार एक युवक की निशानदेही पर कसियाडीह की एक युवती की तलाश में सीबीआई की टीम पहुंची थी। छापेमारी में सीबीआई टीम ने दो मोबाइल के साथ कुछ बैंक पासबुक और यूजीसी नेट से संबंधित कुछ कागजात बरामद कर अपने साथ ले गई है। हालांकि, नवादा पुलिस ने बताया है कि सीबीआई की टीम ने दो मोबाइल फोन जब्त कर अपने साथ ले गई है। थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने कहा कि सीबीआई और पुलिस की टीम पर हुए हमले को लेकर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। एक युवती समेत कुल चार लोगों को गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार लोगों में कसियाडीह गांव निवासी फूलचंद प्रसाद की पुत्री राधा कुमारी उर्फ मधु, श्रवण कुमार के बेटे प्रिंस कुमार, चुनचुन प्रसाद के बेटे ललन कुमार और राजेंद्र प्रसाद के बेटे अमरजीत कुमार के रूप में की गई है। सभी गिरफ्तार लोगों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

समुदाय विशेष ने ...

केंद्रित है। वे हिस्से जो अल्पसंख्यक बाहुल्य हैं। इन अल्पसंख्यक बाहुल्य क्षेत्रों में भाजपा का वोट प्रतिशत सिर्फ 3 रहा। सीएम शर्मा ने किसी संप्रदाय का नाम लिए बिना कहा कि इससे साबित होता है कि हिंदू सांप्रदायिकता में लिप्त नहीं है। अगर असम में कोई सांप्रदायिकता में लिप्त है तो वह केवल एक समुदाय, एक धर्म है। कोई अन्य धर्म ऐसा नहीं करता। उन्होंने यह भी कहा कि अल्पसंख्यक बाहुल्य क्षेत्रों में भले ही सड़कें न हों, बिजली न हो, लेकिन वे कांग्रेस के लिए मतदान करते रहे हैं। उन्होंने इस बार फिर ऐसा किया। उन्होंने कहा कि भाजपा असमिया लोगों और आदिवासियों के लिए काम कर रही है। बावजूद इन समुदायों ने भी भगवा पार्टी को शत् प्रतिशत वोट नहीं दिया। हिमंत विश्व ने कहा कि करीमगंज को छोड़कर यदि हम बांग्लादेशी मूल के लोगों की बहुलता वाले केंद्रों पर विचार करें, तो 99 प्रतिशत वोट कांग्रेस को मिले हैं। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि वे लोग भले ही पीएम मोदी द्वारा दिए गए घरों में रह रहे हों, उनके द्वारा दी गई बिजली और स्वच्छता सुविधाओं का लाभ ले रहे हों, लेकिन वोट देने जाते समय वे कांग्रेस को ही वोट देते हैं। उन्होंने कहा कि बांगलादेशी मूल का समुदाय कांग्रेस को वोट देगा क्योंकि वे अगले 10 वर्षों में राज्य पर नियंत्रण रखना चाहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि समुदाय के सदस्यों ने बरपेटा के एक गांव लखीमपुर में एक पुलिस स्टेशन पर हमला किया। कोकराझाड़ में भूमि पर अतिक्रमण करने की कोशिश की। जबकि भाजपा सरकार आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण निष्क्रिय थी। उन्होंने यह भी कहा कि जब भाजपा सरकार नहीं होगी तो इस तरह के कितने हमले हों, इसकी कल्पना ही की जा सकती है। सीएम ने कहा कि भाजपा और उसके सहयोगियों ने इस लोकसभा चुनाव में 126 विधानसभा क्षेत्रों में से 92 पर जीत हासिल की। जो कि राज्य में किसी भी सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए अबतक की सबसे बड़ी जीत है। उन्होंने कहा कि भाजपा राष्ट्र निर्माण की राजनीति करती है, और सभी भागों के विकास के लिए काम करती रहेगी, चाहे उसके उम्मीदवार उन क्षेत्रों से जीते हों या नहीं। उन्होंने कहा कि इस बार हमें 47 फीसदी वोट मिले हैं, 2026 के राज्य के चुनाव में 50 फीसद वोट हासिल करना हमारा लक्ष्य है।

राज्य में बाढ़ को ...

प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने अकाउंट से पोस्ट करते हुए लिखा है कि बाढ़ की वजह से राज्य की स्थिति बेहद गंभीर बनी हुई है, जिससे 10 जिलों में 1.17 लाख से अधिक आबादी प्रभावित हुए हैं। बाढ़ से प्रभावित जिलों के 27 राजस्व क्षेत्र के 968 गांव बाढ़ से पूरी तरह जलमग्न हो गए हैं। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि बाढ़ से राहत के लिए अभी के समय में अधिकारी करीब 134 रिलीफ कैंप और करीब 94 रिलीफ डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर चला रहे हैं। इन सभी रिलीफ कैंप में कुल 17,661 लोगों ने बाढ़ से बचने के लिए शरण ली है। खतरे की बात करते हुए सीएम ने कहा कि बराक के करीमगंज में कुशियारा नदी अभी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। असम राज्य के डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (एएसडीएमए) के मुताबिक, अभी तक 39 लोगों की मौत हो चुकी है और पिछले 24 घंटे में दो लोगों की मौत की सूचना आई है, इसके साथ ही उन्होंने थोड़ी राहत की खबर देते हुए बताया कि 22 जून को बाढ़ से प्रभावित लोगों की संख्या पहले की तुलना में कम हो गई है, उन्होंने कहा कि स्थिति में मामूली सा सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि 3995.33 हेक्टेयर कृषि भूमि बाढ़ के पानी से जलमग्न है।

दो संदिग्ध शिकारियों ...

जांच गठित करने का निर्देश दिया है। रिपोर्टों के अनुसार, 22 जून को रात के करीब 1.00 बजे, सरायहागी अवैध शिकार विरोधी शिविरों के पास गैंडे की सुरक्षा इयूटी पर तैनात वन गश्ती दलों का सामना लौखोवा वन्यजीव अभयारण्य के गोराजन रेंज के अंतर्गत रौमारी बील के पास 20 हथियारबंद बदमाशों के एक समूह से हुआ। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व की निदेशक सोनाली घोष ने एक प्रेस बयान में कहा कि चुनौती दिए जाने पर घुसपैठियों ने धारदार हथियारों से हमला कर दिया और वन दल ने आत्मरक्षा में गोलियां चलाईं। बाद में, ईएफओ नगांव डब्ल्यूएल और एसपी नगांव घटनास्थल पर पहुंचे और दो गंभीर रूप से घायल घुसपैठियों को नगांव सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। इस बीच, वन विभाग ने एक प्राथमिकी दर्ज कर ली है और प्रक्रिया के अनुसार पुलिस और मजिस्ट्रेट जांच शुरू कर दी गई है। रौमारी बील और आसपास के घास के मैदान लौखोवा वन्यजीव अभयारण्य के अंतर्गत सबसे प्रमुख गैंडे के आवासों में से एक हैं, सोनाली घोष ने प्रेस बयान में कहा। बयान में कहा गया है कि इस अभयारण्य में 1980 के दशक में गैंडों के अवैध शिकार, अवैध मछली पकड़ने, शिकार और अतिक्रमण का दुखद इतिहास रहा है। 1980 के दशक के मध्य में, लगभग 45 गैंडों का अवैध शिकार किया गया था, जिससे वे स्थानीय स्तर पर विलुप्त हो गए थे। कई मौकों पर बदमाशों ने वन कर्मचारियों पर हमला किया है। पिछले दो वर्षों से, वन विभाग ने अतिरिक्त वन सीमा रेखा के साथ सीमाओं को मजबूत किया है और कड़ी निगरानी रखी है। ऐसे हस्तक्षेपों के कारण ही पिछले साल अक्टूबर से 2-3 गैंडे, जो ओरंग टाइगर रिजर्व से स्वाभाविक रूप से पलायन कर गए थे, रूमारी परिदृश्य में आ गए हैं। वर्तमान में, पुलिस और वन विभाग के कर्मचारी कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए साइट पर डेरा डाले हुए हैं।

झूठ और फरेब ...

में आयोजित प्रदेश पदाधिकारी, कोर कमिटी मोर्चो के प्रदेश अध्यक्ष, सांसद, विधायक, राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पूर्व सांसद, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी की संयुक्त बैठक संपन्न हुई। बैठक का संचालन प्रदेश महामंत्री एवं सांसद आदित्य साहू ने और धन्यवाद ज्ञापन नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने किया। बाबूलाल मरांडी ने अंगवस्त्र एवं पुष्प गुच्छ देकर शिवराज सिंह चौहान का और अमर कुमार बाउरी ने हिमंत विश्व शर्मा का स्वागत किया। स्वागत करने वालों में भानु प्रताप शाही, अपर्णा सेन गुप्ता, सीमा पासवान और मनोज सिंह शामिल हैं। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश सह प्रभारी असम सरकार के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि झूठ और फरेब लंबे समय तक नहीं चलते। जनता ने कांग्रेस झामुमो राजद ठगबंधन की सरकार को परख लिया पहचान लिया। ऐसी भ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए जनता तैयार है। उन्होंने कहा कि झारखंड के कार्यकर्ताओं के परिश्रम से सकारात्मक परिणाम आए हैं। एनडीए ने नौ सीटें जीती। प्रदेश चुनाव प्रभारी केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा पार्टी प्रदेश के जनता की आभारी है, जिसने सारे दुष्प्रचार और पाखंड को मात देते हुए भाजपा और एनडीए पर भरोसा किया। उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास में 1962 के बाद पहली बार ऐसा हुआ कि कोई प्रधानमंत्री तीसरी बार लगातार प्रधानमंत्री बना हो। उन्होंने कहा कि झारखंड की जनता का मिजाज स्पष्ट है। हमें जनता के सहयोग से आगामी विधानसभा चुनाव में मजबूत डबल इंजन सरकार झारखंड में बनानी है। हम सब यह संकल्प लें कि राज्य में बिना सरकार बनाए चैन से नहीं बैठेंगे। उन्होंने कहा कि जनता के आशीर्वाद से हम देश में जीते हैं और झारखंड भी जीतेंगे। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि शिवराज एवं हिमंत विश्व शर्मा के मार्गदर्शन में भाजपा अपने संकल्प को सिद्धि तक ले जाने में सफल होगी। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव का जनादेश राज्य सरकार के खिलाफ है। मुख्यमंत्री अपने क्षेत्र में प्रत्याशी को जीत नहीं दिला सके ऐसे ही राज्य सरकार के सात मंत्री भी अपने विधानसभा क्षेत्र में पिछड़े हैं। उन्होंने कहा कि करारी हार के बावजूद इंडी ठगबंधन के लोग सत्ता के अहंकार में डूबे हैं। प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने बैठक में आगामी सांगठनिक कार्यक्रमों की चर्चा की एवं आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। कोर कमिटी बैठक द्वितीय सत्र में कार्यालय में कोर कमिटी की बैठक हुई, जिसमें सांगठनिक कार्यक्रमों के साथ राज्य की राजनीतिक परिस्थितियों पर विस्तृत चर्चा की।

पूर्वोत्तर में इसरो की ...

संचार लाइनें और सड़क नेटवर्क भी टूट गए, जो मानसून के दौरान सरकार के लिए एक और बड़ी चिंता बन गई है। गृह मंत्री ने आगे कहा कि बाढ़ की स्थिति में जलभराव से निपटने के लिए प्राकृतिक जल निकासी प्रणाली को सड़क निर्माण के डिजाइन का महत्वपूर्ण हिस्सा होना चाहिए। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का आपदा प्रबंधन *शून्य दुर्घटना दृष्टिकोण* के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने इस दौरान संबंधित विभागों को सिक्किम और मणिपुर में हाल ही में आई बाढ़ का विस्तृत अध्ययन करने और केंद्रीय गृह मंत्रालय को एक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। गृह मंत्री ने आगे कहा कि केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के बाढ़ निगरानी केंद्र आवश्यकताओं और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होने चाहिए। गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय और केंद्रीय जय शक्ति मंत्री सीआर पाटिल मौजूद रहे। इनके अलावा, जल संसाधन, नदी विकास और नदी संरक्षण, पृथ्वी विज्ञान, पर्यावरण-वन और जलवायु परिवर्तन, सड़क परिवहन और राजमार्ग, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष, एनडीएमए के सदस्य, एनडीआरएफ और आईएमडी के महानिदेशक, सीडब्ल्यूसी, एनएचएआई के अध्यक्ष और संबंधित मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।

अरुणाचल में बादल...

सकता है कि पानी का बहाव कितना तेज है। दरअसल अरुणाचल प्रदेश में पिछले कुछ हफ्तों से लगातार भारी बारिश हो रही है, हालांकि पिछले दो दिनों में स्थिति में सुधार हुआ था। अधिकारियों ने बताया कि रविवार को बारिश का कोई पूर्वानुमान नहीं किया गया था। लेकिन अचानक से तेज बारिश से हालात खराब हो गए। वहीं आपदा प्रबंधन विभाग के एक अधिकारी ने का कहना है कि रविवार 23 जून को सुबह करीब 10:30 बजे बादल फटने के बाद इटानगर और इसके आसपास के इलाकों के कई हिस्सों से भूस्खलन की खबरें आईं है। जबकि एनएच-415 के कई हिस्सों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई है। अधिकारी ने बताया कि राजमार्ग पर कई वाहन फंसे हुए हैं। इस बीच जिला प्रशासन ने सभी लोगों से नदियों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों दे दूर रहने का आग्रह किया है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वह ऐसी जगहों पर न जाएं साथ ही उन्हें सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए कहा है ताकि किसी भी तरह के नुकसान से बचा जा सके। जिला प्रशासन ने लोगों के लिए सात निर्दिष्ट स्थानों पर राहत शिविर लगाए हैं जहां लोग रह सकें।

नक्सलियों ने घात ...

बीच टिम्मापुरम गांव के पास अपराह्न करीब तीन बजे किया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने आगे जानकारी देते हुए कहा कि *कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन* (कोबरा) की 201वीं इकाई के एक अग्रिम दल ने टेकलगुडेम की ओर सड़क सुरक्षा ड्यूटी के तहत जगरगुंडा पुलिस थाने की सीमा के अंतर्गत सिलगेर शिविर से गश्त शुरू की थी। सुरक्षाकर्मी एक ट्रक और मोटरसाइकिल पर सवार थे। नक्सलियों ने ट्रक को निशाना बनाकर आईईडी धमाका किया, जिसमें कांस्टेबल शैलेंद्र (29) और वाहन चालक विष्णु आर (35) की जान चली गई। अधिकारी ने बताया कि धमाके की सूचना मिलने के बाद अतिरिक्त सुरक्षा बल मौके पर पहुंच गए हैं तथा शवों को जंगल से बाहर निकाला जा रहा है। उन्होंने बताया कि इलाके में तलाशी अभियान जारी है।

राजकोट में दोबारा ...

नीट-यूजी परीक्षा में 682 अंक हासिल किए हैं। दोबारा परीक्षा नहीं होनी चाहिए, क्योंकि हमने कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ ये अंक हासिल किए हैं। जिन छात्रों ने 600 से कम अंक हासिल किए हैं, वे दोबारा नीट कराने की मांग कर रहे हैं। 1.5 महीने के अंतराल के बाद दोबारा अच्छा स्कोर करना आसान नहीं होगा। यह हमारे भविष्य के साथ खिलवाड़ करने जैसा है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा नीट-यूजी 2024 परीक्षा का आयोजन 5 मई को कराया गया था। वहीं, इसके परिणाम 4 जून को घोषित किए गए थे। नतीजों के बाद अनियमितताओं और पेपर लीक के आरोपों पर बवाल मच गया। नतीजों से पता चला कि 67 छात्रों ने 720 अंकों के साथ परीक्षा में टॉप किया है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने 1,500 से अधिक छात्रों की दोबारा परीक्षा की अनुमति दी थी, जिन्हें ग्रेस मार्क्स दिए गए थे। इस बीच परीक्षा स्थगित करने को लेकर कई राज्यों में चल रहे विरोध प्रदर्शन के बीच केंद्र सरकार ने कड़े एक्शन लेते हुए एनटीए के महानिदेशक सुबोध कुमार सिंह को हटा दिया। उनकी जगह प्रदीप सिंह खरोला को एनटीए का नया महानिदेशक बनाया गया है। साथ ही सरकार ने परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए विशेषज्ञों की एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। शिक्षा मंत्रालय ने परीक्षाओं के पारदर्शी और निष्पक्ष संचालन को सुनिश्चित करने के लिए इसरो एवं आईआईटी कानपुर के पूर्व अध्यक्ष डॉ के राधाकृष्णन की अध्यक्षता में विशेषज्ञों की एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। साथ ही नीट यूजी परीक्षा 2024 में कथित अनियमितताओं की जांच भी सीबीआई को सौंपी गई है। सरकार ने परीक्षा से संबंधित किसी भी अनियमितता में शामिल पाए जाने वाले व्यक्ति के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

जमानत पर दिल्ली ...

सुधीर कुमार जैन और रविंदर डुडेजा की अवकाश पीठ ने ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगाते हुए कहा कि जब तक हाई कोर्ट मामले की सुनवाई नहीं करता, तब तक रुकें। दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा मामले की सुनवाई किए जाने तक ट्रायल कोर्ट (राउज एवेन्यू) में कोई कार्यवाही शुरू नहीं होगी। ईडी ने अदालत में दलील देते हुए कहा कि धारा 45 की कठोरता पर कोई निष्कर्ष नहीं निकला है। उसने आगे कहा कि जमानत रद्द करने के लिए इससे बेहतर कोई कारण नहीं हो सकता। सुनवाई दोबारा शुरू होने पर प्रवर्तन निदेशालय का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील ने हाई कोर्ट में ट्रायल कोर्ट का आदेश दिखाया और इसे *चौंकाने वाला* बताते हुए इस पर सवाल उठाए थे। प्रवर्तन निदेशालय ने कोर्ट में दलील देते हुए आरोप लगाया कि ट्रायल कोर्ट ने जमानत आदेश देने से पहले सामग्री और सबूतों पर गौर नहीं किया। ईडी ने अदालत में अपनी दलील रखते हुए कहा कि ट्रायल कोर्ट ने *अप्रासंगिक तथ्यों* पर विचार किया है और जमानत देते समय प्रासंगिक तथ्यों पर विचार करने में विफल रही है।

आज से शुरू हो रहा...

की है, जिसका आरोप है कि कांग्रेस सदस्य कोडिकुन्निल सुरेश के प्रोटेम स्पीकर बनने के दावे को सरकार ने नजरअंदाज कर दिया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि महताब लगातार सात बार लोकसभा सदस्य रह चुके हैं, जिससे वह इस पद के लिए योग्य हैं। सुरेश 1998 और 2004 में चुनाव हार गए थे, जिससे उनका मौजूदा कार्यकाल निचले सदन में लगातार चौथा कार्यकाल बन गया है। इससे पहले, वह 1989, 1991, 1996 और 1999 में लोकसभा के लिए चुने गए थे। सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति भवन में महताब को लोकसभा के प्रोटेम स्पीकर के तौर पर शपथ दिलाएंगी। इसके बाद महताब संसद पहुंचेंगे और सुबह 11 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू करेंगे। कार्यवाही की शुरुआत 18वीं लोक सभा की पहली बैठक के अवसर पर सदस्यों द्वारा एक क्षण का मौन रखने से होगी। इसके बाद लोक सभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह लोक सभा के लिए निर्वाचित सदस्यों की सूची सदन के पटल पर रखेंगे। इसके बाद महताब लोकसभा के नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सदन के सदस्य के रूप में शपथ लेने के लिए आमंत्रित करेंगे। इसके बाद प्रोटेम स्पीकर राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त अध्यक्षों के पैनल को शपथ दिलाएंगे, जो 26 जून को अध्यक्ष के चुनाव तक सदन की कार्यवाही चलाने में उनकी सहायता करेंगे। राष्ट्रपति ने लोकसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाने में महताब की सहायता के लिए कोडिकुन्निल सुरेश (कांग्रेस), टीआर बालू (डीएमके), राधा मोहन सिंह और फग्गन सिंह कुलस्ते (दोनों भाजपा) और सुदीप बंदोपाध्याय (तृणमूल कांग्रेस) को नियुक्त किया है। लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए चुनाव 26 जून को होगा और इसके तुरंत बाद प्रधानमंत्री अपने मंत्रिपरिषद का सदन में परिचय कराएंगे। राष्ट्रपति 27 जून को संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगे। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस 28 जून को शुरू होगी। उम्मीद है कि प्रधानमंत्री मोदी 2 या 3 जुलाई को बहस का जवाब देंगे। दोनों सदनों के संक्षिप्त अवकाश पर जाने तथा 22 जुलाई को केंद्रीय बजट प्रस्तुत करने के लिए पुनः एकत्रित होने की संभावना है।

जज्बे को सलाम ...

यहां तक कि अपना कोर्सवर्क भी पूरा कर लिया था, लेकिन अंतिम मास्टर थीसिस जमा करने से ठीक पहले, द्वितीय विश्व युद्ध छिड़ गया, जिससे उनका डिग्री कोर्स अटक गया। युद्ध शुरू होने की वजह से गिनी के प्रेमी जॉर्ज हिसलोप को युद्ध में सेवा करने के लिए बुलाया गया जिस कारण गिन्नी हिसलोप ने उससे शादी करने के लिए स्कूल छोड़ दिया। उन्होंने आखिरकार युद्ध के प्रयासों में सहायता की और अपने परिवार के पालन-पोषण पर ध्यान लगा दिया। गिन्नी हिसलोप के परिवार में दो बच्चे, चार पोते और नौ परपोते शामिल हैं। अपने परिवार के साथ जीवन को आगे बढ़ाते हुए हिसलोप ने दशकों तक वाशिंगटन राज्य में स्कूल और कॉलेज बोर्ड में भी काम किया। इस दौरान, स्टैनफोर्ड ने अपनी थीसिस की आवश्यकता को समाप्त कर दिया, और गिन्नी हिसलोप अंततः स्नातक होने के लिए स्कूल लौट आईं, 16 जून 2024 को शिक्षा में कला के अपने मास्टर डिग्री को स्वीकार करने के लिए जब वे मंच पर गईं तो हाल तालियों से गूंज उठा।

त्रिपुरा के सीएम ने ...

बांग्लादेश के बीच पुराने और गहरे संबंधों पर जोर देते हुए वैद्य ने कहा कि यह *टॉकन उपहार* संबंधों को और अधिक मजबूत करेगा। पिछले वर्ष भी मुख्यमंत्री ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री को अनानास भेजे थे, जबकि प्रधानमंत्री हसीना ने भी उन्हें आम भेजे थे।

मणिपुर में केसीपी (सीएम) संगठन के तीन उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में हथियार और गोला-बारूद की बरामदगी के साथ ही उग्रवादियों के पकड़े जाने का सिलसिला भी लगातार जारी है। इसी सिलसिले में सुरक्षा बलों के अभियान में तीन कट्टर केसीपी (सीएम) संगठन के उग्रवादियों को पकड़ा गया। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि पुलिस ने प्रतिबंधित संगठन केसीपी (सिटी मैतेई) के तीन सक्रिय कैडरों को जबरन वसूली की गतिविधियों के लिए इंफाल पश्चिम जिले से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान अकोइजाम रॉबिन्सन सिंह (31), फिजाम तोम्बा सिंह (50) और लौरेम्बम सदानंद सिंह (18) के रूप में हुई है। इसके अलावा उनके कब्जे से एक चार पहिया वाहन बरामद किया गया। आगे की जांच के लिए मामला दर्ज कर लिया गया है। उग्रवादी गतिविधियों में शामिल लोगों को पकड़ने के लिए सुरक्षा बलों द्वारा पूरे राज्य में छापामारी अभियान चलाया जा रहा है।

नगांव में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक दिवस

असम पिछले दशक में देश के अग्रणी खेल केंद्र के रूप में उभरा है : सोनोवाल

कई अंतर्राष्ट्रीय एथलीट तैयार किए हैं : केंद्रीय मंत्री सर्बानंद

गुवाहाटी। केंद्रीय कैबिनेट मंत्री और असम ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष सर्बानंद सोनोवाल ने आज अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के अवसर पर असम ओलंपिक एसोसिएशन और नागांव स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक समारोह में भाग लिया। मैराथन को असम की खेल मंत्री नंदिता गरलोचा, स्थानीय विधायक रूपक शर्मा, असम ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव लक्ष्य कोंवर, कोषाध्यक्ष तपन दास और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने हरी झंडी दिखाई। उन्होंने कहा कि खेलों ने युगों से मानव समाज को एक साथ बांधे रखा है। खेलों में वह महान शक्ति है जो लोगों को शारीरिक और मानसिक रूप से एकजुट करने के अलावा सामंजस्य

बिठाती है। *ओलंपिक का महत्व* पिछले दशक में असम और पूरे देश में खेल क्षेत्र में आमूल-चूल बदलाव आया है। जब से भाजपा सरकार सत्ता में आई है, असम ने खेलों में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। फीफा अंडर-जैसे विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों की सफल मेजबानी की गई है। 17वें विश्व कप, एआईबीए युवा महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप आदि ने असम को देश के खेल मानचित्र की जीवनधारा में से एक बना दिया है, 1999 में चबुआ में श्री श्री अनिरुद्धदेव राज्य खेल विश्वविद्यालय के उद्घाटन जैसी राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी पहल। ऑल असम के पारंपरिक खेल महोत्सव, राज्य खेल नीति का निर्माण आदि ने असम में एक के बाद एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर के एथलीटों को जन्म दिया है, फिर हिमपात के बाद खेल मंत्री रहते हुए (टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम) जैसी महत्वाकांक्षी पहल की गई, जो धीरे-धीरे ओलंपिक में भारत की पदक तालिका में इजाफा हुआ, जबकि लवलीना बरगोहाईं ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली असमिया बनीं। असम ओलंपिक एसोसिएशन भी हाल के वर्षों में असम में खेल क्षेत्र के व्यापक विकास के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। असम ओलंपिक एसोसिएशन के विशेष प्रयासों से 2022 में पहली बार असम युवा ओलंपिक आयोजित किया जाएगा।

मां ने की दूधमुंही बेटी की गला घोंटकर हत्या

बरपेटा (हिंस)। जहां एक ओर सरकार *बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ* के स्लोगन के साथ लड़कियों के लिए एक से बढ़कर एक योजना लागू कर रही है और महिलाओं को बेटी पैदा करने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। वहीं, एक महिला ने अपनी देढ़ माह की दूधमुंही बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी और उसके शव को तालाब में फेंक दिया। पुलिस ने आज बताया कि यह घटना बरपेटा रोड के पास धूपगुरी भुइयांपाड़ा गांव में घटी। गांव के अब्दुल अजीज की पत्नी नारजीना खातून ने करीब देढ़ महीने पहले एक बच्ची को जन्म दिया था। बच्ची का नाम अल्मीना रखा गया था। शुक्रवार की रात, जब बच्ची का पिता अब्दुल अजीज घर पर नहीं था, उसकी मां, नारज़ीना ने बच्ची की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद बच्ची को शौचालय में छिपा दिया और नाटक किया कि उसकी बच्ची को कोई ले गया। इसके बाद पड़ोस के लोग अब्दुल के घर पर जमा हो गए और बच्ची को ढूंढा तो वह नहीं मिलू। शनिवार तड़के करीब तीन बजे महिला ने शव को शौचालय से उठाकर घर के पीछे के तालाब में फेंक दिया। इसके बाद महिला ने खुद तालाब पर जाकर परिजनों को बताया कि उसने बच्ची को तालाब में देखा है। इसके बाद परिवार में असमंजस का माहौल बन गया और जब स्थानीय लोगों ने भी तालाब में बच्ची का शव देखा और शिमलागुड़ी थाने को सूचना दी तो पुलिस टीम पहुंची और शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए मुसलपुर भेजा और मामले की जांच शुरू की। आज बच्ची की मां ने शिमलागुड़ी पुलिस और अपने परिवार के सामने कबूल किया कि उसने स्वयं ही बच्ची की हत्या की है। पुलिस ने हत्यारिन मां को हिरासत में लेकर शिमलागुड़ी थाने में पूछताछ शुरू की। परिवार ने इस हृदयहीन और हत्यारिन नारजीना खातून के लिए सख्त सजा की मांग की है।

मणिपुर में तीन बंकर ध्वस्त एक गिरफ्तार

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने तीन बंकर ध्वस्त कर दिए। वहीं, वसूली के मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि पहाड़ी और घाटी जिलों के सीमांत और संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बलों द्वारा तलाशी अभियान और क्षेत्र वर्चस्व चलाया गया। तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने कांगपोकपी जिले के जीरो प्वाइंट इलाके में तीन बंकरों को नष्ट कर दिया। एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों ने कालापहाड़ और बोंगमोल गांव के बीच सामान्य क्षेत्र से एक सथाओलेन किलोंग (24) नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार व्यक्ति कांगपोकपी जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-2 पर बोंगमोल गांव के पास ट्रक ड्राइवरों से जबरन पैसे वसूल रहा था। उसके पास से एक सिंथेटिक चमड़े का पर्स, चार हजार एक सौ रुपए नकद और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ।

भारत रत्न स्व. अटल बिहारी बाजपेयी पर आधारित पुस्तक का मुख्य भाग प्रकाशित किया गया

कोकराझाड़ (विभास)। आज कोकराझाड़ में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 71वें बलिदान दिवस पर *भारतीय राजनीति के भीष्म पितामह, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी* पर आधारित पुस्तक का मुख्य भाग प्रकाशित हुआ। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी पार्क एवं निर्माण समिति के अध्यक्ष संतोष तरफदार (लेखक), महासचिव परीक्षित रॉय (लेखक), सचिव बप्पी दे, आरएसएस असम प्रांत बौद्धिक प्रमुख एवं सलाहकार रथीन्द्र सिन्हा, विहिप अध्यक्ष धनेश्वर सरानिया, सांस्कृतिक सचिव काबेरी गुहा और पार्क के अन्य सदस्य तथा पड़ोसी शामिल हुए।

जंगली हाथी के हमले में एक व्यक्ति की मौत

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा जिले में जंगली हाथी के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। जिले के विभिन्न हिस्सों में जंगली हाथियों का आतंक जारी है। वन विभाग ने आज बताया कि रंगजुली में भोजन की तलाश में एक अकेला जंगली हाथी पंडितपाड़ा गांव में घुस गया। इसके बाद उसका सामना गांव के एक व्यक्ति से हुआ। हाथी ने उस आदमी पर हमला कर उसे घसीटते हुए ले गया। नतीजतन घटनास्थल पर ही सुभाष राभा (45) नामक शख्स की मौत हो गई। बाद में इसकी जानकारी वन विभाग और रंगजुली थाना पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस और वन विभाग के कर्मी मौके पर पहुंचे और शव को बरामद कर रंगजुली थाने ले आए। उल्लेखनीय है कि इलाके में जंगली हाथी लगातार दहशत फैला रहे हैं।

अंबुवासी मेला में आए भक्तों के लिए भंडारा

गुवाहाटी (हिंस)। अंबुबासी मेले के अवसर पर देश-विदेश के विभिन्न हिस्सों से साधु-संत और श्रद्धालु कामाख्या धाम पहुंचे हैं। श्रद्धालुओं के लिए सरकार द्वारा अनुमोदित संगठन और गैर सरकारी संगठन पांडू इलाके में, कामाख्या स्टेशन और भूतनाथ में भंडारे का आयोजन किए हैं। इस बार भक्तों के लिए कामाख्या धाम में खाने-पीने और रहने की व्यवस्था नही की गयी है। श्रद्धालुओं के खाने-पीने और रहने की व्यवस्था नामनी कामाख्या में अर्थात पांडू में किया गया है। गुवाहाटी के साहनी कांवरिया गैर सरकारी संस्था ने पिछले 12 साल से भूतनाथ में अंबुवासी मेले में आए श्रद्धालुओं के लिए खाने की और चिकित्सा व्यवस्था करते आ रहे हैं। साहनी कांवडिया संस्था के सेवक राजू साहनी ने कहा है शनिवार की सुबह उनके संगठन का भंडारा धार्मिक नीति और नियम के साथ आरंभ हुआ है। उन्होंने कहा है कि 26 तारीख तक यह अंबुबासी मेला के चलते प्रतिदिन दिन-रात भक्तों के लिए भंडारा चलेगा। साथ ही मेले में आए भक्तों की चिकित्सा के लिए भी व्यवस्था की गयी है। इसके अलावा एक एंबुलेंस आपातकालीन रोगियों को अस्पताल लिए जाने के लिए तैनात की गयी है। मालीगांव के महा कारुणिक बुद्ध विहार ट्रस्ट द्वारा अंबुबासी मेला में आये तीर्थयात्रियों के लिए महाप्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। मंदिर के प्राचार्य भंते भिक्षु शमनप्रिया ने बताया कि यह महाप्रसाद वितरण कार्यक्रम 22 से 26 जून तक चलेगा। उन्हें उम्मीद है कि सभी श्रद्धालुओं के सहयोग से यह मांगलिक आयोजन निर्विघ्न संपन्न होगा। हर साल की तरह इस वर्ष भी मालीगांव गुरुद्वारा के भक्तों और गुवाहाटी न्यायालय के अधिवक्ताओं के सहयोग से अंबुबासी मेला के भक्तों के बीच महाप्रसाद वितरण का कार्यक्रम रविवार से आरंभ किया गया। गुवाहाटी न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश कल्याण रॉय खुराना ने महाप्रसाद वितरण का उद्घाटन किया। गुरुद्वारा मंदिर के सेवक श्रीगुरु सिंह ने बताया कि करीब दस हजार श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा। पाण्डू बड़ाबाजार दुर्गा मंडप व्यवसायी संस्था और गुवाहाटी फैंसी बाजार बिजनेस एसोसिएशन ने पांडू बड़ाबाजार इलाके में सूखा भोजन और मिठाई वितरित किया है। आयोजकों ने बताया कि यह सूखा भोजन करीब तीन हजार श्रद्धालुओं को बांटा जाएगा। इसके अलावा, हर साल की तरह पांडू बड़ाबाजार अंबुबासी मेला प्रबंधन समिति द्वारा पांडू बड़ाबाजार दुर्गा मंडप में दैनिक भोजन सेवा का आयोजन किया है।

नगरबेड़ा में पुलिस कार्रवाई में नशे के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

नगरबेड़ा (विभास)। पुलिस ने कल रात कामरूप जिले के नगरबेड़ा पुलिस स्टेशन के अंतर्गत सरुडोबा में छापा मारा और ड्रग्स के साथ दो ड्रग पेडलर्स को गिरफ्तार करने में कामयाब रहे। तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया और उनके पास से ब्राउन शुगर से भरे नौ कंटेनर जब्त किए गए। गिरफ्तार किए गए दोनों तस्करों की पहचान नगरबेड़ा के कल्याणपुर के जेहरुल मंडल और मुख्तार हुसैन के रूप में हुई है। नगरबेड़ा पुलिस ने आज गिरफ्तार किए गए दोनों नशा तस्करों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

कांग्रेस अध्यक्ष बोरा *बिहालीर बिननि* यात्रा में लेंगे हिस्सा

गुवाहाटी (हिंस)। भाजपा ने पांच निर्वाचन क्षेत्रों में उपचुनाव कराने के लिए जहां तैयारी कर ली है। वहीं, विपक्षी दल कांग्रेस भी इसमें पीछे नहीं है। ज्ञात हो कि लोकसभा चुनाव में विधायकों के सांसद चुने जाने के चलते विधानसभा के लिए उप चुनाव कराने की नौबत उत्पन्न हुई है। विपक्षी दल कांग्रेस पार्टी बिहाली में उपचुनाव लड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है, पार्टी अध्यक्ष भूपेन बोरा बिहाली में उपचुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार होंगे। यही कारण है कि कांग्रेस अध्यक्ष बोरा *बिहालीर बिननि* नामक यात्रा में भाग लेंगे। बिहाली विधानसभा क्षेत्र के उन इलाकों में पार्टी कार्यकर्ताओं को साथ लेकर जाएंगे भूपेन बोरा, जहां विकास की रौशनी नहीं पहुंची है। बिश्वनाथ जिला कांग्रेस ने आज प्रेस कांफ्रेंस कर भूपेन बोरा की यात्रा *बिहालिर बिननि* की घोषणा की।

पूसीरे ने शुरू की अनारक्षित अंबुवासी मेला स्पेशल ट्रेन

गुवाहाटी (हिंस)। कामाख्या मंदिर में चल रहे अंबुवासी मेले के दौरान तीर्थयात्रियों की अनुमानित भारी भीड़ से निपटने के लिए, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) ने गुवाहाटी और डालखोला स्टेशनों के बीच एक जोड़ी अनारक्षित स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। स्पेशल ट्रेन दोनों दिशाओं में तीन-तीन फेरों के लिए चलेगी। यह स्पेशल ट्रेन अंबुवासी मेले में आने वाले श्रद्धालुओं और आगंतुकों को इस गर्मी के मौसम में आरामदायक यात्रा करने की सुविधा प्रदान करेगी। पूसीरे के सीपीआरओ सब्यसाची दे ने आज बताया है कि स्पेशल ट्रेन संख्या 05674 (गुवाहाटी- डालखोला) 23, 24 और 26 जून को गुवाहाटी से 23:55 बजे रवाना होकर अगले दिन डालखोला 09:15 बजे पहुंचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 05673

(डालखोला- गुवाहाटी) 24, 25 और 27 जून को डालखोला से 09:45 बजे से रवाना होकर उसी दिन गुवाहाटी 19:30 बजे पहुंचेगी। इस स्पेशल ट्रेन में स्लीपर क्लास और जनरल सिटिंग कोच सहित 20 कोच होंगे, जो उक्त रूट के यात्रियों के लिए सुविधाजनक होगी। अपने दोनों तरफ की यात्रा के दौरान, यह स्पेशल ट्रेन वाया कामाख्या, दुधनोई, ग्वालपाड़ा टाउन, अभयापुरी, चापर, बिलासीपाड़ा, गौरीपुर, गोलकगंज, तुफानगंज, न्यू कोचबिहार, माथाभांगा, न्यू चांगराबान्धा, जलपाईगुड़ी रोड, न्यू जलपाईगुड़ी, किशनगंज आदि रेलवे स्टेशनों से होकर चलेगी। पूसीरे के इस कदम से उन यात्रियों को राहत मिलेगी, जो अंबुवासी मेले के दौरान कामाख्या मंदिर के दर्शन करने की योजना बना रहे हैं। यह विशेष ट्रेन विभिन्न स्थानों से तीर्थयात्रियों की उनके गंतव्य तक वापसी की यात्रा को सुविधाजनक बनाएगी।

नकली सोना समेत दो तस्कर गिरफ्तार

बरपेटा (हिंस)। बरपेटा जिलांतर्गत बजाली के भवानीपुर इलाके में पुलिस की टीम ने अभियान चलाकर नकली सोने के कारोबार में शामिल दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया की राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर चलाए गए अभियान के दौरान एक टाटा मैजिक (एएस-15एसी-6084) से नकली सोना बरामद किया गया है। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान आशिक इकबाल और हालालुद्दीन के रूप में की गई है। गिरफ्तार दोनों आरोपी के पास से नकली सोने से बनी नाव का आधा टुकड़ा बरामद किया गया है। गिरफ्तार दोनों आरोपितों को पुलिस भवानीपुर पुलिस चौकी ले गई। घटना के संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर तस्करों से पुलिस पूछताछ कर रही है।

जेसीआई, गुवाहाटी हुनर का तीन दिवसीय भंडारा आरंभ

गुवाहाटी। महानगर के मालीगांव स्थित अमर भवन में शनिवार को जेसीआई गुवाहाटी हुनर का तीन दिवसीय भंडारा प्रारंभ हुआ। भंडारे का उद्घाटन मेघना काला व अमित कुमार जैन(पाटनी) ने किया। अपने संबोधन में काला ने अंबुबासी मेले के महत्व पर प्रकाश डालते हुए क्लब द्वारा चलाए जाने वाले भंडारे की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि आओ हम सब मिलकर अपने देश में एक ऐसा नियम लाएं अच्छा भोजन जरूरतमंद तक पहुंचाए। इससे पूर्व क्लब के अध्यक्ष पारस सराफ, सचिव प्रश्नन अग्रवाल व कार्यक्रम संयोजक अमित बाकलीवाल ने विधि विधान से गणेश पूजन किया। उल्लेखनीय है कि भंडारा सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक लगातार जारी रहेगा। भंडारे के पहले दिन बड़ी संख्या में सरदालु भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर क्लब के कोषाध्यक्ष विकास गंगवाल, नेहा गुप्ता, विकास अग्रवाल, रुचि सराफ, अरविंद जैन, पिंकी जैन, मनोज जैन, योगेश शर्मा आदि के अलावा बड़ी संख्या में क्लब के सदस्य उपस्थित थे। यह जानकारी क्लब द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।

महावीर धर्म स्थल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजित

गुवाहाटी। श्री दिगंबर जैन यूथ फेडरेशन (अंतर्गत श्री दिगंबर जैन पंचायत गुवाहाटी), श्री विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी (कामरूप गुवाहाटी) के सहयोग से स्थानीय एम-एस रोड स्थित भगवान महावीर धर्म स्थल में आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाओं एवं बच्चों ने शिविर में हिस्सा लेकर योग का लाभ उठाया। कार्यक्रम संयोजक विपिन सोगानी ने बताया कि श्री विवेकानंद केंद्र (गुवाहाटी) के योग्य गुरु अजय अग्रवाल, अलका गोरी दीदी ने योगाभ्यास कराया। जिसमें प्राणायाम व विभिन्न तरह के आसन आदि को प्रत्यक्ष रूप से करवा कर अभ्यथियों को योग का ज्ञान कराया। इस अवसर पर केंद्र के मनोज शर्मा, कृष्ण देव, सुमित्रा भट्टाचार्य, जैन समाज के अध्यक्ष महावीर जैन(गंगवाल), मंत्री वीरेंद्र कुमार सरावगी आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजन कराने में यूथ के अध्यक्ष सौरभ अजमेरा, कार्यकारिणी अध्यक्ष विकास विनायक्या, जितेंद्र गंगवाल, नवीन बड़जात्या, जीतू पांड्या, सुशील ठोलिया, उदय प्रकाश सुराणा आदि लोगों का सराहनीय सहयोग रहा। यह जानकारी समाज के प्रचार-प्रसार विभाग के सहसंयोजक सुनील कुमार सेठी द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।

नगांव प्रेस क्लब के द्वि-वार्षिक अधिवेशन पर पत्रकारों का अभिनंदन

नगांव (निसं)। नगांव प्रेस क्लब का द्वि-वार्षिक अधिवेशन आज से दो दिवसीय कार्यक्रम के साथ संपन्न हो गया। नगांव शहर के नतुन बाजार स्थित नगांव प्रेस क्लब के सभागार में आज दूसरे दिन साधरण सभा यादव सइकिया की अध्यक्षता में संपन्न हुई। सभा में कई महत्वपूर्ण मुद्दो पर चर्चा हुई। शनिवार को सुबह झंडोत्तोलन नगांव प्रेस क्लब के सभापति यादव सइकिया ने किया। तत्पश्चात नगांव प्रेस क्लब के सभापति यादव सैकिया की अध्यक्षता में खुली सभा का आयोजन किया गया। जिसमें असम सरकार के परिवहन, मीन और आबकारी विभाग के मंत्री केशव महंत उपस्थित थे। अपने स्वागत भाषण के दौरान उन्होंनें कहा कि नगांव के पत्रकार समय समय पर विभिन्न घटनाओं को सही तौर से लोगों के बीच लाने में सफल हुए हैं। इस क्षेत्र में पत्रकारों का अवदान बहुत ही सराहनीय रहा है। एक समाज को सही दिशा में ले जाने के लिए पत्रकारों की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण होती है। मंत्री केशव महंत ने नगांव प्रेस क्लब के दूसरी मंजिले पर एक गृह निर्माण हेतु सहयोग किए जाने का आश्वासन दिया। उक्त सभा में नगांव प्रेस क्लब का मुख्य पत्र *पत्रिका* का विमोचन नगांव - बटद्रोवा क्षेत्र के विधायक रूपक शर्मा ने किया। विधायक रूपक शर्मा ने लंबे समय से पत्रकारिता के साथ एक अच्छा संपर्क का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्तमान समय में समाचार पत्रों की मांग भले ही कम हुई है पर इसकी गरिमा अभी भी बरकरार है। विधायक रूपक शर्मा ने नगांव प्रेस क्लब में स्वर्गीय दुर्गेश्वर बोर की स्मृति में उनके पुत्र द्वारा निर्माण किया गया एक तोरण द्वार का उद्घाटन किया। नगांव प्रेस क्लब के संपादक अजित सइकिया, पत्रकार जितेन बरकटकी, निलोत्पल बोरा के संचालन में खुली सभा में विशिष्ट अतिथि के तौर पर वरिष्ठ पत्रकार प्रशांत राजगुरु ने संवाद माध्यम के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखते हुए राजनीति के क्षेत्र में संवाद माध्यम के प्रभाव का उल्लेख करते हुए कहा कि गत चुनाव में सामाजिक माध्यमो की निर्णायक भूमिका रही। खुली सभा में विशिष्ट अतिथि के तौर पर परागमणि आदित्य ने सामाजिक माध्यम में हमेशा योगात्मक दिशाओं का व्यवहार करने के लिए पत्रकारों को आह्वान किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार राजद्वीप वाईलुंग बरुवा विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहकर डिजिटल मीडिया के संदर्भ में अपने विचार रखा। उक्त सभा में आठ वरिष्ठ पत्रकारों का अभिनंदन किया गया। जिनमें मुरली बरुवा, फाईजुर रहमान, सफीकुर रहमान, हरेश्वर बोरा, रविंद्र शाह, तपन कुमार बोरा, चंदन ज्योति बोरा और जयप्रकाश सिंह शामिल है। इस अवसर पर इस वर्ष मैट्रिक और हायर सेकेंडरी परीक्षा में नगांव प्रेस क्लब के सदस्यों के मेधावी बच्चों का भी अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के शुरुआत में नगांव महाविद्यालय की अध्यापिका डॉ. करबी देवी ने वरगीत गाकर कार्यक्रम को शुभारंभ किया। नगांव प्रेस क्लब की इस खुली सभा में नगांव नगर पालिका के उपाध्यक्ष सीमांत बोरा, प्रेस क्लब के सलाहकार क्रमश: कनक हजारिका, सैलेन सइकिया के अलावा कई पत्रकार उपस्थित थे।

संपादकीय

केजरीवाल की जमानत पर रोक

दिल्ली की विशेष अदालत ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को नियमित जमानत देकर सभी पक्षों को चौंका दिया। केजरीवाल शराब घोटाले के आरोपित हैं और उन्हें पीएमएलए (धनशोधन निरोधक अधिनियम) की धाराओं में गिरफ्तार किया गया था। इस अधिनियम के तहत जमानत मिलना लगभग असंभव है। पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन लंबे अंतराल से इसी कानून की धाराओं और अन्य कानूनी प्रावधानों के तहत जेल में हैं। उन्होंने सर्वोच्च अदालत तक गुहार लगाई, लेकिन कमोबेश सिसोदिया को एक बार भी जमानत नहीं दी गई। सत्येंद्र स्वास्थ्य आधार पर कुछ समय के लिए जेल से बाहर रहे, लेकिन लौट कर जेल ही जाना पड़ा। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर भी धनशोधन की धाराओं के तहत केस बनाए गए, लिहाजा वह भी जनवरी, 2024 से जेल में ही हैं। उनकी जमानत की याचिकाएं भी खारिज होती रही हैं। तेलंगाना की 'भारत राष्ट्र समिति' पार्टी की सांसद के. कविता भी शराब घोटाले के कारण जेल में हैं। केजरीवाल को विशेष अदालत ने उन्हीं दलीलों पर जमानत दी थी, जिनके आधार पर उन्हें अन्य अदालतों ने जमानत नहीं दी थी। उन्हें लगातार न्यायिक हिरासत में रखा जा रहा था। बीच में सर्वोच्च अदालत ने उन्हें चुनाव-प्रचार के लिए विशेष अंतरिम जमानत दी थी। उसके बाद दो जून को उन्हें जेल लौटना पड़ा था। बहरहाल केजरीवाल की जमानत आधी-अधूरी साबित हुई, क्योंकि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने निचली अदालत के इस फैसले को दिल्ली उच्च न्यायालय में चुनौती दी और उच्च न्यायालय ने तब तक जमानत की प्रक्रिया पर रोक लगा दी, जब तक उसकी सुनवाई पूरी न हो जाए। अब साफ है कि केजरीवाल का जेल से बाहर आना फिलहाल रुक गया है। आम आदमी पार्टी (आप) का जश्न और भविष्य की योजनाओं पर सन्नाटा पसर गया है। दरअसल केजरीवाल का जेल में रहना 'आप' के लिए बहुत बड़ी सजा है, लिहाजा जमानत के फैसले पर पार्टीजन 'सत्यमेव जयते' के नारे लगा रहे थे। चूंकि 'आप' का राष्ट्रीय संयोजक फिलहाल जेल के बाहर आ रहा था, लिहाजा वे जश्न मना सकते थे। अब सब कुछ स्थगित हो गया है। उच्च न्यायालय ने सुनवाई शुरू कर दी है। हम केजरीवाल और 'आप' के प्रवक्ता, नेताओं से सवाल करना चाहते थे कि देश में संविधान, न्यायपालिका और लोकतंत्र अभी जिंदा हैं अथवा नहीं? चुनाव के दौरान एक झूठा नेरेटिव कांग्रेस ने गढ़ा था कि यदि मोदी सरकार ही लौट कर आ गई, तो संविधान बदल दिया जाएगा। लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। जाहिर है कि संविधान बदल दिया जाएगा, तो न्यायपालिका का अधिकार-क्षेत्र भी प्रभावित होगा। आरक्षण भी समाप्त कर दिया जाएगा। इस झूठे नेरेटिव को केजरीवाल-समूह ने भी आगे बढ़ाया था, क्योंकि 'आप' भी 'इंडिया' विपक्षी गठबंधन का हिस्सा रही है। बेशक चुनाव भी प्रभावित हुआ। यह जनादेश से स्पष्ट है कि भाजपा को भी बहुमत नहीं मिला। वह 240 सीट पर ही सिमट गई, नतीजतन देश में गठबंधन की सरकार बनी है। जब केजरीवाल जेल से बाहर आएंगे, तो क्या कहेंगे? आम चुनाव तो सम्पन्न हो चुके। 'आप' के मात्र तीन सांसद पंजाब से चुने गए हैं। केजरीवाल की दिल्ली ने 'शून्य' दिया है। केजरीवाल का जेल से बाहर आना पार्टी के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। फरवरी, 2025 में विधानसभा चुनाव होने हैं। 'आप' की सार्वजनिक छवि और भीतरी संकट बेहद गंभीर हैं। महिलाओं को 1000 रुपए माहवार देने का वायदा निभाना है, क्योंकि वह बजट की घोषणा है। चूंकि केजरीवाल के जेल में रहने से कैबिनेट की बैठक लंबे समय से नहीं हो पाई, नतीजतन परियोजनाओं को स्वीकृति लटक रही है। दिल्ली में पानी का जो गंभीर संकट फैला हुआ है, उसके लिए भी केजरीवाल के हस्तक्षेप की जरूरत है।

केजरीवाल शराब घोटाले के आरोपित हैं और उन्हें पीएमएलए (धनशोधन निरोधक अधिनियम) की धाराओं में गिरफ्तार किया गया था। इस अधिनियम के तहत जमानत मिलना लगभग असंभव है। पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन लंबे अंतराल से इसी कानून की धाराओं और अन्य कानूनी प्रावधानों के तहत जेल में हैं। उन्होंने सर्वोच्च अदालत तक गुहार लगाई, लेकिन कमोबेश सिसोदिया को एक बार भी जमानत नहीं दी गई। सत्येंद्र स्वास्थ्य आधार पर कुछ समय के लिए जेल से बाहर रहे, लेकिन लौट कर जेल ही जाना पड़ा। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर भी धनशोधन की धाराओं के तहत केस बनाए गए, लिहाजा वह भी जनवरी, 2024 से जेल में ही हैं। उनकी जमानत की याचिकाएं भी खारिज होती रही हैं। तेलंगाना की 'भारत राष्ट्र समिति' पार्टी की सांसद के. कविता भी शराब घोटाले के कारण जेल में हैं। केजरीवाल को विशेष अदालत ने उन्हीं दलीलों पर जमानत दी थी, जिनके आधार पर उन्हें अन्य अदालतों ने जमानत नहीं दी थी। उन्हें लगातार न्यायिक हिरासत में रखा जा रहा था। बीच में सर्वोच्च अदालत ने उन्हें चुनाव-प्रचार के लिए विशेष अंतरिम जमानत दी थी।

नवीन पटनायक ने गलती कहां की? नवीन पटनायक ने विवाह नहीं किया

बाहरी बनाम उड़िया की जंग में खेत रहे नवीन

उमेश चतुर्वेदी

वाजपेयी सरकार के इस्पात मंत्री नवीन पटनायक...फरवरी 2000 में हुए उड़ीसा विधानसभा चुनाव में उनकी अगुआई में बीजू जनता दल ने 117 सदस्यीय विधानसभा में 68 सीटें जीत कर कांग्रेस के गढ़ को ध्वस्त कर दिया..अपने अस्तित्व के बाद बीजू जनता दल का वह पहला विधानसभा चुनाव था, जिसमें उसकी सहयोगी भारतीय जनता पार्टी थी, जिसने 38 सीटें जीती थीं..तब उड़ीसा में नया इतिहास रचा गया।

साल 2000..संसद का बजट सत्र चल रहा था..मार्च के पहले हफ्ते का कोई दिन था..लोकसभा में मंत्रियों वाली सीट की ओर एक सांसद धीरे-धीरे बढ़ रहा था..उस शख्स को देख लोकसभा की प्रेस गैलरी में हलचल मच गई..इस हलचल पर नीचे बैठे कुछ सांसदों की निगाह पड़ी..उनकी भी निगाह उसी ओर चली गई, जिधर रिपोर्टर देख रहे थे..इस बीच तत्कालीन सत्ताधारी गठबंधन के सांसदों की हथेलियां मेजों को थपथपाने लगीं..देखते ही देखते इस हथेली कोरस में समूचे सदन की हथेलियां जुड़ गईं..क्या सत्ता पक्ष, क्या विपक्ष, हर सांसद की थपेली जैसे एक लय में मेजों को थपथपाने लगीं थी..इस कोरस में शामिल नहीं था, तो संसद के कर्मचारी और अधिकारी, जिन्हें नियम-कानून इसकी अनुमति नहीं देते..सांसदों के इस अभूतपूर्व स्वागत से उस शख्सियत का अभिभूत होना स्वाभाविक था..इस औचक घटना के बाद वह व्यक्ति विनम्रता से और भर उठा.. वह शख्सियत थे वाजपेयी सरकार के इस्पात मंत्री नवीन पटनायक...फरवरी 2000 में हुए उड़ीसा विधानसभा चुनाव में उनकी अगुआई में बीजू जनता दल ने 117 सदस्यीय विधानसभा में 68 सीटें जीत कर कांग्रेस के गढ़ को ध्वस्त कर दिया..अपने अस्तित्व के बाद बीजू जनता दल का वह पहला विधानसभा चुनाव था, जिसमें उसकी सहयोगी भारतीय जनता पार्टी थी, जिसने 38 सीटें जीती थीं..तब उड़ीसा में नया इतिहास रचा गया। राज्य के कद्दावर नेता रहे बीजू पटनायक के इकलौते इंजीनियर बेटे के तूफान में बंगाल की खाड़ी के किनारे की धरती से कांग्रेस उड़ गई। तब नया इतिहास रचा गया था। उस जीत के नायक का लोकसभा में सम्मान के लिए अगर उस कांग्रेस के सांसदों को भी मजबूर होना पड़ा था, उसकी वजह सिर्फ जीत नहीं, बल्कि उस शख्स की सादगी और विनम्रता रही। यह विनम्रता विगत 13 जून को भी भुवनेश्वर में नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में भी दिखी, जब भूतपूर्व शासक के रूप में नवीन पटनायक शपथ मंच पर पहुंचे। इतिहास हमेशा विजेता का ही है। इस लिहाज से देखें तो आज के उड़ीसा का इतिहास बीजेपी का है। लेकिन सवाल यह है कि नवीन पटनायक ने गलती कहां की? नवीन पटनायक ने विवाह नहीं किया है। उनके पिता बीजू पटनायक पहले कांग्रेस में थे, बाद के दौर में वे जनता परिवार की अहम हस्ती रहे। जनता दल के नेता के रूप में राज्य के मुख्यमंत्री बने। जब तक बीजू पटनायक जिंदा रहे, तब तक नवीन अमेरिका में इंजीनियर की नौकरी करते रहे। लेकिन उनके निधन के बाद नवीन ने नई पार्टी बनाई और बीजू पटनायक की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाया। 2000 के चुनावों में जिस बीजेपी के साथ वे सत्ता की सीढ़ी नापने में कामयाब रहे, उस बीजेपी से उन्होंने बाद के दिनों में अपना रिश्ता तोड़ लिया और देखते ही देखते उड़ीसा के सबसे लोकप्रिय शख्सियत बन गए। यह लोकप्रियता बाद के हर चुनाव में दिखी, चाहे वह विधानसभा का हो या लोकसभा का या फिर पंचायती चुनाव।

लेकिन अपने आखिरी कार्यकाल में उन्होंने गलतियां शुरू की। तमिलनाडु मूल के आईएएस अधिकारी वीके पांडियन उनके करीबी बनकर उभरे। विधानसभा चुनावों के ठीक पहले पांडियन ने इस्तीफा दे दिया और बीजू जनता दल में नवीन के अघोषित उत्तराधिकारी के रूप में उभरते चले गए। उन्होंने चुनाव अभियान में खूब मेहनत की। उड़ीसा में यहां तक माना जाने लगा था कि आने वाले दिनों में अगर बीजू जनता दल को जीत मिलती है तो नवीन सिर्फ नाम मात्र के मुख्यमंत्री होंगे और पांडियन असली मुख्यमंत्री होंगे। जिस उड़ीसा के लोग पूरे देश में रोजगार और पढ़ाई के लिए फैले हुए हैं, जहां के सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की तूती अमेरिका के सिलिकॉन वैली तक में बोलती है, उसी उड़ीसा के लोगों का अपना स्वाभिमान जाग उठा। उन्हें नवीन पटनायक तो पसंद रहे, लेकिन उनके उत्तराधिकारी के रूप में वी के पांडियन पसंद नहीं रहे। उड़िया बनाम बाहरी का नारा लगा और भारतीय जनता पार्टी ने इसे जन नारा बना दिया। इसका असर यह हुआ कि बीजेपी ने उस नवीन पटनायक को किनारे लगा दिया, जिन्होंने कभी उसका हाथ झटककर उसे किनारे लगा दिया था। वी के पांडियन की पत्नी भी उड़ीसा में आईएएस अफसर हैं। सुजाता कार्तिकेयन और पांडियन की जोड़ी पिछले पांच साल में सबसे ज्यादा प्रभावी हुई। उड़ीसा ऐसा राज्य है, जहां कम पढ़े लिखे, और कई बार अनपढ़ आदिवासी आबादी के साथ ही सवर्ण और पढ़े-लिखे प्रभावी लोगों का बेहतर अनुपात है। आदिवासी समुदाय में चर्चों का प्रभाव है। चर्च के प्रभाव को रोकने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद यहां गहरे तक सक्रिय है। संघ विचार परिवार के मजबूत सांगठनिक पहुंच और पकड़ के चलते देखते ही देखते बीजेपी ने भी गांव-गांव तक अपनी पैठ बना ली। नवीन पटनायक की चूंकि उम्र बढ़ रही है और वे शादीशुदा नहीं है। लिहाजा मौजूदा चलन के मुताबिक, उनकी विरासत को बढ़ाने के लिए उनके परिवार में कोई रहा नहीं। बीजू जनता दल का संगठन भारतीय जनता पार्टी की तरह नहीं रहा, लिहाजा वहां दूसरी पंक्ति का नेतृत्व उभर नहीं पाया। पांडियन और उनकी बढ़ती दखलंदाजी और प्रभाव के चलते बीजू जनता दल के कद्दावर नेता अलग होते चले गए। उनमें से ज्यादातर ने भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया। इस बीच बीजेपी ने आदिवासी समुदाय में अपनी पैठ बनाई। आदिवासी समुदाय की द्रौपदी मुर्मू को देश के सर्वोच्च पद पर विराजमान कराया। चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आता गया, बीजेपी ने स्थानीय बनाम बाहरी के मुद्दे को खूब उछाला। हालांकि शुरूआत में ऐसा नहीं लग रहा था कि नवीन पटनायक को बड़ी चुनौती मिल सकेगी। बड़े से बड़े राजनीतिक पर्यवेक्षक यही मान रहे थे कि बहुत होगा तो लोकसभा में बीजेपी की सीटें बढ़ जाएगी। विधानसभा में भी बीजेपी की ताकत बढ़ेगी, लेकिन राज्य की सत्ता नवीन बाबू के ही हाथ रहेगी। लेकिन स्थानीय बनाम बाहरी के मुद्दे के साथ ही बीजू जनता दल के नेताओं के पलायन से उड़ीसा में संदेश गया कि अगर नवीन बाबू को जीत मिलती भी है तो उनके हाथ सत्ता नहीं रहेगी। उन पर शासन करने वाला उनका अपना नहीं, तमिलनाडु का नेता होगा। बीजेपी ने चुनाव अभियान में इसे बार-बार उछाला। नवीन पटनायक 77 साल के हो गए हैं। उनका स्वास्थ्य भी साथ नहीं देता। राज्य में यह भी माना जाने लगा कि उनके स्वास्थ्य की ठीक से देखभाल नहीं की गई। दबी जुबान से यह भी कहा जाता रहा कि उनके स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाली दवाएं दी गईं। बीजेपी ने तो अपने चुनाव अभियान में वादा तक किया कि अगर वह सत्ता में आती है तो वह नवीन बाबू के स्वास्थ्य की उच्चस्तरीय जांच कराएगी। इससे पांडियन को लेकर रोष बढ़ा। जिसका नतीजा बीजू जनता दल की सत्ता से विदाई के रूप में सामने है। अगर नवीन पटनायक ने अपने ही दल से अपना कोई उत्तराधिकारी चुना होता, दूसरी पंक्ति का नेतृत्व उभारने की पुरानी तैयारी किए होते तो शायद चुनावी नतीजे उनके लिए इतने खराब नहीं होते। सत्ता से बीजू जनता दल के बाहर होने के बाद माना जा रहा था कि राज्य में नेता प्रतिपक्ष का पद नवीन पटनायक वी के पांडियन को दे सकते हैं।

दृष्टि कोण

दावाग्नि से सुरक्षा

दुनिया भर में जंगलों में लगने वाली आग की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं, जिसके पीछे जलवायु परिवर्तन एक बड़े कारक के रूप में उभर रहा है। इस वर्ष ब्राजील में अमेजन के वर्षा वनों में 75000 आग की घटनाएं हो चुकी हैं। 2013 से यह संख्या दोगुनी है, जिससे 30 लाख जीव प्रजातियों पर खतरा मंडरा रहा है। दुनिया की 25 फीसदी ऑक्सीजन की जरूरत इन वर्षा वनों से पूरी होती है। मैक्सिको, ग्रीस, अमेरिका सहित दुनिया के अनेक देश दावाग्नि की चपेट में आ चुके हैं। वैसे तो मनुष्य समाज शुरू से ही जंगलों को आग से साफ करके खेती के लिए जमीनें तैयार करता रहा है, किन्तु अब दुनिया की हवा, पानी और पर्यावरणीय जरूरतों को पूरा करने के लिए जितने न्यूनतम क्षेत्र में वन होने चाहिए, उतने भी नहीं बचे हैं। इसलिए इस घातक प्रक्रिया पर विराम लगाना अति आवश्यक हो गया है। जंगलों की आग के और भी अनेक नुकसान हैं। आग से फैलने वाला धुआं कार्बन डाईऑक्साइड का मुख्य स्रोत होने के कारण ग्रीन हाउस प्रभाव पैदा करके वैश्विक तापमान में वृद्धि करता है। तापमान वृद्धि से आग लगने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। इस तरह एक घातक दुश्चक्र चल निकला है। वनाग्नि से असंख्य जीव-जंतु नष्ट हो जाते हैं और जैव विविधता के लिए बड़ा खतरा पैदा हो जाता है। मिट्टी की ऊपरी परत जल कर खुरखुरी हो जाती है और बारिश में बह कर समुद्र में पहुंच जाती है। वनस्पति का आच्छादन समाप्त हो जाने से भूजल भरण की प्रक्रिया भी बाधित हो जाती है। वायु प्रदूषित हो जाने के कारण श्वास संबंधी रोगों का प्रकोप बढ़ जाता है। हमारे देश में भी वनाग्नि भयंकर समस्या बनती जा रही है। अकेले हिमाचल प्रदेश में ही इस वर्ष 1900 वनाग्नि की घटनाएं हो चुकी हैं, जिससे 20000 हेक्टेयर वन क्षेत्र प्रभावित हुआ है। इसमें से 2729 हेक्टेयर वृक्षारोपण क्षेत्र है। 374 वन बीट संवेदनशील हैं। इससे 6.61 करोड़ रुपए का नुकसान अनुमानित है। किंतु यह अनुमान तो वृक्ष की मृत पैदावार की कीमत पर आधारित है। पेड़ की पर्यावरणीय सेवाओं के हिसाब से यदि नुकसान का आकलन करना हो तो यह अरबों रुपए में जाएगा। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए दो तरह से प्रयास करने होंगे। एक तो आग लगने की घटनाएं ही कम होती जाएं, ऐसी व्यवस्था करनी होगी।

लोगों को जागरूक करना है ताकि वे वनों में आग के नुकसान से परिचित हों और इस कार्य का प्रकट विरोध करने के लिए सक्रिय हों। वनों का नुकसान सरकार का नुकसान नहीं है, बल्कि पूरे समाज का नुकसान है। आग लगाने वाले शरारती तत्वों को पकडऩे और दंडित करने की व्यवस्था हो। दूसरा काम है, जब आग लग जाती है तो उस पर काबू पाना। इसके लिए दीर्घकालीन योजना बनाई जानी चाहिए। आग लगे तो कुआं खोदने की प्रवृत्ति से बाहर निकलना होगा और आग प्रतिरोधक स्थायी योजना बनानी चाहिए। सबसे पहले आग लगने के तत्काल बाद पता लग जाना चाहिए। इसके लिए खोज टावर नेटवर्क और दूरबीन एवं रेडियो से लैस कर्मी चाहिएं, जो त्वरित रिपोर्टिंग कर सकें। पुराने समय में लोगों की वनों पर निर्भरता का स्तर बहुत ऊंचा था जिससे आग बुझाने में उनका सहयोग लेना आसान था। लोग हाथ से कठिन परिश्रम के आदि थे और आग बुझाने जैसे कठिन काम को करने की हिम्मत जुटा लेते थे। आज इन बातों की कमी हो गई है, जिससे आधुनिक तकनीकों का प्रयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए। झाडियों से पीट कर आग बुझाने की मजबूरी से बाहर निकलना होगा। आधुनिक तकनीकों के बिना आग नियंत्रण के प्रयास करते हुए गत वर्ष भी वन कर्मी हिमाचल में काल का ग्रास बन गए थे। संवेदनशील बीटों में प्राकृतिक जल स्रोतों को चिन्हित करके स्थायी तौर पर पाईप लाइनें बिछा कर हाईड्रेंट व्यवस्था बनाई जानी चाहिए, ताकि तत्काल वहां से पानी लेकर रोलिंग पाइप बिछा कर आग पर काबू पाया जा सके। जहां जहां सडक़ें पहुंच गई हैं, वहां मोबाइल वाटर टैंक की व्यवस्था होनी चाहिए। हर तरह की स्थलाकृति में चल सकने वाले छोटे अग्निशमन वाहनों का प्रबंध होना चाहिए। कम पानी से अधिक सफल अग्नि नियंत्रण के लिए धुंध स्प्रे तकनीक का प्रयोग किया जा सकता है। इस तकनीक में अग्निशमन वाहन पर टरबाइन स्प्रेयर लगा होता है जो पानी को धुंध में परिवर्तित करके स्प्रे करता है, जिससे अग्निशमन की कुशलता बढ़ जाती है। पिठू स्प्रेयर भी कारगर हो सकते हैं। यदि पानी में डीटरजेंट मिला कर स्प्रे किया जाए तो अग्निशमन की क्षमता बढ़ जाती है। छोटे रास्तों के लिए अग्निशमन बाइक भी उपलब्ध हैं, जिनमें 40-50 लीटर पानी के टैंक लगे होते हैं, और स्प्रे व्यवस्था होती है। अग्निशमन कर्मियों को सुरक्षा उपकरण उपलब्ध करवाए जाने चाहिएं, जिसमें अग्निरोधी वर्दी, फिल्टर मास्क, अग्निरोधी बूट, रीहाईड्रेशन घोल आदि मुख्य हैं। पानी लेने के लिए स्थान-स्थान पर पाइप पॉइंट और तालाब निर्माण होना चाहिए। ऐसी व्यवस्था होगी तो अग्निशमन कर्मी उत्साहित होकर काम कर सकेंगे और जन सहयोग लेना भी आसान होगा। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में चीड़ का एकल रोपण भी आग के लिए बड़ा जिम्मेदार है। अतः प्रयास किया जाना चाहिए कि चीड़ वनों को मिश्रित प्राकृतिक वनों में बदला जाए।

कुछ अलग

खटाखट और खटपट...

आप खटाखट की बात कर रहे हैं और मैं खटपट को लेकर चिंतित हूं। आप खटाखट करेंगे तो कई लोग चिंतित होंगे और जब चिंतित होंगे तो खटपट भी होगी। खटपट हुई तो सिंहासन खतरे में पड़ जाएगा। खटाखट हुई तो खटपट रोकेंगे कैसे? आप खुद कह रहे हैं कि खजाना तो खाली है। आप इसे भर नहीं रहे बल्कि खाली खजाने में जो थोड़ा बहुत पैसा आ रहा है, वह आप अपने मित्रों में बांट दे रहे हैं। मित्रों के बैंक अकाउंट में खटाखट हो रही है। यानी खटखटा करके पैसे आ रहे हैं। मित्र लोग पैसों से खेल रहे हैं। पैसों से खेलते हुए वह दूसरों की भावनाओं से भी खेल रहे हैं। इसी वजह से पार्टी के भीतर खटाखट के साथ-साथ खटपट भी हो रही है। पब्लिक के सामने दो विषय आ गए हैं। पहला विषय खटाखट का है और दूसरा विषय खटपट का है। ओहदे बांटे जाने के साथ ही खटपट शुरू हो गई है। जिनको ओहदे नहीं मिले हैं, यानी जो सत्ता में रहकर भी पीड़ित हैं, उनके समर्थकों में भी खटपट चल रही है और परिवार में भी खटपट चल रही है। जिनको ओहदे मिल गए हैं, उनके हाथ सूंड की ग_ी लग गई है। पैसे खटाखट आना शुरू हो गए हैं। सरकार के खजाने से भी आ रहे हैं...ठेकेदारों से भी आ रहे हैं...उद्योगपतियों से भी आ रहे हैं। सबको अपने-अपने काम करवाने हैं। उनको खटपट से कुछ नहीं लेना देना है। उनको खटाखट करने वालों से काम निकलवाने हैं। इधर कुछ औरतें पार्टी दफ्तर में पहुंच गई हैं और खटखट करके दरवाजा खटखटा रही हैं कि पैसों की खटाखट अभी तक नहीं हुई है और चुनाव के नतीजे भी आ गए हैं। खटाखट कब होगी? लेकिन दरवाजा नहीं खुल रहा। भीतर से कोई आवाज नहीं आ रही। क्योंकि नारा देने वाले खजाने की चाबी से दूर हो गए हैं। जिनको खजाने की चाबी हाथ लग गई है, वे खटाखट की बात नहीं कर रहे क्योंकि गठबंधन की संस्कृति है। खटाखट की बजाय खटपट रोकना पहली प्राथमिकता हो गई है। गठबंधन वाले बीच-बीच में खटपट राग छोड़ रहे हैं। सरकार का एक हाथ माथे पर है और एक हाथ सिर पर है। पहली प्राथमिकता यह है कि खटपट नहीं होनी चाहिए। खटाखट जाए भाड़ में। खटाखट और खटपट शब्दों में सिर्फ एक मात्रा की कमी है, लेकिन दोनों के अर्थ अलग-अलग हैं। इनमें खटपट शब्द ज्यादा प्रचलन में है। घर घर की कहानी है। सास बहू की कहानी है। पति-पत्नी की कहानी है। बॉस और सहकर्मियों की कहानी है। मुख्यमंत्री और मंत्रियों की कहानी है। विधायक दल की कहानी है। भीतर ही भीतर खटपट चलती रहती है। कई बार यह खटपट किसी सरकार को खतरे में भी डाल देती है। सरकार के मुखिया खटाखट नोट गिन रहे होते हैं और इधर खटखट करके सरकार अल्पमत में आ जाती है। क्योंकि खटपट हो जाती है। सरकार को एक अधिनियम सदन में लाना चाहिए, ताकि खटखट पर भी विराम लग जाए और खटाखट की बात करना गैरकानूनी हो जाए। जब तक इन दोनों शब्दों की जुगलबंदी रहेगी, सरकार की सांस उखड़ी रहेगी...पब्लिक बेचारी हलकान रहेगी...लोकतंत्र परेशान रहेगा...नेता लोग दिशाहीन हो जाएंगे, एक पार्टी से निकलकर दूसरी पार्टी का दरवाजा खटखटाएंगे। इससे भी खटाखट होगी। जिस पार्टी में जाएंगे, वहां खटपट होगी। बड़ी लफड़ानात्मक स्थिति रहेगी। पब्लिक कंफ्यूज रहेगी। अफसरशाही एक-दूसरे को आंख मारती रहेगी। सबको अपनी-अपनी कुर्सी की रहेगी। अपनी अपनी पोस्टिंग की रहेगी। जनता के नुमाइंदे भिड़ते रहेंगे। खटपट होती रहेगी। चुनावी वायदे धूल फांकते रहेंगे। नए नारे ईजाद होते रहेंगे। खटाखट का मौसम निकल जाएगा और खटपट का मौसम सदाबहार रहेगा। हर दल की यही कहानी रहेगी।

देश दुनीया से

पाकिस्तान की आर्थिकी गधों के भरोसे

भारत को परमाणु बम की धमकी देने वाले पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था और रोजगारी गधों के भरोसे चल रही है। गधों की तादाद पाकिस्तान में बढ़ रही है। यह बढ़ती हुई तादाद पाकिस्तान के रोजगार के लिए प्राणवायु बनी हुई है। भारत जहां अपनी अर्थव्यवस्था में लगातार छलांग लगा हुए विश्व की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, वहीं पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था चरमराई हुई है। पाकिस्तान आतंकी पालने, गरीबी, कंगाली के लिए विश्व में बदनाम है। गरीबी की हालत यह है कि पाकिस्तान को कर्ज चुकाने के लिए कर्ज लेना पड़ रहा है।

भारत नित नई टेक्नोलॉजी और अन्वेषण के जरिए अर्थव्यवस्था की तरक्की के परचम विश्व में फहराए हुए है, वहीं दुश्मनी का भाव रखने वाले पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था गधों के भरोसे टिकी हुई है। भारत को परमाणु बम की धमकी देने वाले पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था और रोजगारी गधों के भरोसे चल रही है। गधों की तादाद पाकिस्तान में बढ़ रही है। यह बढ़ती हुई तादाद पाकिस्तान के रोजगार के लिए प्राणवायु बनी हुई है। भारत जहां अपनी अर्थव्यवस्था में लगातार छलांग लगा हुए विश्व की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, वहीं पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था चरमराई हुई है। पाकिस्तान आतंकी पालने, गरीबी, कंगाली के लिए विश्व में बदनाम है। गरीबी की हालत यह है कि पाकिस्तान को कर्ज चुकाने के लिए कर्ज लेना पड़ रहा है। इस हालत में गधे पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था का सहारा बने हुए हैं। पाकिस्तान में गधा पालन प्रमुख मवेशी पालन बना हुआ है। इसी वजह से पाकिस्तान में हर साल गधों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। पाकिस्तान में हाल ही में साल 2023-24 का इकोनॉमिक सर्वे पेश किया गया। सर्वे में कई आंकड़े सामने आए, लेकिन चुंबक की तरह सबसे ज्यादा ध्यान खींचा गधों की आबादी के आंकड़ों ने। पाकिस्तान में गधों की संख्या लगभग एक लाख बढ़ी है। कुल गधों की संख्या अब 59 लाख के आसपास बताई जा रही है। सर्वे में यह भी बताया गया कि पाकिस्तान में गधों की संख्या में तो इजाफा हुआ है, लेकिन जीडीपी के निर्धारित लक्ष्य पीछे रह गए हैं। दुनिया में गधों की तीसरी सबसे बड़ी आबादी पाकिस्तान में है, जो इन जानवरों को चीन को निर्यात करके पैसा कमाने की योजना बना रहा है। पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने 11 जून को 2023-24 का इकोनॉमिक सर्वे पेश किया। सर्वे के अनुसार पिछले कुछ वर्षों के दौरान भार ढोने वाले गधों की आबादी देश में लगातार बढ़ी है। साल 2019-2020 में पाकिस्तान में गधों की संख्या 55 लाख के आसपास थी। वर्ष 2020-21 में यह बढक़र 56 लाख हो गई। 2021-22 में देश में 57 लाख गधे थे। वहीं 2022-23 में इनकी संख्या 58 लाख थी। पशुपालन पाकिस्तान की ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार है। देश में 80 लाख से अधिक ग्रामीण परिवार पशुधन उत्पादन का काम करते हैं। गधों के आंकड़ों से इतर इकोनॉमिक सर्वे में पाकिस्तान की जीडीपी के आंकड़े भी बताए गए। रिपोर्ट के अनुसार सर्वे से पता चला कि पाकिस्तान 2023-24 वित्तीय वर्ष के अपने ग्रोथ रेट के लक्ष्य से पिछड़ गया। देश ने जीडीपी में 2.38 प्रतिशत की ग्रोथ हासिल की है, जबकि टारगेट 3.5 प्रतिशत ग्रोथ का था। रिपोर्ट में बताया गया कि ऐसा इंडस्ट्री और सर्विस सेक्टर के खराब प्रदर्शन के कारण हुआ है। इकोनॉमिक सर्वे के आंकड़ों के मुताबिक पाकिस्तान में कृषि के क्षेत्र में सबसे ज्यादा ग्रोथ देखने को मिली है, जिसने 6.25 प्रतिशत की वृद्धि की है, जबकि लक्ष्य 3.5 प्रतिशत का रखा गया था। औद्योगिक क्षेत्र में ग्रोथ 1.21 प्रतिशत रही, जबकि सर्विस सेक्टर ने 1.21 प्रतिशत की ग्रोथ हासिल की। कृषि क्षेत्र में मजबूत ग्रोथ देखने को मिली, जो कि पिछले 19 सालों में सबसे अधिक है। देश में राजकोषीय घाटा 3.7 प्रतिशत दर्ज किया गया। यह पिछले साल के बराबर रहा। वहीं व्यापार घाटा 4.2 प्रतिशत बना रहा। प्रति व्यक्ति आय की बात करें तो पिछले वर्ष के एक लाख 24 हजार रुपए की तुलना में यह लगभग 10 हजार रुपए बढ़ी है। यह अब एक लाख 34 हजार रुपए हो गई है। पाकिस्तान के वित्त मंत्री ने बताया कि सरकार घाटे में चल रहे सरकारी उद्यमों को अपने नियंत्रण से बाहर करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार राष्ट्रीय विमान सेवा, पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस का निजीकरण करने का प्लान बना रही है। पीईएस में जारी आंकड़ों से पता चलता है कि बोझ ढोने वाले जानवरों में घोड़े और खच्चरों की संख्या में पिछले पांच वर्षों में कोई खास बदलाव नहीं आया है तथा यह क्रमशः चार लाख और दो लाख है। गधे कई पाकिस्तानियों की आखिरी उम्मीद हैं। खास करके उन लोगों के लिए जो ग्रामीण इलाकों में रहते हैं। ग्रामीण इलाकों में अर्थव्यवस्था इन जानवरों के साथ गहरे से जुड़ी हुई है। पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब द्वारा जारी किए गए इस सर्वेक्षण में अन्य पशुधन का भी ब्यौरा दिया गया है। देश में ऊंटों की संख्या जो पिछले चार वर्षों से स्थिर थी, अब बढ़ गई है। इनकी संख्या पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान 11 लाख से बढक़र 12 लाख हो गई है। पशुपालन पाकिस्तान की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। 80 लाख से अधिक ग्रामीण परिवार पशुधन उत्पादन में लगे हुए हैं। पाकिस्तान के सीनेटर अब्दुल कादिर का कहना है कि चीनी राजदूत ने पाकिस्तान से कई बार मांस का निर्यात करने को कहा है। अपने सुझाव में सीनेटर मिर्जा अफरीदी का कहना है कि चूंकि अफगानिस्तान में जानवर काफी सस्ते हैं, इसलिए पाकिस्तान वहां से इनका आयात कर सकता है और फिर इन जानवरों के मांस को चीन को निर्यात कर सकता है। हालांकि वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों ने कमिटी को जानकारी दी कि जानवरों में लंपी त्वचा रोग के फैलने की वजह से अफगानिस्तान से उनके आयात पर अस्थायी रूप से प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसके साथ ही अगर जानवरों के निर्यात की बात करें, तो स्टैंडिंग कमिटी ने पांच निर्यात सेक्टर से बिजली सब्सिडी हटाए जाने को लेकर चिंता व्यक्त की है। पाकिस्तान के वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों ने सीनेट स्टैंडिंग कमिटी को बताया है कि चीन पाकिस्तान से गधों का आयात करने में दिलचस्पी दिखा रहा है। चीन मांस के निर्यात के लिए एक बड़ा बाजार है। स्टैंडिंग कमिटी के एक सदस्य का कहना है कि चीन ने पाकिस्तान से गधों के साथ-साथ कुत्ते भी निर्यात करने को कहा है। पाकिस्तानी गधों की सबसे ज्यादा मांग चीन में है। चीन में गधे की खाल की मांग बहुत ज्यादा है। गधों की खाल से बने उत्पादों की चीन में काफी खपत है। गधों की खाल में जिलेटिन प्रोटीन की ज्यादा मात्रा होती है। जिलेटिन प्रोटीन का शक्तिवर्धक दवाइयों में इस्तेमाल होता है। वर्ष 2019 में गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, माना जाता है कि जिलेटिन में इम्युनिटी को बढ़ावा देने वाले गुण होते हैं। पाकिस्तान हर साल चीन को करीब पांच लाख गधे बेचता है और एक गधे की कीमत 15-20 हजार रुपए होती है। पाकिस्तान सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था में मदद करने के लिए गधों का निर्यात करने के इरादे से पंजाब प्रांत के ओकारा जिले में 3000 एकड़ से अधिक का एक फार्म भी स्थापित किया था। गधों की सबसे ज्यादा आबादी चीन में है। जिनपिंग के देश चीन में 90 लाख से ज्यादा गधे हैं। चीन पहले अपने गधों का स्टॉक नाइजर और बुर्किना फासो से आयात करता था। लेकिन इन दोनों देशों पर प्रतिबंध लगने के बाद चीन पाकिस्तान से गधे मंगा रहा है।

आप का नजरीया

कोर्ट में खून के धब्बे

जिन्हें भ्रम है कि हिमाचल भोले भाले लोगों की जन्नत है, वे बिलासपुर कोर्ट में गिरे खून के धब्बे देख लें। वहां कानून था और कानून व्यवस्था की पहरेदारी में हिमाचल भी था, लेकिन एक पल में छलनी कर गईं गोलियां। ये गोलियां एक व्यक्ति के सीने के आर पार करने को नहीं थीं, बल्कि कानून के सामने अंधे कानून की लाचारी में सबूतों पर भारी थीं। अदालत के बाहर पेशी पर आए घुमारवीं के एक व्यक्ति पर साधा गया निशाना पहला भी नहीं है, बीबीएन की पेशियों में अब लठैत इसी तरह घूमने लगे हैं। कितनी मुश्किल है कानून की शरण और सीढ़ी कि बिलासपुर का अदालत परिसर कानून व्यवस्था का इम्तिहान कक्ष हो गया। लुधियाना से एक शूटर को किसने मंगवाया और पेशी में आया गवाह निशाने पर आ गया, इसके कई मोल तोल और कई घातक मसौदे हैं। विडंबना यह कि हिमाचल में कानूनी पहरों की अनदेखी अब अदालत के मुहाने पर आकर अंडरवल्ड की शिनाख्त कर रही है। हिमाचल का रिपोर्ट कार्ड अब अपराध की सुर्खियों से ध्वस्त हो रहा है, जहां समाज, सरकार और व्यवस्था की चीरफाड़ स्वाभाविक हो जाती है। हिमाचल में प्रति एक लाख लोगों पर 2021 के मुकाबले 2022 तक ही अपराध दर 177.8 प्रतिशत बढ़ गई और इसी को प्रमाणित करता घटनाक्रम अदालत के सामने हाजिरी लगा रहा है। प्रदेश और समाज की व्यस्थताएं व प्राथमिकताएं अपनी-अपनी बढ़ोतरी दर में करामात कर रही हैं, लेकिन किसी को यह एहसास नहीं कि हमारी राज्य के प्रति जवाबदेही है क्या। सरकारों के कामकाज का तरीका अब समाज को लाभान्वित तथा यथार्थ से दूर रखने का है, इसलिए सरकारी यंत्र और तंत्र व्यस्त हैं ताकि किसी तरह के मनमोहक भाव व लाग लपेट की भाषा से जख्म भर जाएं। हम बिलासपुर के अपराध को एक घटनाक्रम मान कर चलता कर देंगे। वहीं से कानून-व्यवस्था की कुछ अस्थियां चुनेंगे और समय के साथ उनका विसर्जन कर देंगे। पर्यटक सीजन को ही लें तो इसके व्यापारिक उद्देश्यों के नीचे एक बड़ा माफिया तंत्र राज्य की तस्वीर को बिगाड़ रहा है। तरक्की के हर सिक्के के नीचे हिमाचल ने अपनी कानून व्यवस्था को लचर बना लिया है। इंदौरा में नकाबपोश व्यवसायी पर हथियारों से हमला करते हैं, तो चौपाल में एक साथ ग्यारह छात्राओं के साथ छेड़छाड़ हो जाती है। अगर आप सक्षम हैं और राजनीति में दम रखते हैं, तो कायदे-कानून आपके कदमों में नतमस्तक हैं। यही हाल जनता का है जो चंडीगढ़ में पहुंच कर तो ट्रैफिक नियमों के पालन में सभ्य और शिष्टाचारी हो जाती है, लेकिन प्रदेश की सडक़ों पर लौटकर कहर का रौब जमाती है। अगर एसपी तक के घर से सोने की अंगूठी गायब हो जाती है, तो तरस किस पर खाएं। घटनाएं हमारे फलक पर आकर चेतावनी दे रहीं, मगर हम हैं कि इन्हें चुनौती नहीं मानते। कभी पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ने कहा था कि हिमाचल में माफिया संगठित हो रहा है, अब यह साबित भी होने लगा है। पर्यटन की चादर के नीचे कौन दुबका है या बहती नदी के किनारों को कौन लूट रहा है, यह जाने बिना हमें मुगालता है कि सब सही चल रहा है।

उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए राज्य बजट में शामिल किए जाएंगे शिक्षकों के सुझाव : शर्मा

धौलपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शिक्षित और सक्षम नागरिक ही राष्ट्र की प्रगति का आधार होते हैं। शिक्षक विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता की भावना और संस्कारों का समावेश कर उन्हें कर्तव्यनिष्ठ नागरिक बनने के लिए प्रेरित करते हैं। इसके साथ ही शिक्षक राष्ट्र निर्माण में भी अहम भूमिका निभाते हैं। रविवार को धौलपुर प्रवास पर आए मुख्यमंत्री शर्मा धौलपुर जिले के बाड़ी स्थित ग्राम बिजोली में राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) के प्रदेश महासमिति अधिवेशन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षक अपने शिष्य का मित्र, मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत होता है। विद्यार्थी स्कूल में जो कुछ सीखते हैं वह उनके जीवन को दिशा देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राचीन काल से ही हमारे समाज में शिक्षक का महत्व सर्वोपरि रहा है। हमारी संस्कृति में गुरु-शिष्य परंपरा का विषय स्थान हैं। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था को और अधिक बेहतर बनाने के लिए अपने आगामी बजट में शिक्षकों से उनके सुझाव आमंत्रित किए हैं। सर्वश्रेष्ठ सुझावों को सरकार बजट में शामिल करेगी। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। राजस्थान सरकार भी शिक्षा के क्षेत्र

में निरंतर सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य में सरकारी स्कूलों के बनुयादी ढांचे को मजबूत करने, स्मार्ट क्लासरूम स्थापित करने तथा शिक्षकों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने पर जोर दिया जा रहा है। इससे विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक की मदद से उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल पाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने सभी वंचित वर्गों को शिक्षा मुहैया करवाने के लिए अंतरिम बजट में अल्प आय वर्ग, लघु/सीमांत/बंटाईदार किसानों और खेतीहर श्रमिकों के बच्चों को केजी से पीजी तक की नि:शुल्क शिक्षा प्रदान करने का प्रावधान किया है। कार्यक्रम को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक निंबाराम ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र को मजबूत करने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक शिक्षा पद्धति में राष्ट्रीयता का समावेश आवश्यक है, जिससे विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम की भावना विकसित हो। कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा, रेंज आईजी भरतपुर राहुल प्रकाश, जिलाधिकारी श्रीनिधि बी टी, पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरड़ा, राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) के राष्ट्रीय संगठन मंत्री महेन्द्र कपूर एवं भाजपा जिला अध्यक्ष सत्येन्द्र पाराशर सहित अन्य पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में शिक्षक तथा आमजन उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत में शिक्षा के क्षेत्र में बड़े सुधार हो रहे हैं। विद्यार्थियों में रचनात्मकता और समस्या समाधान का कौशल विकसित करने के लिए केंद्र सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लाई है। यह शिक्षा नीति शिक्षा के क्षेत्र में एक नया अध्याय शुरू करेगी और शिक्षा प्रणाली को रोजगारोन्मुखी बनाने तथा विद्यार्थियों को 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने में मदद करेगी। इस नीति के सफल क्रियान्वयन से भारत एक ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के रूप में उभरेगा। शर्मा ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद देश में उच्च शिक्षा संस्थानों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। आज देश में 21 आईआईएम, 23 आईआईटी, 22 एम्स हैं। पिछले 10 वर्षों में मेडिकल कॉलेजों की संख्या भी लगभग दोगुनी हो गई है। हमारे प्रमुख संस्थानों के कैंपस विदेशों में भी खुल रहे हैं। अबूधाबी में आईआईटी दिल्ली तथा तंजानिया में आईआईटी मद्रास का कैंपस शुरू हो चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षक संघ का भी दायित्व है कि वे शिक्षकों के हितों के साथ-साथ शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में तकनीकी विकास के साथ ही शिक्षण विधियों में बदलाव लाने की आवश्यकता है। शर्मा ने कहा कि शिक्षकों की नागरिक होने के साथ ही शिक्षक के रूप में समाज के प्रति दोहरी जिम्मेदारी है। वे अपने आस-पास के प्रत्येक वंचित और जरूरतमंद को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के संकल्प को साकार करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। शर्मा ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर उन्हें याद करते हुए कहा कि उनका जीवन राष्ट्र के लिए पूरी तरह समर्पित था। डॉ. मुखर्जी ने कश्मीर मुद्दे पर राष्ट्रवाद को सर्वोपरि रखते हुए तत्कालीन कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय देते हुए कश्मीर से धारा 370 हटाई। केंद्र सरकार के इस कदम से कश्मीर की प्रगति का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों तथा धारा 370 हटाए जाने के बाद में अब कश्मीर भी देश की मुख्य धारा में शामिल हो गया है।

ग्रेटर महापौर ने रूस की जमीन पर धरती मां के नाम पर किया पौधारोपण

जयपुर (हिंस)। नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या इन दिनों रूस के कजान में ब्रिक्स और एसोसिएशसन सिटीज एण्ड म्यूनिसिपलिटीज में भाग ले रही है। महापौर ने चौथे दिन रूस के कजान शहर में भारत माता के नाम का एक पौधा लगाया। महापौर ने कजान के पास एक टापू पर बसे सवियाजस्क शहर का भ्रमण किया। डॉ. सौम्या ने इस टापू पर एक विश्व प्रसिद्ध संग्रहालय देखा जो की रूसी सभ्यता को दर्शाता है। साथ ही सभी जन प्रतिनिधियों ने अपने अपने देश के नाम का पौधारोपण भी किया और शहर में स्थित एक पुस्तकालय भी देखा जहा भाग ले रहें सभी देशों से संबंधित किताबें थी। कजान दौरे के आखिरी दिन महापौर ने कजान के राष्ट्रीय दिवस सबांतुय में भाग लेकर कलाकारों द्वारा अनेक प्रस्तुति देखी। दौरे पर गई डॉ. सौम्या ने कहा की उन्हें इस देश में साफ सफाई की व्यवस्था बहुत अच्छी लगी, नागरिकों में स्व ही एक अनुशासन है कि कचरा नहीं फैलाना, डस्टबिन का इस्तेमाल करना है, और यह सब बिना किसी जुर्माना वसूल किया जाता है। जयपुर में भी ऐसी ही नागरिकों को अपने आप को अनुशासित करना होगा ताकि हमारा शहर स्वच्छ हो सके। महापौर डॉ. सौम्या ने कजान शहर के महापौर और उप महापौर से शिष्टाचार भेंट कर ब्रिक्स और एसोसिएशसन सिटीज एण्ड म्यूनिसिपलिटीज की पहली बैठक में भाग लिया। इस बैठक में स्वायत्त निकाय कैसे भविष्य में शहरवासियों के जीवन को बेहतर बनाए जाने पर अलग अलग देशों से आए जनप्रतिनिधियों ने चर्चा की। यह सम्मेलन 20 से 24 जून तक चलेगा।

नीट पेपर लीक मामले में दोषी कोई भी हो कार्रवाई होना तय : श्रावण कुमार

भागलपुर (हिंस)। बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने रविवार को नीट पेपर लीक को लेकर बड़ा बयान दिया है। यहां उन्होंने पत्रकारों से बात करते कहा कि इसमें गड़बड़ी हुई है और गड़बड़ी करने वालों की पहचान भी हो गई है। इसपर कड़ी कार्रवाई भी होगी। गड़बड़ी करने वाला कोई भी हो कितना भी बड़ा कद्दावर क्यों न हो नहीं बचेगा। जांच हो रही लोग पकड़े भी जा रहे हैं। दोषी कौन है यह जांच हो रही है। सामने आएगा कितना भी प्रभावशाली व्यक्ति या उनके साथ रहने वाले क्यों न हो वह नहीं बचेंगे।

घुसपैठ के दौरान मारे गए आतंकवादी का शव बरामद, अभियान जारी

श्रीनगर (हिंस)। जम्मू-कश्मीर के उड़ी सेक्टर में गोहालन गांव में शनिवार को मारे गए दो आतंकवादियों में से सुरक्षा बलों ने एक आतंकवादी का शव रविवार को बरामद कर लिया है। जबकि मारे गए दूसरे आतंकी के शव की तलाश की जा रही है। इलाके में अभी भी अभियान जारी है। सेना को शनिवार को सुरक्षा एजेंसियों से इनपुट मिले कि आतंकियों का एक दस्ता उड़ी सेक्टर के रास्ते कश्मीर में घुसपैठ की फिराक में है। इसके आधार पर सेना ने सभी अग्रिम चौकियों को अलर्ट जारी करते हुए अग्रिम इलाकों में विशेष नाके स्थापित किए थे। शनिवार को गोहालन गांव के अग्रिम छोर पर चढ़ान पोस्ट के इलाके में नाका लगाए बैठे जवानों ने स्वचालित हथियारों से लैस चार आतंकियों को भारतीय इलाके की तरफ आते देखा। जैसे ही वह नियंत्रण रेखा को पार करने लगे, जवानों ने उन्हें ललकारते हुए आत्मसमर्पण करने को कहा। घुसपैठियों की गोलीबारी पर जवानों ने जवाबी गोलीबारी की। गोलीबारी के बीच घुसपैठियों ने वापस भागने का प्रयास किया। इस दौरान दो आतंकी मारे गए और दो अन्य वापस भागने में कामयाब रहे। शनिवार को मारे गए आतंकवादियों के शव बरामद नहीं किए जा सके थे और नियंत्रण रेखा के करीब पड़े थे। सुरक्षाबलों ने क्षेत्र में व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया जो रविवार को भी जारी है।

अमृतसर के दरबार साहिब में योग करने वाली गुजरात की लड़की के खिलाफ मामला दर्ज

एसजीपीसी ने ड्यूटी पर मौजूद तीन कर्मचारियों को निलंबित किया

चंडीगढ़ (हिंस)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर दरबार साहिब परिसर में योगा करके वीडियो वायरल करने वाली गुजराती लड़की अर्चना मकवाना के खिलाफ अमृतसर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। इस मामले में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने पहले ही तीन कर्मचारियों को निलंबित किया है। अमृतसर पुलिस ने दरबार साहिब के प्रबंधक भगवंत सिंह की शिकायत पर यह कार्रवाई की है। पुलिस को दी शिकायत में भगवंत सिंह ने कहा है कि 22 जून को यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर एक वीडियो वायरल किया गया, जिसमें अर्चना मकवाना दरबार साहिब की परिक्रमा में शहीद बाबा दीप सिंह के स्थान के पास जगह पर योगा करते हुए फोटो खींची और जानबूझ कर वायरल किया, जिससे सिख भावनाओं को ठेस पहुंची है। अर्चना मकवाना ने सोशल मीडिया पर 2

तस्वीरें पोस्ट कीं। इनमें वह ध्यान और शीर्षासन करते नजर आ रही हैं। यह योगासन उन्होंने गोल्डन टेंपल की परिक्रमा में किए। उन्होंने खुद ही यह फोटो पोस्ट करते हुए लिखा कि मैं वाहे गुरु जी का शुक्रिया करती हूं कि मुझे उनके स्थान से योग की शक्ति फैलाने में मदद मिली। पुलिस ने मामला दर्ज करने की कार्रवाई उस समय की है, जब अर्चना इस बारे में माफी भी मांग चुकी है। इस बीच एसजीपीसी अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि गोल्डन टेंपल में इस तरह के काम करना सिख मर्यादा के खिलाफ है। फिर भी कुछ लोग जानबूझ कर इस पावन स्थान की पवित्रता और ऐतिहासिक महत्ता को नजरअंदाज कर ओछी हरकतें करते हैं। जांच से पता चला कि युवती ने योग करने की हरकत केवल 5 सेकेंड में ही पूरी कर डाली। इस दौरान 3 सुरक्षाकर्मी वहां ड्यूटी पर थे। शुरुआती जांच के बाद उन्हें सस्पेंड कर दिया गया है, जबकि एक कर्मचारी को 5 हजार रुपये जुर्माना कर गुरुद्वारा गढ़ी साहिब गुरदास नंगल में ट्रांसफर कर दिया गया है।

हरियाणा के सफाई कर्मियों ने पानीपत में किया रोष प्रदर्शन

पानीपत (हिंस)। हरियाणा सरकार की वादा खिलाफी के विरोध में रविवार को प्रदेश भर के हजारों ग्रामीण सफाई कर्मियों ने अपनी मांगों को लेकर पानीपत में राज्यस्तरीय प्रदर्शन किया। गुस्साए कर्मचारियों ने पंचायत मंत्री महिपाल ढांडा के आवास की ओर कूच किया और उनके नाम अपना मांग पत्र दिया। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगले 15 दिन में अगर मांगों का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन तेज होगा, जिसके लिए खुद सरकार जिम्मेदार होगी। 10 जुलाई को प्रदेश के तमाम जिलों में विशाल प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे। ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन के प्रधान देवीराम, महासचिव विनोद कुमार, कोषाध्यक्ष संदीप, सीटू राज्य प्रधान सुरेखा, महासचिव जयभगवान, सीटू उपाध्यक्ष सुखबीर सिंह, यूनियन वरिष्ठ उपाध्यक्ष बसाऊराम, उप महासचिव जोगिंदर सिंह, राज्य सचिव वीरभान के नेतृत्व में हजारों

ग्रामीण सफाई कर्मियों ने बाबरपुर अनाज मंडी में सभा की। इसके बाद आक्रोश प्रदर्शन शुरू करके मंत्री जीटी रोड पर स्थित आवास पर की ओर चले। रास्ते में मंत्री के भाई हरपाल ने प्रदर्शनकारियों के बीच आकर मांग पत्र लिया। मंत्री ने 26 जून को यूनियन प्रतिनिधिमंडल को। मांगों पर बातचीत के लिए बुलाया। प्रदर्शन में सफाई कर्मियों को सम्बोधित करते हुए संगठन नेताओं ने हरियाणा सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि 51 दिन लंबे आंदोलन के बाद 29 नवम्बर 2023 को विकास एवं पंचायत विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनिल मलिक की अध्यक्षता में चंडीगढ़ में वार्ता हुई। उस वार्ता में बनी सहमति आज तक लागू नहीं कि गई है। इसके कारण सफाई कर्मियों में रोष बढ़ता जा रहा है। ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष देवीराम ने कहा कि ग्रामीण सफाई कर्मचारी मानदेय पर काम करते हुए पिछले 17 साल से शोषण और बेगार की मार झेल रहे हैं। ये कर्मचारी जब अपने हकों और मांगों को लेकर संघर्ष रहे हैं और हरियाणा सरकार आंदोलकारियों के साथ दुश्मनों जैसा व्यवहार कर रही है। सरकार ने सहमति बने मसलों को तो आज तक लागू नहीं किया लेकिन ऑनलाइन हाजिरी के नाम पर गुलामी प्रथा थोपकर बेगार करवाने का रास्ता जरूर तैयार कर लिया। इसको किसी भी सूरत में सफाई कर्मी सहन नहीं कर सकता। अगर सरकार ने इन सफाई कर्मियों को विधानसभा चुनाव से पहले पक्का नहीं किया देशव्यापी आह्वान पर 10 जुलाई को जिला स्तरीय प्रदर्शन में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे।

टीबी मुक्त भारत अभियान में बेहतर काम करने वाली 19 ग्राम पंचायतें होंगी सम्मानित

जींद (हिंस)। केंद्र सरकार के टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत ग्रामीण अंचल में निर्धारित पैरामीटर पर खरा उतरने वाली 19 ग्राम पंचायतों को सोमवार को जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया जाएगा। उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा इन ग्राम पंचायत के प्रतिनिधियों को 24 जून को लघु सचिवालय कान्फ्रेंस हाल में स्मृति चिह्न और प्रशंसा पत्र भेंट कर सम्मानित करेंगे। उझाना ब्लॉक से गांव नारायणगढ़, दाता सिंह वाला, रेवर, नरवाना ब्लॉक से गांव खानपुर, उचाना ब्लॉक से गांव तारखा, उदयपुर और नचार खेड़ा, पिल्लूखेड़ा ब्लॉक से गांव खरक गादिया, मालसरीखेड़ा और लुदाना, सफीदो ब्लॉक से गांव जयपुर और रजानाखुर्द, जुलाना ब्लॉक से गांव बूढ़ाखेड़ा लाठर, भगता खेड़ा, बहबलपुर, किशनपुरा और पडाना तथा जींद ब्लॉक से गांव रामराये खेड़ा और लखमीरवाला शामिल हैं। सीएमओ डॉ. गोपाल गोयल ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि जनवरी 2023 से दिसंबर 2023 तक के दौरान किए गए सर्वे में यह भी पाया गया कि गांव दातासिंह वाला, खरक गादिया, मालासरी खेड़ा, बहबलपुर, रामराये खेड़ा, लखमीरवाला में टीबी बीमारी का एक बीमारी नहीं मिला था। वहीं ग्रामीण अंचल के लिए चलाए गए टीबी मुक्त भारत अभियान के जो पैरामीटर निर्धारित किए गए थे उनमें एक हजार की आबादी पर कम से कम 30 प्रतिशत लोगों के टीबी टेस्ट हुए हुए हों। 1000 की आबादी पर एक या एक भी टीबी का मरीज नही मिला हो। इलाज का सक्सेस रेट 85 प्रतिशत रहा हो। बलगम टीबी से संबंधित मरीज का 60 प्रतिशत सीबीनेट टेस्ट हुआ हो। इस टेस्ट से यह पता चलता है कि बलगम से संबंधित मरीज पर कौन सी दवाई काम करती है। इसके अलावा निक्षय पोषण योजना के तहत सभी मरीजों को सही पोषण के लिए 500 रुपये प्रतिमाह मिले हों। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत सभी मरीज किसी न किसी ग्रामीण द्वारा गोद लिए हो।

बेटी को घर में दफनाया कंकाल देख उड़े लोगों के होश

फरीदाबाद (हिंस)। धौज गांव में एक युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजन ने उसके शव को कब्रिस्तान में ले जाने की बजाए घर में ही एक कमरे में गड्ढा खोदकर दफना दिया। घटना 10 महीने पहले की है, लेकिन अब युवती के पिता ने इसकी जानकारी धौज थाने में दी है। पुलिस ने रविवार को गड्ढा खोदकर शव निकाल लिया और पोस्टमार्टम के लिए बादशाह खान अस्पताल में रखवा दिया है। गड्ढे से मिले कंकाल का पोस्टमार्टम नल्हड़ स्थित मेडिकल कॉलेज में होगा। उसके बाद ही पता लगेगा कि हुआ क्या था। अभी पुलिस ने इस संबंध में कोई मुकदमा दर्ज नहीं किया है। पुलिस ऑनर किलिंग के एंगल से भी मामले की जांच कर रही है। क्राइम ब्रांच की टीम भी जांच में जुट गई है। धौज गांव में करीब 10 महीने पहले एक युवती किसी युवक के साथ अपने घर से भाग गई थी। परिजनों ने उसकी तलाश की तो दो दिन बाद वह खुद ही घर आ गई। घर आने के बाद युवती को अपनी गलती का एहसास हुआ। उसने रात को अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वहीं परिजन इस बात को लेकर बेहद परेशान हो गए। उन्हें लगा कि यदि किसी को बताया तो समाज में रहना मुश्किल हो जाएगा। इसलिए युवती की मां व अन्य परिजनों ने उसके शव को घर के एक कमरे में गड्ढा खोदकर दबा दिया। ऊपर से इस पर फर्श करा दिया गया, ताकि किसी को शक न हो। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार लड़की का पिता सऊदी अरब में रहता है जिसने 7 जून को ईमेल के माध्यम से पुलिस को शिकायत दी थी। शिकायत के आधार पर मृतक लड़की की मां को बुलाकर पूछताछ की गई।

पांच विधानसभा क्षेत्रों में उप चुनाव की तैयारी के लिए चार सदस्यीय समिति का गठन

जयपुर (हिंस)। लोकसभा चुनाव के बाद रिक्त हुए पांच विधानसभा क्षेत्रों में आगामी उप चुनाव की तैयारी के लिए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने संगठनात्मक सक्रियता बढ़ाने के लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए चार सदस्यीय समिति का गठन किया है। समिति द्वारा ब्लॉक, मण्डल तथा बूथ कांग्रेस कमेटियों की बैठक ली जाकर क्षेत्र के जमीनी कार्यकर्ताओं के साथ सीधा संवाद किया जाएगा व जमीनी स्तर पर संगठन का मतदाताओं से संवाद एवं जुड़ाव के लिए कार्य योजना बनाकर विधानसभा उप चुनावों में पार्टी की जीत सुनिश्चित करने को रूपरेखा तैयार की जाएगी। महासचिव एवं प्रवक्ता स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि प्रदेश के पांच विधानसभा क्षेत्रों में होने वाले उप चुनावों में पार्टी संगठन की मजबूती एवं क्षेत्र में जमीनी स्तर तक सक्रियता बढ़ाने के लिए प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा ने प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए वरिष्ठ कांग्रेसजनों की चार सदस्यीय समिति का गठन किया है। समिति द्वारा अपने-अपने क्षेत्र के ब्लॉक, मण्डल तथा बूथ कांग्रेस कमेटियों के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर सीधा संवाद किया जाएगा एवं संगठन की मजबूती व सक्रियता का फीडबैक लिया जाकर क्षेत्रीय मतदाताओं में संगठन की सक्रियता को बढ़ाने को निर्देश दिये जायेंगे और चुनावों में कार्यकर्ताओं की भूमिका के लिए विस्तृत रूपरेखा तैयार कर पार्टी प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करने की योजना तैयार की जाएगी। प्रदेशाध्यक्ष द्वारा विधानसभा क्षेत्र झुन्झुनूं के लिए गठित समिति में सांसद बृजेन्द्रसिंह ओला, महासचिव रामसिंह कस्वा, जिलाध्यक्ष दिनेश सूंडा, विधायक मनोज मेघवाल को शामिल किया गया है। इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र दौसा के लिए गठित समिति में सांसद मुरारीलाल मीणा, महासचिव पुष्पेन्द्र भारद्वाज, जिलाध्यक्ष रामजीलाल ओड, विधायक रफीक खान, विधानसभा क्षेत्र देवली-उनियारा में सांसद हरीश मीणा, महासचिव प्रशांत शर्मा, जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा, विधायक विकास चौधरी, विधानसभा क्षेत्र खींवसर में जिलाध्यक्ष जाकिर हुसैन गैसावत, विधायक डूंगरराम गेदर, प्रदेश कांग्रेस सेवादल के मुख्य संगठक हेमसिंह शेखावत, एनएसयूआई के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अभिषेक चौधरी तथा विधानसभा क्षेत्र चौरासी में उपाध्यक्ष रतन देवासी, जिलाध्यक्ष वल्लभराम पाटीदार, विधायक पुष्करलाल डांगी, पूर्व विधायक रामलाल मीणा को शामिल किया गया है।

बसपा प्रमुख मायावती ने भतीजे आकाश को फिर घोषित किया उत्तराधिकारी

लखनऊ (हिंस)। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक पद पर बहाल करते हुए एक बार फिर उनको अपना उत्तराधिकारी घोषित किया है। मायावती ने लखनऊ के पार्टी कार्यालय में रविवार को लोकसभा चुनाव में हार के कारणों की समीक्षा बैठक के दौरान प्रमुख पदाधिकारियों की मौजूदगी में यह घोषणा की। एक दिन पहले ही आकाश को उत्तराखंड में उपचुनाव के लिए स्टार प्रचारक नियुक्त किया गया था। सूची में उनका नाम मायावती के बाद दूसरे नंबर पर था। बसपा नेता एवं लखनऊ लोकसभा सीट से पार्टी के उम्मीदवार रहे सरवर मलिक ने मीडिया को बताया कि बहन मायावती ने आकाश को पुन: अपना उत्तराधिकारी बनाया है। आकाश का राष्ट्रीय समन्वयक पद भी बहाल कर

दिया है। वह देशभर में दौरा कर एक रिपोर्ट बहन जी को सौंपेंगे। मलिक ने कहा कि लोकसभा चुनाव में अपने दम पर मैदान में उतरी बसपा को करारी हार का सामना करना पड़ा। इसकी समीक्षा के लिए मायावती ने बैठक बुलाई। इसमें उनके भतीजे आकाश भी शामिल हुए। आकाश ने अपनी बुआ मायावती के पैर छुए तो उन्होंने उनके सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में उम्मीद के अनुसार परिणाम नहीं आए। उन सारे नतीजों को लेकर बहन जी ने कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों के साथ करीब ढाई घंटे तक बैठक कर समीक्षा की। मायावती ने 07 मई को भतीजे आकाश को अपने राजनीतिक उत्तराधिकारी के पद से हटा दिया था। आकाश को पार्टी के सभी प्रमुख पदों से यह कहते हुए हटाने की घोषणा की थी कि उनके परिपक्व होने तक इन कर्तव्यों से मुक्त किया जा रहा है। बसपा प्रमुख ने पिछले वर्ष दिसंबर में आकाश को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया था। हालिया लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान आकाश के खिलाफ सीतापुर में एक रैली में आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करने के आरोप में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद मायावती ने यह फैसला लिया था।

भारतीय वायु सेना का युद्धाभ्यास *तरंग शक्ति* जोधपुर में होगा, 12 देशों को बुलाया

जोधपुर (हिंस)। भारतीय वायु सेना पहली बार बहुपक्षीय हवाई अभ्यास अगस्त के पहले हफ्ते में जोधपुर आयोजित करने जा रही है। *तरंग शक्ति* के नाम से होने वाले इस युद्धाभ्यास में दुनिया की 12 वायु सेनाओं के जांबाज फाइटर बॉम्बर और स्ट्रैटेजिक लिफ्ट विमान शामिल होंगे। वायु सेवा सूत्रों के अनुसार दो चरणों के इस अभ्यास की शुरुआत दक्षिण भारत के एयरबेस से होगी। इसके बाद अगस्त के मध्य से सितंबर के मध्य तक यह अभ्यास जोधपुर में होगा। युद्धाभ्यास में स्पेन और यूएई समेत 12 देशों को बुलाया गया है। क्वाड देश अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के अलावा यूरोप की तीन बड़ी वायु सेनाओं ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के फाइटर जेट भी अभ्यास में हिस्सेदारी करेंगे। यह अभ्यास अमेरिका के *रेड फ्लैग वॉर गेम* के स्तर का होगा, जिसमें नाटो देश हिस्सा लेते हैं। रेड फ्लैग वॉर गेम जून, 2023 में हुआ था। इसमें भारत में भी हिस्सेदारी की थी और अपने राफेल लड़ाकू विमान लेकर गया था।

रिलायंस का मार्केट-कैप 32,271 करोड़ कम हुआ एचडीएफसी और आईसीआईसीआई बैंक टॉप गेनर

मुंबई।
बीते कारोबारी हफ्ते मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से देश की टॉप-10 कंपनियों में से 3 का मार्केट कैप कंबाइंड रूप से 1,06,125.98 करोड़ (1.06 लाख करोड़) बढ़ा है। इस दौरान एचडीएफसी बैंक मार्केट का टॉप गेनर रहा है।

इसके वैल्यूएशन में 52,092 करोड़ का इजाफा हुआ है। अब इसका मार्केट कैप 12.67 लाख करोड़ हो गया है। इसके अलावा, आईसीआईसीआई बैंक का 36,119 करोड़ बढ़कर 8.14 लाख करोड़ और इंफोसिस का मार्केट कैप 17,915 करोड़ बढ़कर 6.36 लाख करोड़ हो गया है।

32,271 करोड़ गिरी रिलायंस की मार्केट वैल्यू

वहीं, इस दौरान इस लिस्ट की 7 कंपनियों का मार्केट कैप 1,01,769 करोड़ गिरा है। इसमें टॉप लूजर रिलायंस इंडस्ट्रीज रही है। इसके वैल्यूएशन में 32,271.31 करोड़ की कमी आई है। रिलायंस के अलावा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज , भारती एयरटेल, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ,हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट वैल्यूएशन में गिरावट हुई है।

पिछले हफ्ते 641 अंक बढ़ा सेंसेक्स

पिछले हफ्ते सेंसेक्स में 217.13 अंक या 0.28 की तेजी रही थी। वहीं, हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन निफ्टी ने 23,667 का रिकॉर्ड स्तर छुआ। हालांकि, दिनभर के दिनभर के कारोबार के बाद यह नीचे आया और 65 अंक की गिरावट के साथ 23,501 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, सेंसेक्स में भी 269 अंक की गिरावट रही, ये 77,209 के स्तर पर बंद हुआ। इसके 30 शेयरों में 20 में गिरावट और 10 में तेजी देखने को मिली। सरकारी बैंक के शेयर्स में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली। मार्केट कैपिटलाइजेशन क्या होता है मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर, जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, की वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की टोटस नंबर को स्टॉक की प्राइस से गुणा करके किया जाता है। मार्केट कैप का इस्तेमाल कंपनियों के शेयरों को कैटेगराइज करने के लिए किया जाता है ताकि निवेशकों को उनके रिस्क प्रोफाइल के अनुसार उन्हें चुनने में मदद मिले।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय कपास के निर्यात में 67 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद, बांग्लादेश में बढ़ी मांग से होगा लाभ

मुंबई । बांग्लादेश की मिलों में कॉटन (कपास) की बढ़ती मांग की वजह से भारत के कॉटन निर्यात में वृद्धि का अनुमान है। सितंबर में समाप्त होने वाले 2023-24 सीजन के लिए भारत के कॉटन का निर्यात में बांग्लादेश के मिलों की बढ़ती मांग के कारण दो तिहाई अधिक वृद्धि होने का अनुमान है। कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएआई) को उम्मीद है कि शिपमेंट लगभग 26 लाख गांठ (प्रत्येक गांठ 170 किलोग्राम) तक पहुंच जाएगा जो पिछले सीजन में 15.5 लाख गांठ से 67.7 प्रतिशत अधिक है। सीएआई के अध्यक्ष अतुल गणात्रा ने बताया कि बांग्लादेश मिलें जो मुश्किल से अपना काम चला रही हैं, अब वे भारतीय कॉटन खरीद रही हैं। क्योंकि ब्राजील और अमेरिका के उनके आयात शिपमेंट में देरी हो रही है। भारत से लगभग हर महीने 1-1.5 लाख गांठ बांग्लादेश को निर्यात किया जा रहा है। सड़क मार्ग के जरिए बांग्लादेश को 5 दिनों में कॉटन मिल जाता है। इससे भारत के कॉटन निर्यात में वृद्धि हो रही है। कपास प्रेसिंग का अनुमान बढ़ा सीएआई ने अपने प्रेसिंग अनुमान में 2023-24 सीजन के 317.70 लाख गांठ की वृद्धि की है, यह फरवरी में 309 लाख गांठ थी। यह वृद्धि मुख्य रूप से मध्य भारत से आई है, जहां हाल ही में किसानों ने अपने पुराने स्टॉक को लोड करने के लिए तैयार हुए हैं। हालांकि चालू सीजन के लिए प्रेसिंग पिछले साल की तुलना में 318.9 लाख गांठ कम है। गणात्रा ने प्रेसिंग आंकड़ों में आई वृद्धि को बाजारों में आने वाली कैरी फॉरवर्ड स्टॉक को माना है। मई के अंत तक 296.53 लाख प्रेसिंग की जा चुकी है। प्राकृतिक फाइबर का आयात बढ़ा प्राकृतिक फाइबर का आयात 16.4 लाख गांठ होने का अनुमान है। इसमें से 5.5 लाख गांठ देश में मई के अंत तक आ चुका है। शुरुआती स्टॉक, आयात और प्रेसिंग के अनुमानों को मिलाकर कुल आपूर्ति 363 लाख गांठ होने का अनुमान है जो पिछले सीजन में 355.4 लाख गांठ से अधिक है। सीएआई ने कॉटन मांग 317 लाख गांठ (311 लाख गांठ) रहने का अनुमान लगाया है। गैर एमएसएमई सेक्टर में मांग 201 लाख गांठ (280 लाख गांठ) रहने का अनुमान है, जबकि एमएसएमई सेक्टर में यह मांग 100 लाख गांठ (15 लाख गांठ) से अधिक रहने का अनुमान है।

मानसून और जुलाई में आने वाले बजट पर रहेगी बाजार की नजर, डॉलर के मुकाबले रुपया और कच्चे तेल की कीमत पर भी बाजार की नजर रहेगी

मुंबई । इस सप्ताह निवेशकों की नजर मानसून की प्रगति, जुलाई में आने वाले बजट, विदेशी निवेशकों द्वारा किये जाने वाले निवेश, डॉलर के मुकाबले रुपए की चाल, कच्चे तेल की कीमत और वैश्विक बाजार पर भी बाजार की नजर रहेगी। वहीं वैश्विक स्तर पर अमेरिका में पहली तिमाही का जीडीपी डाटा और व्यक्तिगत उपभोग व्यय मूल्य सूचकांक के आंकड़े 27 और 28 जून को जारी किये जाएंगे। इनका असर बाजार पर देखने को मिल सकता है। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर सरकार के खरीफ फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाने से हुई लिवाली की बदौलत बीते सप्ताह मजबूत रहे घरेलू शेयर बाजार पर अगले सप्ताह माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की बैठक के नतीजों का असर भी बाजार पर रहेगा।

जबलपुर में हो रही है स्टीविया की खेती शक्कर से 200 गुना ज्यादा मीठी स्टीविया की पत्तियां

जबलपुर धार । जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय ने डायबिटीज और बीपी के मरीजों के लिए स्टीविया पत्ती उत्पादन के लिए हर्बल प्लांट तैयार किए हैं। इन पत्तियों की मिठास शक्कर से 200 गुना ज्यादा है। डायबिटीज और बीपी के मरीजों को इसको खाने से नुकसान नहीं होता है। इस हर्बल पौधे के माध्यम से तैयार पत्तियों की डिमांड मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र के साथ-साथ रूस में भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। ऑर्गेनिक फार्मिंग से तैयार एक क्विंटल स्टीविया पत्तियों की कीमत 20 से 25000 रूपये के बीच मिलती है। वही बिना ऑर्गेनिक फार्मिंग के पौधों की पत्तियों की कीमत प्रति क्विंटल 8 से 10000 रूपये मिलती है। इन पत्तियों से जो पाउडर तैयार होता है। वह 400 से 450 रुपए प्रति किलो में आसानी से बिक रहा है।1 किलो पत्ती में 20 किलो शक्कर की मिठास होती है।स्टीविया पत्तियों में कैलोरी की मात्रा शून्य होती है। जिसके कारण डायबिटीज और बीपी के मरीज इसे आसानी से उपयोग में ला सकते हैं।

प्याज और न रुलाए! सरकार ने बफर स्टॉक के लिए 71000 टन खरीदे, सामान्य मानसून से राहत की उम्मीद

नई दिल्ली।
सरकार ने कीमतों पर नियंत्रण के लिए पांच लाख टन प्याज खरीदने के कुल लक्ष्य में से बफर स्टॉक के लिए इस साल अब तक लगभग 71,000 टन प्याज की खरीदारी की है। साथ ही, सरकार को उम्मीद है कि देश के अधिकांश हिस्सों में मानसून की प्रगति के साथ खुदरा कीमतें कम होंगी। उपभोक्ता मामलों के विभाग की ओर से एकत्रित आंकड़ों के अनुसार, प्याज का अखिल भारतीय औसत खुदरा मूल्य 38.67 रुपये प्रति किलोग्राम था, जबकि उच्च गुणवत्ता वाले प्यात का मूल्य 40 रुपये प्रति किलोग्राम रहा।

20 जून तक केंद्र ने 70,987 टन प्याज की खरीद की

उपभोक्ता मामलों के विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 20 जून तक केंद्र ने 70,987 टन प्याज की खरीद की है जबकि पिछले साल इसी अवधि में 74,071 टन प्याज की खरीद की गई थी। अधिकारी ने बताया, अनुमानित तौर पर रबी उत्पादन में करीब 20 प्रतिशत की गिरावट के बावजूद इस साल मूल्य स्थिरीकरण बफर के लिए प्याज खरीद की गति काफी हद तक पिछले साल के बराबर है। उन्होंने कहा कि सरकार मूल्य स्थिरीकरण के लिए पांच लाख टन की खरीदारी के लक्ष्य को हासिल करने की ओर बढ़ रही है।

अधिकारी ने कहा कि सरकार प्याज की कीमतों में स्थिरता बनाए रखने के लिए बफर में प्याज रखने या बाजार में छोड़ने के विकल्प का प्रयोग करेगी। खरीद मूल्य परिवर्तनशील मूल्य है जो प्रचलित बाजार मूल्यों से जुड़ा हुआ है।अधिकारी ने बताया कि प्याज की कीमतों में वृद्धि प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में कम बारिश के कारण पिछले वर्ष की तुलना में खरीफ, देर खरीफ और रबी में 2023-24 में उत्पादन में लगभग 20 प्रतिशत की कमी के कारण हुई है।

प्याज की कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए सरकार ने किए कई उपाय

कीमतों को नियंत्रित करने के लिए, सरकार ने पिछले साल अगस्त से अब तक 40 प्रतिशत के निर्यात शुल्क लगाने की शुरुआत करने समेत श्रेणीबद्ध तरीके से कई उपाय उपाय किए हैं। अक्टूबर, 2023 में न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) 800 अमेरिकी डॉलर प्रति टन तय किया गया।8 दिसंबर, 2023 से निर्यात पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया।

इन उपायों से उचित स्थिर मूल्यों पर प्याज की घरेलू उपलब्धता बनाए रखने में मदद मिली है। महाराष्ट्र में लासलगांव जैसी प्रमुख मंडियों में पर्याप्त स्थिरता और इस वर्ष सामान्य से अधिक मानसून की भविष्यवाणी को देखते हुए अच्छे खरीफ उत्पादन की संभावना है। इसके मद्देनजर 4 मई, 2024 से 550 अमेरिकी डॉलर प्रति टन के एमईपी (अधिकतम निर्यात मूल्य) और 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क के साथ प्याज के निर्यात पर से प्रतिबंध हटा दिया गया था।

लंबे समय तक लू चलने से हरी सब्जियों का उत्पादन हुआ प्रभावित

अधिकारी ने कहा, देश के बड़े हिस्से में लंबे समय तक लू चलने से हरी सब्जियों का उत्पादन प्रभावित हुआ है। टमाटर, आलू और प्याज सहित अन्य सब्जियों की कीमतों में वृद्धि हुई है। अधिकारी ने बताया कि मानसून की शुरुआत के साथ देश के ज्यादातर हिस्सों में स्थिति में सुधार होने की उम्मीद है।

मार्च में केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने प्याज उत्पादन के आंकड़े जारी किए थे। आंकड़ों के अनुसार, 2023-24 (पहला अग्रिम अनुमान) में प्याज का उत्पादन पिछले साल के लगभग 302.08 लाख टन की तुलना में लगभग 254.73 लाख टन रहने की उम्मीद है। आंकड़ों के अनुसार प्याज उत्पादन में महाराष्ट्र में 34.31 लाख टन, कर्नाटक में 9.95 लाख टन, आंध्र प्रदेश में 3.54 लाख टन और राजस्थान में 3.12 लाख टन की गिरावट आने की आशंका है।

2030 तक 240 अरब डॉलर पर पहुंच सकता है देश का इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट विनिर्माण

नई दिल्ली।
सरकार की ओर से घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को बढ़ावा दिए जाने के कारण देश के इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट और सब-असेंबली का बाजार 2030 तक 240 अरब डॉलर के आंकड़े को छू सकता है। इससे 2026 तक करीब 2.8 लाख नई नौकरियां पैदा होंगी और 500 अरब डॉलर के इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन के लक्ष्य का मार्ग प्रशस्त होगा।भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि प्राथमिक इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट और सब-असेंबली (पीसीबीए सहित) की मांग 2030 तक 30 प्रतिशत की औसत वार्षिक दर से बढ़ते हुए 139 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है।

पिछले वर्ष इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट और सब-असेंबली की मांग 45.5 अरब डॉलर पर थी जिसने करीब 102 अरब डॉलर के इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों के विनिर्माण में मदद की। रिपोर्ट में बताया गया है कि बैटरी (लिथियम आयन), कैमरा मॉड्यूल, मैकेनिकल, डिस्प्ले और पीसीबी के लिए कंपोनेंट को सरकार ने उच्च प्राथमिकता में रखा है। वर्ष 2022 में देश की कुल इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट की मांग में 43 प्रतिशत का योगदान इन्हीं उत्पादों का था। वर्ष 2030 तक इस मांग के 51.6 अरब डॉलर पर पहुंचने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया कि पीसीबीए में भारत के लिए काफी संभावनाएं हैं क्योंकि इसकी मांग की ज्यादातर पूर्ति आयात से की जाती है। यह सेगमेंट 30 प्रतिशत की दर से बढ़ सकता है। इसकी मांग 2030 में 87.46 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है। रिपोर्ट में कुछ विशेष इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट के लिए वित्तीय सहायता देने की भी मांग की गई है। छह से आठ साल तक वित्तीय सहायता मिलने से इन उत्पादों की विनिर्माण क्षमता बढ़ाने के लिए उत्पादकों के पास पर्याप्त समय होगा। इसके अतिरिक्त रिपोर्ट में प्रमोशन ऑफ मैन्युफैक्चरिंग ऑफ इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट एंड सेमीकंडक्टर 2.0 स्कीम शुरू करने की मांग की गई है। इसमें कहा गया है कि दूसरे चरण में 25 से 40 प्रतिशत की सब्सिडी दी जाए ताकि संभावित निवेशकों को आसानी हो। सीआईआई ने कहा है कि भारतीय उत्पादों की निर्यात मांग पैदा करने से दोतरफा फायदा होगा।

केनरा बैंक ने कहा- उसका एक्स हैंडल हैक, बहाली के लिए कर रहे प्रयास

बेंगलुरु।
केनरा बैंक ने एक्स पर अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल हैक होने की पुष्टि की है। बैंक ने कहा कि उनके एक्स हैंडल के साथ छेड़छाड़ की गई है। हैकर ने हैंडल का यूजरनेम बदलकर ईटीएचईआर.एफआई कर दिया है। केनरा बैंक के आधिकारिक अकाउंट के करीब 2.55 लाख फॉलोअर्स हैं। बैंक ने एक बयान में कहा, केनरा बैंक सभी संबंधित लोगों को सूचित करना चाहता है कि बैंक के आधिकारिक एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट के साथ छेड़छाड़ की गई है। इसमें कहा गया, मामले की जांच की जा रही है और एक्स के साथ मिलकर जल्द से जल्द कैनरा बैंक एक्स हैंडल तक पहुंच हासिल करने का प्रयास जारी है। हैक होने के बाद करीब चार बजे तक अकाउंट पर कोई नई पोस्ट नहीं किया गया। बैंक ने यूजर्स से अपने एक्स पेज पर कुछ भी पोस्ट न करने का आग्रह किया है। बैंक ने कहा, जब यह बहाल हो जाएगा और उसके नियंत्रण में काम करने लगेगा, तो हम आपको तुरंत सूचित करेंगे। असुविधा के लिए खेद है। इसी तरह के एक साइबर हमले में, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक्सिस बैंक के

सपोर्ट हैंडल को 17 जून को हैक कर लिया गया था। उस दौरान, हैकर्स ने टेक अरबपति एलन मस्क की कंपनी टेस्ला के बारे में कुछ पोस्ट किए थे। एक्सिस बैंक ने एक पोस्ट में जवाब दिया था, हम बैंक के सपोर्ट हैंडल के संभावित हैक की जांच कर रहे हैं। हम जल्द से जल्द इस मुद्दे को हल करने की कोशिश कर रहे हैं। कृपया इस अवधि के दौरान किए गए सभी पोस्ट को अनदेखा करें और किसी भी अनधिकृत लिंक पर क्लिक न करें। एक अन्य पोस्ट में, एक्सिस बैंक ने लिखा, बैंक ने कभी भी इंटरनेट और मोबाइल बैंकिंग पासवर्ड, ओटीपी, एटीएम पिन या अन्य किसी भी तरह की व्यक्तिगत जानकारी नहीं मांगी।

पेट्रोल-डीजल को जीएसटी में लाने से होगा फायदा 20 रुपये प्रति लीटर तक कम हो सकती हैं कीमतें

नई दिल्ली।
पेट्रोल-डीजल को लंबे समय से जीएसटी के तहत लाने की मांग की जा रही है। अगर ऐसा होता है तो देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बड़ी कमी आ सकती है।वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हुई जीएसटी परिषद की बैठक के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए पेट्रोल-डीजल को जीएसटी (गुड्स एंड सर्विसेज) के तहत लाने के सवाल पर कहा कि केंद्र सरकार पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के दायरे में लाना चाहती है।

अब राज्यों को इसके बारे में फैसला लेना है और वे साथ आकर दरें तय करें। दरअसल, पेट्रोल और डीजल पर केंद्र सरकार की ओर से एक्साइज ड्यूटी लगाई जाती है। वहीं, राज्य सरकार द्वारा वैट वसूला जाता है। इसके अलावा ट्रांसपोर्टेशन लागत और डीलर कमीशन मिलाकर अंतिम कीमत आती है।

उदाहरण के लिए मौजूदा समय में दिल्ली में पेट्रोल का बेस प्राइस 55.46 रुपये है। इस पर 19.90 रुपये की एक्साइज ड्यूटी, 15.39 रुपये का वैट लगता है। इसके बाद ट्रांसपोर्टेशन लागत और डीलर कमीशन क्रमश: 20 पैसे और 3.77 रुपये लगता है। ऐसे में अंतिम कीमत 94.72 रुपये निकलकर आती है। वहीं, दिल्ली में डीजल का बेस प्राइस 56.20 रुपये है। इस पर 15.80 रुपये की एक्साइज ड्यूटी, 12.82 रुपये का वैट लगता है। इसके बाद ट्रांसपोर्टेशन लागत और डीलर कमीशन क्रमश: 22 पैसे और 2.58 रुपये लगता है। ऐसे में अंतिम कीमत 87.62 रुपये होती है। अगर पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के दायरे में लाया जाता है तो काफी फायदा होगा, क्योंकि जीएसटी की अधिकतम दर 28 प्रतिशत है। दिल्ली में पेट्रोल का बेस प्राइस 55.46 रुपये है। इस पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगा दी जाए तो टैक्स 15.58 रुपये बनता है। अगर ट्रांसपोर्टेशन लागत और डीलर कमीशन क्रमश: 20 पैसे और 3.77 रुपये जोड़ दिए जाए तो अंतिम कीमत 75.01 रुपये बनती है। ऐसे में पेट्रोल 19.7 रुपये प्रति लीटर सस्ता हो सकता है।

रेलवे प्लेटफॉर्म टिकट अब जीएसटी के दायरे से बाहर, वित्त मंत्री का परिषद की बैठक के बाद एलान

नई दिल्ली ।
जीएसटी परिषद् ने रेलवे की ओर से आम लोगों को दी जाने सेवाओं पर बड़ा फैसला लिया है। रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म टिकट लेने के अलावे डॉरमेट्री, वेटिंग रूम, क्लॉक रूम और बैट्री ऑपरेटेड वाहनों के इस्तेमाल जैसी सुविधाओं को जीएसटी से बाहर कर दिया गया है। अब ऐसी सुविधाओं पर कोई जीएसटी नहीं लगेगा। छात्रावास की सुविधा उपलब्ध कराने पर भी अब जीएसटी नहीं देना होगा। किसी खास समाज की ओर से चलाए जा रहे हॉस्टल पर भी जीएसटी देय नहीं होगा अगर कोई व्यक्ति वहां 90 दिन लगातार रहते हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यह जानकारी दी। सरकारी मुकदमेबाजी को कम करने के लिए जीएसटी परिषद ने विभाग की ओर से अपील दायर करने के लिए जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण के लिए 20 लाख रुपये, उच्च न्यायालय के लिए 1 करोड़ रुपये और सुप्रीम कोर्ट के लिए 2 करोड़ रुपये की मौद्रिक सीमा की सिफारिश की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जीएसटी परिषद् की बैठक के बाद ये बातें कही।

सभी प्रकार के दूध के डब्बों पर 12 प्रतिशत जीएसटी का प्रस्ताव

53 वीं जीएसटी परिषद की बैठक के बाद केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, परिषद ने सभी दूध के डिब्बे पर 12 प्रतिशत की एक समान जीएसटी दर निर्धारित करने की सिफारिश की है। इसका मतलब है कि स्टील, लोहा, एल्यूमीनियम के बने जो भी केन दूध के डिब्बे के तौर पर प्रयोग होंगे उन पर नई दरें लागू होंगी। परिषद ने सभी कार्टन बॉक्स, कॉरिगेटेड और ननकॉरिगेटेड कागज या पेपर बोर्ड सभी पर 12 प्रतिशत की एक समान जीएसटी दर निर्धारित करने की भी सिफारिश की है। इस फैसले से विशेष रूप से हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के सेब किसानों को फायदा होगा। वित्त मंत्री के अनुसार परिषद ने यह भी स्पष्ट किया और सिफारिश की है कि फायर वाटर स्प्रिंकलर सहित सभी प्रकार के स्प्रिंकलर पर 12 प्रतिशत जीएसटी लगेगा।

अपीलीय प्राधिकरण से जुड़ी यह सिफारिश की गई

परिषद ने यह भी सिफारिश की है कि अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर करने के लिए पूर्व-जमा की अधिकतम राशि 25 करोड़ रुपये सीजीएसटी और 25 करोड़ एसजीएसटी से घटाकर 20 करोड़ रुपये सीजीएसटी और 20 एसजीएसटी कर दी की। यह अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर करने के लिए पूर्व-जमा की अधिकतम राशि है। परिषद ने सीजीएसटी अधिनियम के प्रावधानों में संशोधन करने का भी निर्णय किया है और सिफारिश की है कि जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण में अपील दायर करने के लिए तीन महीने की अवधि उस दिन से शुरू होगी जिसे सरकार द्वारा अधिसूचित किया जाएगा। वित्त मंत्री ने बताया कि ट्रिब्यूनल के अध्यक्ष ने पदभार ग्रहण कर लिया है। उन्होंने बताया करदाताओं द्वारा अपील की गई टैक्स फाइलिंग दाखिल करने की अवधि 5 अगस्त 2024 को समाप्त हो जाएगी। वित्त मंत्री ने बताया कि इस बार जीएसटी परिषद की बैठक में ऑनलाइन गेमिंग पर कोई चर्चा नहीं की गई।

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को मिली यह जिम्मेदारी

53वीं जीएसटी परिषद की बैठक के बाद केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को दर युक्तिकरण के जीओएम का अध्यक्ष बनाया गया है। अगली बैठक में सम्राट चौधरी इसके लिए किए गए कार्यों पर यथास्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। इसके बाद दरों को तर्कसंगत बनाने का काम शुरू होगा। वित्त मंत्री ने बताया कि छोटे करदाताओं को फायदा देने के लिए जीएसटीआर 4 फाइल करने की समय सीमा को जून 30 कर दिया गया है। जीएसटीआर 1 में बदलाव करने कि सुविधा दी गई है. जीएसटीआर 1 के नाम से नया फॉर्म लाया जाएगा।

भारतीय टेनिस स्टार सुमित नागल को बड़ी सफलता, पुरुष सिंगल्स वर्ग में करेंगे प्रतिनिधित्व

नई दिल्ली ।
भारतीय टेनिस स्टार सुमित नागल ने पुष्टि करते हुए बताया कि वह अगले महीने से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक के लिए आधिकारिक रूप से क्वालिफाई कर गए हैं। नागल इन खेलों में पुरुष सिंगल्स वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। नागल दूसरी बार ओलंपिक में हिस्सा लेंगे, इससे पहले वह टोक्यो 2020 में भी खेलने उतरे थे जहां उन्हें दूसरे दौर में हार का सामना करना पड़ा था।

नागल ने सोशल मीडिया पर दी जानकारी

मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मैंने पेरिस ओलंपिक के लिए आधिकारिक रूप से क्वालिफाई कर लिया है। यह मेरे लिए एक यादगार क्षण है क्योंकि ओलंपिक मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखता है। मेरे अब तक के करियर का एक महत्वपूर्ण पल टोक्यो ओलंपिक में भाग लेना था। तब से मैंने पेरिस मेरे लिए एक बड़ा लक्ष्य रहा है। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने कहा कि आईटीएफ के अनुसार 10 जून को क्वालीफिकेशन के लिए जब खिलाड़ियों की रैंकिंग पर विचार किया गया था तब नागल वैकल्पिक खिलाड़ियों की सूची में थे।

बोपन्ना-बालाजी डबल्स में पेश करेंगे चुनौती

रोहन बोपन्ना और एन श्रीराम बालाजी पेरिस खेलों में पुरुष डबल्स स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा करेंगे। शीर्ष-10 खिलाड़ी होने के नाते बोपन्ना के पास अपना जोड़ीदार चुनने का विकल्प था। एआईटीए ने उनकी पसंद को मंजूरी दे दी और उन्हें बालाजी के साथ जोड़ा। नागल ने इस महीने की शुरुआत में हीलब्रॉन चैलेंजर जीतकर क्वालीफिकेशन की संभावना बढ़ा ली थी क्योंकि वह एटीपी सिंगल्स रैंकिंग के शीर्ष 80 में पहुंच गए थे। हीलब्रॉन की जीत इस सत्र में नागल का दूसरा चैलेंजर खिताब था, उन्होंने इस साल की शुरुआत में चेन्नई चैलेंजर में जीत हासिल की थी।

नागल के लिए अच्छा रहा है 2024

इस 26 साल के खिलाड़ी के लिए 2024 सत्र अच्छा रहा है। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए वर्ष के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई और विश्व रैंकिंग में 37वें स्थान पर काबिज अलेक्जेंडर बुब्लिक को शुरुआती दौर में हराकर उलटफेर किया था। उन्होंने इंडियन वेल्स मास्टर्स और मोंटे कार्लो मास्टर्स जैसी एटीपी 1000 स्पर्धा के मुख्य ड्रॉ के लिए भी क्वालिफाई किया था।

न्यूज ब्रीफ

अफगानिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर सबसे बड़ा उलटफेर किया, गुरबाज, जादरान ने लगाये अर्धशतक, गुलबदीन ने लिए चार विकेट

किंग्सटन । रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान के अर्धशतकों के बाद गुलबदीन नाईब की घातक गेंदबाजी से अफगानिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर आईसीसी टी20 विश्व कप सुपरआठ में सबसे बड़ा उलटफेर किया है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने 6 विकेट पर 148 रन बनाये। इसके बाद 149 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया टीम 127 रनों पर ही आउट हो गयी। लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम अफगान गेंदबाजों के सामने संघर्ष करती दिखी। तेज गेंदबाज नवीन उल हक ने ऑस्ट्रेलायई टीम को शुरुआती झटके दिये जिससे टीम संभल नहीं पायी। इसके बाद गुलबदीन नाईब ने चार विकेट लेकर कंगारुओं को दबाव में ला दिया। गुलबदीन ने 4 ओवर में 20 रन देकर 4 विकेट लिए। गुलबदीन ने मार्कस स्टोइनिस और अर्धशतक जमाकर खेल रहे ग्लेन मैक्सवेल को आउट किया। इसके बाद टिम डेविड और फिर पैट कमिंस को भी पेवेलियन भेज दिया। केवल मैक्सवेल की कुछ हद तक टिक पाये और उन्होंने 35 गेंदों पर 5 चौके और 3 छक्के जमाते हुए 59 रन बनाये पर अपनी टीम को हारी से नहीं बचा पाये। इस मैच में टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगान टीम ने गुरबाज और जादरान की शतकीय साझेदारी से अच्छी शुरुआत की। गुरबाज ने 60 और जादरान ने 51 रन बनाये। इसके बाद के बल्लेबाजों ने टीम का स्कोर 148 रन तक पहुंचाया। जादरान ने 51 रन बनाये। इसके बाद के बल्लेबाजों ने टीम का स्कोर 148 रन तक पहुंचाया।

चीन ने थाइवान स्वतंत्रता अलगाववादी अपराधियों को कड़ी सजा देने पर दी राय

बीजिंग। चीन के सुप्रीम पीपुल्स कोर्ट, सुप्रीम पीपुल्स प्रोक्यूरेटोरेट, सार्वजनिक सुरक्षा विभाग, राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्रालय और न्याय मंत्रालय ने संयुक्त रूप से कानून के अनुसार थाइवान स्वतंत्रता अलगाववादी अपराधियों को कड़ी सजा देने पर राय जारी की, जो जारी होने की तिथि से प्रभावी होगा। राय कानून के शासन पर चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के विचारों और नए युग में थाइवान मुद्दे को हल करने के लिए सीपीसी की समग्र रणनीति को पूरी तरह से लागू करती है। अलगाव विरोधी कानून, चीन लोक गणराज्य का आपराधिक कानून, चीन लोक गणराज्य का आपराधिक प्रक्रिया कानून आदि कानूनी प्रावधानों के अनुसार अलगाववाद और अलगाव को उकसाने के अपराध करने वाले थाइवान स्वतंत्रता के कट्टरपंथियों को कानूनी रूप से दंडित करने के लिए समग्र आवश्यकताओं के साथ-साथ सजा और सजा मानकों और प्रक्रियात्मक मानदंडों पर विशिष्ट प्रावधान किए गए हैं। यह राय थाइवान की स्वतंत्रता आधारित कानूनी शासन, स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए बाहरी ताकतों पर भरोसा करना, और स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए बल का उपयोग करना जैसे अलगाववादी व्यवहारों को कानून के अनुसार गंभीर रूप से दंडित करने के लिए स्पष्ट मार्गदर्शन प्रदान करती है।

ज्योति-अदिति और परनीत की महिला कम्पाउंड टीम ने रचा इतिहास, विश्व कप में लगाई स्वर्ण पदकों की हैट्रिक

अंताल्या (तुर्की) । भारतीय तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर की कम्पाउंड महिला टीम ने इस सत्र में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए यहां तीसरे चरण में एस्टोनिया पर जीत से विश्व कप में स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगायी, जबकि प्रियांश को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। शीर्ष वरीयता प्राप्त इस तिकड़ी ने यहां एकतरफा फाइनल में एस्टोनिया की लिसेल जाटमा, मीरी मैरिटा पास और मैरिस टेट्समैन को 232-229 से हराया। भारत की महिला कम्पाउंड टीम ने अप्रैल में शंघाई और और मई में येचियोन में क्रमशः विश्व कप के पहले चरण और दूसरे चरण के स्वर्ण पदक जीते थे। इस तरह टीम इस सत्र में अपराजेय रही है।

टी20 विश्वकप : भारतीय टीम सुपर आठ के तीसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचने उतरेगी

ग्रोस आइलेट ।
भारतीय टीम टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर आठ के तीसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी। भारतीय टीम ने अब तक सुपरआठ में अपने दोनो ही मुकाबले जीते हैं जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। भारतीय टीम ने पहले अफगानिस्तान और फिर बांग्लादेश को हराया है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले मैच में बांग्लादेश को हराया था पर दूसरे मैच में उसे अफगानिस्तान के हाथों हार का सामना करना पड़ा है जिससे उसका मनोबल गिरा है।

अफगानिस्तान से हारने के बाद अब ऑस्ट्रेलिया की सेमीफाइनल की राह भी कठिन हो गयी है। उसे सेमीफाइनल में पहुंचनले के लिए भारतीय टीम के खिलाफ जीत के साथ ही ये भी उम्मीद करनी होगी कि अफगानिस्तान टीम बांग्लादेश से हार जाए। भारतीय टीम में इस मैच के लिए बदलाव की उम्मीद नहीं है क्योंकि अफगानिस्तान के खिलाफ बल्लेबाजों के साथ ही गेंदबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया था। कप्तान रोहित शर्मा से लेकर विराट कोहली, हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे भी फार्म में आते दिख रहे हैं। वहीं गेंदबाजी में स्पिनर कुलदीप यादव जबरदस्त प्रदर्शन कर रहे हैं, ऐसे में यहां की स्पिन लेती पच पर उनका सामना करना ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों के लिए बेहद कठिन रहेगा। इस मैच में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार रहेगी पर कंगारु टीम की संभावनाओं को भी कम नहीं माना जा सकता क्योंकि वह इस मैच में जीत के लिए पूरा जोर लगा देगी।

ऑस्ट्रेलिया को हालांकि इस मैच में अपनी बल्लेबाजी ठीक करनी होगी। अफगानिस्तान के खिलाफ उसके बल्लेबाज विफल रहे थे हालांकि गेंदबाजों का प्रदर्शन ठीक था। इस मैच में भारतीय बल्लेबाजों को स्पिनर एडम जम्पा और तेज गेंदबाज पैट कमिंस से सावधान रहना होगा। जम्पा एक शानदार स्पिनर हैं और यहां की पिच पर उन्हें सहायता भी मिलेगी। वहीं कमिंस ने पिछले दो मैच में लगातार हैट्रिक लेकर दिखाया है कि वह अभी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में शामिल हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पांड्या, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

ऑस्ट्रेलिया: मिशेल मार्श (कप्तान), एश्टन एगर, पैट कमिंस, टिम डेविड, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, ग्लेन मैक्सवेल, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड, डेविड वार्नर, एडम जम्पा।

पंत की गिलक्रिस्ट के साथ तुलना....अभी ठीक नहीं, पूर्व क्रिकेटर इयान स्मिथ का मानना

सेंट लूसिया ।
न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर इयान स्मिथ का मानना है कि ऋषभ पंत की एडम गिलक्रिस्ट के साथ तुलना अभी जल्दबाजी होगी लेकिन अगर पंत अपनी वर्तमान फॉर्म को जारी रखता है, तब वह ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज खिलाड़ी के करीब पहुंच सकता है। स्मिथ स्वयं भी विकेटकीपर बल्लेबाज रहे हैं। पंत ने इंडियन प्रीमियर लीग में अच्छा प्रदर्शन किया और टी20 विश्व कप में भी पंत विकेट के आगे और विकेट के पीछे अपनी भूमिकाओं को अच्छी तरह से निभा रहे हैं। पंत को वर्तमान में विश्व क्रिकेट के सबसे प्रतिभाशाली क्रिकेटरों में गिना जाता है। पंत ने ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट शतक लगाए हैं, लेकिन गिलक्रिस्ट की बराबरी पर पहुंचने के लिए उन्हें लंबा रास्ता तय करना है। जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 15000 से अधिक रन बनाने के साथ 800 से अधिक कैच लिए हैं। स्मिथ ने कहा, पंत ने दुर्घटना के बाद दमदार वापसी की है और वे बेहतरीन फॉर्म में नाराज आ रहे है। वह बेहद कुशल खिलाड़ी है। वह आक्रामक है, वह खतरनाक खिलाड़ी है। गिलक्रिस्ट की तरह पंत ने भी दिखा दिया है कि वह प्रत्येक प्रारूप में किसी भी क्रम में बल्लेबाजी कर सकते हैं। टी20 विश्व कप में उन्हें तीसरे नंबर पर भेजा जा रहा है और उन्होंने अभी तक इस फैसले को सही साबित किया है। स्मिथ ने कहा, 'वह किसी भी खिलाड़ी का अच्छी तरह से साथ निभा सकते हैं फिर चाहे वह कोहली हो या रोहित शर्मा।

उन्होंने कहा, 'वह पहली गेंद को ही हिट कर सकता है और गेंद को सीमा रेखा के पास पहुंचा सकता है। उसके पास रन बनाने के अन्य विकल्प भी हैं। पंत ने टीम में केएल राहुल जैसे अच्छे खिलाड़ी की जगह ली है। केएल राहुल विश्व स्तरीय क्रिकेटर है और उसकी जगह लेना मायने रखता है। 26 वर्षीय क्रिकेटर की गिलक्रिस्ट से तुलना करने के लिए हालांकि अभी इंतजार करना होगा।

भारतीय टीम के ड्रेसिंग रुम पहुंचे रिचर्डर्स ने की टीम इंडिया की जमकर प्रशंसा

नॉर्थ साउंड ।
भारतीय क्रिकेट टीम ने अब तक आईसीसी टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन कर करते हुए सुपर आठ में लगातार दूसरी जीत दर्ज की है। इससे भारतीय टीम का सेमीफाइनल में पहुंचना तय माना जा रहा है। भारतीय टीम ने सुपर आठ में पहले अफगानिस्तान और उसके बाद बांग्लादेश को हराया है। इसी बीच वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज विवियन रिचर्डर्स भी भारतीय टीम के ड्रेसिंग रूम पहुंचे। रिचर्डर्स को अपने सामने देखकर भारतीय टीम के खिलाड़ी बेहद खुश नजर आये। इस दौरान रिचर्डर्स ने भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा से कहा कि अगर वेस्टइंडीज टी20 विश्व कप से बाहर होती है तो वह भारतीय टीम का समर्थन करेंगे। रिचर्डर्स भारत- बांग्लादेश मैच के बाद फील्डिंग मेडल देने भारतीय ड्रेसिंग रूम में पहुंचे थे। उन्होंने तारीफ करते हुए कहा ,'' बेहतरीन प्रदर्शन इतनी दमदार टीम से मैं ज्यादा क्या कहूं। आपका प्रदर्शन अभी तक अच्छा रहा है और मैं इतना ही कहूंगा कि अगर वेस्टइंडीज टीम नहीं जीत पाती है तो मैं आपके साथ हूं। वेस्टइंडीज का होने के नाते आपको यहां देखकर मुझे काफी अच्छा लग रहा है। वहीं रिचर्डर्स के भारतीय ड्रेसिंग रुम में आने का एक वीडियो बीसीसीआई ने पोस्ट किया। इसमें रिचर्डर्स फील्डिंग मेडल सूर्यकुमार यादव को देते दिख रहे हैं। सूर्या ने इस मैच में स्क्वेयर लेग पर लिटन दास का शानदार कैच पकड़ा था।

शाकिब पर बरसे सहवाग ने कहा...युवाओं के लिए जगह खाली करनी चाहिए

नई दिल्ली ।
पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंदर सहवाग ने टी 20 विश्व कप के सुपर आठ मुकाबले में भारत द्वारा दिए गए 197 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश के अनुभवी आलराउंडर शाकिब अल हसन के दृष्टिकोण पर बरसते हुए कहा है कि उन्हें युवाओं के लिए जगह खाली करनी चाहिए।

पहले बल्लेबाजी करने के लिए कहे जाने पर, हार्दिक पांड्या ने 27 गेंदों में चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 50 रन बनाए, जबकि विराट कोहली ने 37 रन बनाकर भारत को 20 ओवर में 196/5 का मजबूत स्कोर दे दिया।

जवाब में, बांग्लादेश अच्छी शुरुआत के बाद बीच के ओवरों में लड़खड़ा गया क्योंकि उन्होंने नियमित अंतराल पर विकेट खोए और लाइन पर पहुंचने में असफल रहे। शाकिब सात गेंदों में 11 रन बनाकर कुलदीप यादव को चौका लगाने की कोशिश में आउट हो गए।

कुलदीप ने तीन विकेट हासिल किए, जबकि जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह ने दो-दो विकेट लेकर बांग्लादेश को 20 ओवरों में 146/8 पर रोक दिया। सहवाग ने बताया, जब आपके साथ क्रीज पर एक सेट बल्लेबाज हो, तो कम से कम उसका समर्थन करें। कम से कम क्रीज पर जमे रहें और कुछ समय बिताएं, मैच से कुछ हासिल करने की कोशिश करें। इसके बजाय, सात गेंदों पर केवल 11 रन बने और फिर वह वापस चला गया, इसलिए मुझे यह समझ नहीं आया।

अनुभवी बल्लेबाज ने कहा कि शाकिब को संन्यास की घोषणा करनी चाहिए और टीम में युवाओं के लिए रास्ता बनाना चाहिए।

सहवाग ने कहा, उसके पास बहुत अनुभव है। तो, क्या वह इसका पूरा फायदा नहीं उठा रहा है या उसे कोई परवाह नहीं है या वह सोच रहा था कि लक्ष्य बहुत बड़ा है और मैंने अभी एक छक्का लगाया है, और अब मैं हर गेंद पर छक्का मारूंगा। इसलिए मैंने पिछली बार ही कहा था, उन्हें अब एक युवा खिलाड़ी के लिए जगह बनाने की जरूरत है। सुपर आठ मैचों में दो हार के साथ बांग्लादेश सेमीफाइनल की दौड़ से लगभग बाहर हो गया है। वे अपने आखिरी मैच में 25 जून को अफगानिस्तान से भिड़ेंगे।

पहलवान बजरंग पुनिया की मुश्किलें फिर बढ़ीं, नाडा ने किया निलंबित

नई दिल्ली ।
2020 टोक्यो ओलंपिक में कांस्य जीतने वाले पहलवान बजरंग पुनिया की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। वह एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी ने उन पर डोपिंग नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए फिर से प्रतिबंध लगा दिया है। उन्हें अप्रैल में भी नाडा ने बैन किया था, लेकिन तीन हफ्ते पहले एडीडीपी ने इस आधार पर उनका निलंबन रद्द कर दिया था कि नाडा ने पहलवान को आरोप का नोटिस जारी नहीं किया था।

नाडा ने 23 अप्रैल को टोक्यो खेलों के कांस्य पदक विजेता पहलवान को मार्च में सोनीपत में ट्रायल्स के दौरान अपना मूत्र का नमूना देने से इनकार कर दिया था। इसके

बाद उन्हें डोपिंग नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में निलंबित कर दिया गया था। इसके बाद विश्व शासी निकाय यूडब्लूडब्लू ने भी उन्हें निलंबित कर दिया था। बजरंग ने निलंबन के खिलाफ अपील की थी और नाडा के अनुशासनात्मक डोपिंग पैनल (एडीडीपी) ने 31 मई को इसे रद्द कर दिया था। उन्होंने कहा था कि जब तक नाडा आरोप का नोटिस जारी नहीं करता है, निलंबन रद्द रहेगा। इसके बाद नाडा ने कार्रवाई करते हुए पहलवान को नोटिस भेजा। बजरंग को भेजे गए नाडा के संदेश में कहा गया, यह एक औपचारिक नोटिस के रूप में कार्य करता है कि आप पर राष्ट्रीय डोपिंग रोधी नियम, 2021 के अनुच्छेद 2.3 के उल्लंघन का आरोप लगाया जा रहा है और अब आपको अस्थाई रूप से निलंबित कर दिया गया है। बजरंग के पास सुनवाई का अनुरोध करने या आरोप स्वीकार करने के लिए 11 जुलाई तक का समय है।

नाडा द्वारा आरोप लगाए जाने के बाद बजरंग ने एक बयान में कहा था कि उन्होंने कभी भी नमूना देने से इनकार नहीं किया, बल्कि केवल अपने ईमेल पर नाडा की प्रतिक्रिया जानने की मांग की थी। इसके अलावा बजरंग ने नाडा से इस बात का भी जवाब मांगा था कि उन्होंने उनके नमूने लेने के लिए एक्सपायर हो चुकी किट क्यों भेजी गईं। नाडा ने अपनी कार्रवाई का कारण भी बताया। उन्होंने लिखा, चैपेरोन/डीसीओ ने आपसे विधिवत संपर्क किया था और आपको सूचित किया था कि आपको डोप विश्लेषण उद्देश्यों के लिए मूत्र का नमूना प्रदान करना आवश्यक है। डीसीओ द्वारा किए गए कई अनुरोधों के बाद भी, आपने अपने मूत्र का नमूना देने से इनकार कर दिया था और कहा था कि जब तक नाडा समाप्त हो चुकी किटों के मुद्दे के बारे में आपके ईमेल का जवाब नहीं देता, तब तक आप नमूना प्रदान नहीं करेंगे।

एमिटी की दूसरी जीत, नोएडा सिटी और एम 2 एम से होड़

नई दिल्ली। डीएसए ए डिवीजन लीग के सुपर सिक्स ग्रुप में एमिटी इंडियन नेशनल ने नॉर्दन यूनाइटेड एफसी को एक के मुकाबले दो गोलों से हरा कर लगातार दूसरी जीत दर्ज की । नेहरू स्टेडियम में खेले गए रोमांचक मैच में विजेता के लिए विनय और अमन कुमार ने जबकि पराजित टीम के लिए हेमंत ठाकुर ने गोल किये। आज की जीत के साथ एमिटी उन टीमों में शामिल हो गई है, जिन्होंने अपने दोनों मैच जीत कर खिताब की दौड़ में पहले पायदान पर स्थान बना लिया है। एमिटी के अलावा नोएडा सिटी एफसी और एम 2 एम भी दो जीत के साथ खिताबी दौड़ में आगे बढ़ रही हैं। सभी ने दो जीत के साथ छह अंक जुटाए हैं। एमिटी इंडियन नेशनल और नॉर्दन यूनाइटेड के बीच खेला गया मैच रोमांचक रहा। पहले हाफ का मुकाबला उतार-चढ़ाव वाला रहा। नॉर्दन यूनाइटेड को मौके मिले जोकि कमजोर निशानेबाजी के चलते बेकार गए। अग्रिम पंक्ति में हेमंत ठाकुर, फैजान, जगन्नाथ, केनेडी कुकी और थंगजोलीन ने बार बार गलत निशाने लगाए । दूसरी तरफ गांव देहात के दमदार खिलाड़ियों से सजी एमिटी की रक्षा पंक्ति ने अपना काम बखूबी निभाया। रितेश की लंबी थ्रो पर विनय का गोल मौके पर चौके जैसा रहा। हालांकि हेमंत ने शानदार गोल जमा कर हिसाब चुकता कर दिया लेकिन लंबी सीटी से पांच मिनट पहले अमन कुमार ने विजयी गोल दाग कर नॉर्दन यूनाइटेड के खाते में दूसरी हार डाल दी। खेले जाने वाले मैचों में नोएडा सिटी को बंग दर्शन से , हॉप्स को नॉर्दन यूनाइटेड से और एम 2 को एमिटी नेशनल से खेलना है।

म्यांमार में खाते खाना और सोते भारत में!

आपको यह पढ़कर शायद थोड़ा अजीब लगे, लेकिन बिल्कुल सच्च है। इस गांव के लोग बिना वीजा के म्यांमार में जा सकते हैं। दरअसल, इस गांव का आधा हिस्सा भारत में तो आधा हिस्सा म्यांमार में है। यहां के राजा के घर के बीच से गुजरता है बॉर्डर। इस ट्राइब्स के राजा का नाम अंग नगोवांग है, जिनके अधीन लोंगवा समेत कुल 75 गांव आते हैं। वहीं, इनके घर के बीच से होकर म्यांमार और भारत का बॉर्डर गुजरता है। ऐसे में इनका परिवार खाना तो म्यांमार के हिस्से में खाता है, लेकिन सोने के लिए भारतीय सीमा का उपयोग करता है। लोंगवा गांव के राजा की फैमिली भी काफी बड़ी है, जिसमें उनकी 60 बीवियां भी शामिल हैं। वहीं, राजा का बेटा म्यांमार आर्मी में है। भारत-म्यांमार सीमा पर होने के कारण यहां के लोगों को तकनीकी तौर दोनों ही देशों की नागरिकता मिली हुई है। ऐसे में इन्हें म्यांमार जाने के लिए न तो वीजा की जरूरत होती है और न ही भारतीय पासपोर्ट की। यहां के लोग दोनों ही देशों में स्वतंत्र रूप से घूम सकते हैं।

साफ हवा सुधारती है बच्चों के फेफड़ों की सेहत

साफ हवा में सांस लेना अमूमन सभी के लिए सेहतमंद माना जाता है, लेकिन बच्चे के लिए एक और भी फायदेमंद है। ताजा शोध के मुताबिक साफ हवा बच्चे के फेफडे की बेहतर सेहत के लिए लाभदायक है। शोध के अनुसार बच्चे के आसपास साफ हवा मुहैया कराने की कोशिश बचपन में उसके फेफडे की सेहत के लिए अच्छा तो है ही, यह भविष्य में भी उसके लिए फायदेमंद रहता है।

सेहत के लिए
फायदेमंद है जलजीरा

गर्म और सुस्त दिन को ताजगी से भरने का आसान उपाय है, एक ग्लास ठंडा जलजीरा! ये रिफ्रेशिंग ड्रिंक आपके कभी न कभी जरूर पी होगी। जलजीरा में मिलाया गया काला नमक, जीरा, अदरक, नींबू, पुदीना, आमचूर पावडर और इसी तरह की अन्य सामग्री, इसे न सिर्फ टेस्ट में शानदार बनाती है बल्कि सेहत के लिए भी ये एक हेल्दी ड्रिंक बन जाती है। हम आपको जलजीरा के ऐसे 5 फायदे बताएंगे, जिसको जानने के बाद आप कभी-कभी नहीं, बल्कि हर रोज इस रिफ्रेशिंग ड्रिंक को पीना चाहेंगे।

पाचन क्रिया को तेज बनाए

जलजीरा में डाला गया काला नमक आंतों की गैस से लड़ता है और पाचन क्रिया को तेज बनाता है। जलजीरा, सीने में जलन से राहत दिलाता है और शरीर को रीहाईड्रेट करता है।

एनेमिया से बचाव

जीरे में आयरन उच्च मात्रा में होता है, इसीलिए वो एनीमिया से बचाव करता है। जलजीरा इम्यूनिटी पावर को भी बढ़ाता है और आपके शरीर को ठंडा रखता है। पेट की खराबी में राहत

जलजीरा में अदरक होता है, इसलिए ये मतली की समस्या को ठीक करता है। अगर आपको पेट में दर्द है, पीरियड्स के क्रैंप्स हो रहे हैं, उल्टी, गैस या अर्थराइटिस की समस्या है, तब भी जलजीरा आपको राहत पहुंचा सकता है।

विटामिन सी की कमी दूर करने में मददगार

जलजीरा में आमचूर पावडर डाला जाता है। आमचूर में उच्च मात्रा में विटामिन सी होता है जो कि आपकी इम्यूनिटी पावर को बढ़ाता है और बहुत सी बीमारियों से आपका बचाव करता है।

लो कैलोरी ड्रिंक

आप जब चाहें जलजीरा पी सकते हैं, वो भी बिना कैलोरी की चिंता किए! इसलिए अगर आप वेट लॉस कर रहे हैं तो सोडा ड्रिंक पीने से बेहतर है आप जलजीरा पिएं। ये आपके शरीर के सिस्टम को डिटॉक्सीफाई करता है और शरीर को हाईड्रेट रखता है। अब तक तो आप जलजीरा के फायदों को जानकर उसे पीने का मन बना ही चुके होंगे। अगर ऐसा ही है तो बाजार से जलजीरा का पैकेट लेने न निकल जाए बल्कि घर पर जलजीरा बनाएं, ताकि वो हेल्दी हो।

लंच करने के बाद न करें ये गलतियां

क्या आप एक भारी लंच करने के बाद तुरंत टहलने के लिए निकल जाते हैं? हो सकता है आप न जाते हों लेकिन आप जैसे बहुत से लोग ऐसा रोज करते हैं। यह एक बहुत ही हानिकारक आदत है जिसे तुरंत रोक देनी चाहिए।

•••••••मुताबिक हमारा पाचन तंत्र इतना मजबूत है कि आप लंच में चाहे जो कुछ भी उल्टा सीधा क्यूं ना खा लें, वह सब कुछ हजम कर लेगा।

हमारा पेट खाने को अच्छी तरह से हजम कर के सारे जरुरी पोषण हमें एनर्जी के तौर पर देता है। पर उसी समय हमारे पेट का सिस्टम थोड़ा संवेदनशील भी है और वह उस वक्त ठीक से कार्य नहीं कर पाता जब आप उसे तकलीफ देते हैं। इसलिए दोपहर में लंच करने के बाद 15-20 मिनट तक आराम करना जरुरी बताया गया है।

आइए जानते हैं कि लंच के बाद कई लोग क्या क्या गलतियां करते हैं , जिससे उनके हाजमें पर बुरा असर पड़ता है।

धूम्रपान करना

लंच करने के बाद शरीर का ब्लड सर्कुलेशन तेज होता है। पर जब उसके बाद आप धूम्रपान करते हैं उसका धूंआ आराम से आपके शरीर में घुस कर फेफड़ों और किडनियों को नुकसान पहुंचाता है।

वॉक पर जाना

लंच करने के सीधे बाद वॉक पर जाने से खाने का पोषण शरीर में अच्छी तहर से नहीं समा पाता।

ड्राइविंग

खाने को पचाने के लिए बहुत सारे खून की आवश्यकता पड़ती है, जिसमें दिमाग सहायता करता है। पर अगर आप खाने के बाद ड्राइविंग करने पर अपना पूरा ध्यान लगा देगें तो आपके भोजन को पचाने के लिये दिमाग वो काम नहीं कर पाएगा।

सोना

खाने के बाद सोने से कई पाचन संबन्धित बीमारियां हो सकती हैं। इससे आपको गैस की भी समस्या हो सकती है।

लंच के बाद क्या नहीं करना चाहिए

दांतों को ब्रश करना

लंच करने के बाद ब्रश बिल्कुल नहीं करना चाहिए। अगर आपने कोई सिट्रस वाला आहार खाया है तो दांतों को ब्रश करने से दांतों की परत तुरंत उतर जाएगी, जिसे हम इनेमल कहते हैं।

बहुत ज्यादा पानी पीना

अगर आप खाना खाने के बाद बहुत ज्यादा पानी पीते हैं तो इससे आपका पाचन तंत्र प्रभावित होता है। इससे पेट की कई बीमारियां भी हो सकती हैं।

गर्दन दर्द से पाना हो छुटकारा तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

यदि आपकी गर्दन में दर्द हो तो इसको कभी हलके में नहीं लेना चाहिए क्योंकि इससे कई लक्षणों का पता चलता है। गर्दन में दर्द की समस्या से ना तो आप ठीक से उठ-बैठ सकते हैं और ना ही रोज मर्रा के काम कर सकते हैं। कई लोगों को सिर को दाएं-बाएं घुमाने पर अकडन और दर्द के साथ कडकड़ाहट की आवाज भी सुनाई देती है। गर्दन में लगातार दर्द रहने पर अति शीघ्र चिकित्सक को दिखाना चाहिए। चिकित्सकीय परीक्षणों के बाद ही यह तय हो पाता है कि दर्द किस कारण हो रहा है। अगर दर्द होने का कारण कोई गंभीर बीमारी न होकर सामान्य है तो उसे व्यायाम योगासनों एवं घरेलू उपचारों से भी ठीक किया जा सकता है।

आइस पैक लगाएं

गरदन की दर्द में आइस पैक काफी लाभ पहुंचाता है। आप चाहें तो बरफ के टुकड़े को कपड़े में बांध कर दर्द पर रख सकते हैं। इससे दर्द में काफी आराम मिलेगा।

अदरक का पेस्ट

यह एक दर्द निवारक दवा के रूप में काम करती है। अगर आप अदरक पावडर को पानी में मिला कर पिएं या फिर इसे घिस कर गरम पानी में मिला कर पेस्ट बना कर गरदन पर लगाएं तो राहत मिलेगी।

गर्म सिकाई

जब चोट की सिकाई होती है तो खून का दौरा उस जगह पर तेज हो जाता है जिससे चोट जल्दी ठीक हो जाती है।

मसाज

मसाज किसी भी दर्द को ठीक कर सकता है। मसाज से आप आराम से अच्छी नींद सो सकते हें। पर चोट को तेजी से नहीं मलना चाहिये नहीं तो वहां पर और ज्यादा दर्द पैदा हो सकता है।

सही मुद्रा बना कर रखें

शरीर की सही मुद्रा बना कर रखने से भी गरदन का दर्द ठीक करने में सहायता मिलती है। अपने शरीर को एक दीवार पर सटा कर खड़ा कीजिए अपनी पीठ और बुटक को दीवार से लगाइए और ठुड्डी को बिल्कुल सीधे रखिए। बस इसी मुद्रा में सारे दिन रहिए।

गरम पानी से स्नान

गरम पानी के शॉवर के नीचे कुछ देर खड़े रहें। जैसे की गरम पानी आपकी गरदन पर गिरेगा, कुछ ही देर में आपको असर दिखाई देगा।

हींग एवं कपूर

हींग एवं कपूर समान मात्रा में लेकर सरसों तेल में फेंटकर क्रीम की तरह बना लें। इस पेस्ट को गर्दन में लगाकर हल्के हाथों में मालिश करने पर दर्द आराम हो जाता है।

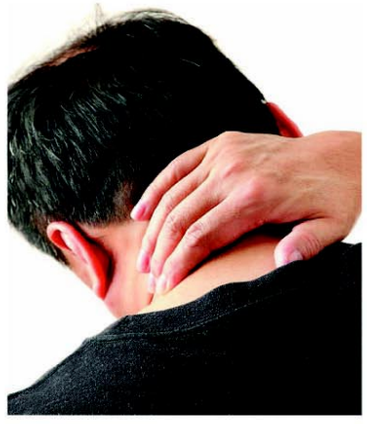

पसीने व उसकी बदबू से छुटकारा पाने के उपाय...

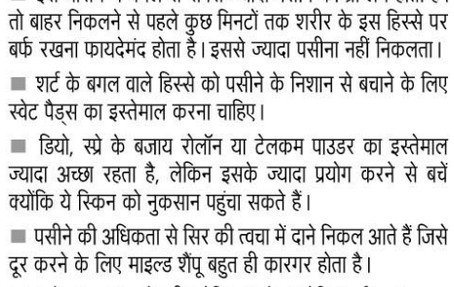

गर्मियां का मौसम आते ही पसीने की समस्या हो जाना आम बात है। मामूली स्वेटिंग तो फिर भी ठीक है, लेकिन कुछ लोगों को बहुत ज्यादा पसीना आता है। इससे वो बहुत ज्यादा ही परेशान रहते हैं। कुछ टाइम के बाद पसीने की बदबू सिर्फ बॉडी ही नहीं, बल्कि बालों से भी आने लगती है। इसके लिए न जाने कितने ही तरह के डियोड्रेंट, परफ्यूम इस्तेमाल करते हैं जो कुछ देर के लिए पसीने की बदबू को रोकते हैं, लेकिन समस्या जैसी की तैसी ही बनी रहती है। हम आपको कुछ आसान तरीके बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर पसीने की समस्या दूर की जा सकती है।

कैसे करें बचाव

पसीने को रोक पाना तो बहुत ही मुश्किल है। लेकिन कुछ आसान से टिप्स अपनाकर अधिक पसीना निकलने की समस्या को जरूर कम किया जा सकता है।

- एंटी-बैक्टीरियल साबुन का इस्तेमाल करें। जितनी बार नहाएं उतनी बार इसका प्रयोग करें। नहाने के पानी में यूडी कोलन की कुछ बूंदें डालना भी फायदेमंद होता है।
- पसीने की वजह से पैरों में फंगल इन्फेक्शन हो सकता है। इससे बचने के लिए उंगलियों के बीच एंटी फंगल पाउडर छिडकने के बाद ही मोजे और जूते पहनें।
- इस मौसम में कुछ लोग मोजे पहनना छोड़ देते हैं। ऐसा करना ठीक नहीं, इससे पैरों में एलर्जी हो सकती है।
- तलवों से अधिक पसीना निकलता हो तो इससे बचने के लिए नहाने से पहले, पानी से भरे टब में दो चम्मच फिटकरी पाउडर डालकर उसमें दो मिनट तक पैरों को डुबोकर रखना चाहिए।
- इस मौसम में बगल से सबसे ज्यादा पसीने की प्रॉब्लम होती है। तो बाहर निकलने से पहले कुछ मिनटों तक शरीर के इस हिस्से पर बर्फ रखना फायदेमंद होता है। इससे ज्यादा पसीना नहीं निकलता।
- शर्ट के बगल वाले हिस्से को पसीने के निशान से बचाने के लिए स्वेट पैड्स का इस्तेमाल करना चाहिए।
- डियो, स्प्रे के बजाय रोलॉन या टेलकम पाउडर का इस्तेमाल ज्यादा अच्छा रहता है, लेकिन इसके ज्यादा प्रयोग करने से बचें क्योंकि ये स्किन को नुकसान पहुंचा सकते हैं।
- पसीने की अधिकता से सिर की त्वचा में दाने निकल आते हैं जिसे दूर करने के लिए माइल्ड शैंपू बहुत ही कारगर होता है।
- हमेशा खुश रहने की कोशिश करें, क्योंकि कई बार ज्यादा पसीना निकलने का कारण तनाव और गुस्सा भी होता है।
- अधिक पसीने की समस्या से बचने के लिए अमोनियम क्लोराइड से बने कुछ ऐसे लोशन और स्प्रे आते हैं, जो स्वेट ग्लैंड्स के पोर्स को ब्लॉक कर देते हैं।
- बगल से ज्यादा पसीना निकलने से परेशान हैं तो लेजर ट्रीटमेंट इसका बेहतर उपचार है जो इससे राहत दिलाता है।
- आइनोटोफोरिसिस ट्रीटमेंट एक ऐसी नई तकनीक है जिसमें टब में भरे पानी को एक यंत्र के जरिए चार्ज कर उसके पॉजिटिव और नेगेटिव आयन्स को एक्टिव किया जाता है। फिर इसमें कुछ समय के लिए हाथों और पैरों को डुबाया जाता है। इससे स्वेट ग्लैंड्स की एक्टिविटी धीमी हो जाती है।

जान सकेंगे शादी के बाद की जिंदगी कैसे जिएं?

वैडिंग कोचिंग से हल होंगी परेशानियां

शादी का नाम सुनकर जहां दिल में गुदगुदी होती है, वहीं नए रिश्ते की शुरुआत के बारे में सोच कर मन आशंकाओं के समुद्र में गोते खाता रहता है। युवितयों के मन में अनेक सवाल जैसे शादी के बाद ससुराल में जींस पहनने देंगे या नहीं, पहली बार कौन सी डिश पकवाएंगे, पति को जाने मेरी किस बात का बुरा लग जाए, मायके ज्यादा आने देंगे कि नहीं, सासू मां का स्वभाव कैसा होगा, नौकरी करने देंगे या नहीं... आदि जहां परेशान करते हैं, वहीं निजी समस्याओं का भी डर सताता है, परंतु इन बातों का समाधान कहीं से नहीं मिलता। कौन समझे मन की बातें घर में दादी-नानी, मां, दीदी और भाभी की नसीहतें सुन-सुन कर दिल कई बार डरता है। सहेलियां हमउम्र होने के कारण उसकी परेशानियों को सुनकर भी कोई राय नहीं दे पातीं। ऐसे में आजकल वैडिंग कोचिंग का प्रचलन बढ़ता जा रहा है, कोचिंग में जाकर शादी से पहले हम खुद को मानसिक तौर पर तैयार कर लेते हैं।

मिल जाते हैं सवालों के जवाब

विवाह से पहले ही रिश्तों और उनकी मर्यादाओं के साथ अन्य पहलुओं को भी समझ लिया जाए तो विवाह में बिखराव और अलगाव की नौबत नहीं आती। इसके लिए घर की किसी बुजुर्ग महिला की नसीहतों के अलावा दुल्हन के लिए वैडिंग कोचिंग बढ़िया रहती है, जहां उसे पति-पत्नी के संबंधों से ताल्लुक रखने वाले छोटे से छोटे सवालों के जवाब काउंसिलिंग में मिल जाते हैं। क्या है वैडिंग कोचिंग विदेशों की तर्ज पर अब महानगरों में भी वैडिंग स्ट्रेस कोचिंग सेंटर खुलने लगे हैं, जिससे विवाह के बाद ही नहीं, विवाह से पहले भी एक-दूसरे की पसंद-नापसंद, इच्छा-अनिच्छा आदि को समझने में आसानी हो। दोनों एक-दूसरे की जरूरतें समझने के साथ फैमिली प्लानिंग पर भी विचार कर सकें। सिर्फ 2-3 सिटिंग ही इसके लिए काफी हैं।

मानसिक तौर पर खुद को करें तैयार

मैरिज काउंसलर की मानें तो आज की पीढ़ी में पहले की तुलना में समर्पण, धैर्य और त्याग जैसी भावनाएं काफी कम होने लगी हैं, सो ऐसी कोचिंग उन्हें एक-दूसरे को समझने में मदद करती है। कामकाजी दुल्हनों को कई बार एकल परिवार के ही दायित्व निभाने में भी दिक्कत आती है। पति के साथ अहं का टकराव होने से भी वैवाहिक जीवन को संभाल पाना कठिन हो जाता है। सफल वैवाहिक रिश्ते के लिए युगल स्वयं को मानसिक स्तर पर पहले तैयार करें। विवाह से पहले घर बसाने के लिए व्यावहारिक बातों की शिक्षा परिवार के बुजुर्गों द्वारा जरूर दी जाती है, लेकिन उसमें भी अहम बातें छूट जाती हैं। प्री-मैरिटल काउंसिलिंग में विवाह योग्य लड़के-लड़कियों को एक-दूसरे के विचारों से सामंजस्य बैठाना सिखाया जाता है।

रेसिपी

चटपटा दहीवाला ब्रेड

सामग्री

5 ब्रेड के स्लाईस , टुकड़ों के कटे हुए, 1/2 कप दही, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, नमक स्वादअनुसार, 1/2 टी-स्पून जीरा,1/4 टी-स्पून हींग, 3से 4 3 से 4 कड़ीपत्ते, 1/2 टी-स्पून कसा हुआ अदरक, 1/4 कप पतले स्लाईस्ड प्याज़,2 टेबल-स्पून तेल

सजाने के लिए

2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

दही, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और नमक को 2 टेबल-स्पून पानी के साथ एक बाउल में अच्छी तरह मिला लें। ब्रेड के टुकड़े डालकर ब्रेड के दही से कोट होने तक मिला लें। एक तरफ रख दें। एक चौड़े नॉन-स्टिक पॅन में तेल गरम करें और जीरा डालें। जब बीज चटकने लगे, हींग, कड़ीपत्ते और अदरक डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकन्ड तक भुन लें। प्याज के स्लाईस डालकर हलका भुरा होने तक भुन लें। ब्रेड का मिश्रण डालकर, बीच-बीच में हिलाते हुए, धिमी आंच पर ब्रेड के सुनहरा होने तक भुन लें। धनिया से सजाकर गरमा गरम परोसें।

मल्टीग्रेन रोटी

सामग्री

1/4 कप रागी का आटा, 1/4 कप बाजरा का आटा, 1/4 कप जोवार का आटा,2 टेबल-स्पून बेसन, 1/4 कप गेहूं का आटा, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर,1 टी-स्पून मिर्च पाउडर,1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च,1/4 कप बारीक कटा हुआ टमाटर,3 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, नमक , स्वाद अनुसार,1 1/4 टी-स्पून तेल , पकाने के लिए

परोसने के लिए

लो फॅट दही

विधि

सभी सामग्री को एक गहरे बर्तन में मिलाकर पर्याप्त पानी की सहायता से नरम आटा गूंधिए। आटे को 6 बराबर भागों में बांटिए और 1 भाग को 2 प्लास्टिक के बीच में रखकर व्यास के आकार की रोटी बेलिए। एक नॉन-स्टिक तवे को गरम करके, उस पर रोटी रखकर, 1/2 टी-स्पून तेल की मदद से, रोटी को दोनो तरफ से सुनहरा होने तक सेक लिजिए। बचे हुए भागों से 5 और रोटीयां बनाए। लो-फैट दही के साथ तुरंत परोसिए।

स्किन से जुड़ी प्रॉब्लम्स को दूर करती है, सुपारी

अक्सर देखा गया है कि सुपारी का इस्तेमाल ज्यादातर पूजा में किया जाता है। यह गर्ण तासीर की होती है। इसे जलाकर उसकी राख को दांतों को साफ किया जाता है और दांत चमकीले होते हैं। सुपारी बड़ी और छोटी होती है। आज हम आपको इसे इस्तेमाल करने पर होने वाले लाभ के बारे में बताएगें।

- अगर आपके मसूड़ों से खून है तो सुपारी लेकर उसका मोटा कूटकर काढ़ा बना लें। इस काढ़े से रोज कुल्ला करने पर मसूड़ों से खून आना बंद हो जाता है।
- अगर आपको बहुत ज्यादा यूरिन की समस्या हो रहा है तो ऐसे में सुपारी का पाउडर लेकर 1 या 2 ग्राम गाय के घी के साथ इस्तेमाल करें।
- हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में सुपारी में मौजूद टैनिन बहुत ही उपयोगी होती है।
- इसका अधिक प्रयोग रक्तभार को कम करता है तथा चक्कर आने लगता है।
- सुपारी का इस्तेमाल दांतों की सड़न को रोकने के लिए मंजन के रूप में किया जाता है क्योंकि इसमें एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं।
- अगर आपके दांतों में कीड़ा लगा है तो सुपारी को जलाकर उसका पाउडर बना लें और इससे रोजाना ब्रश करें।
- अगर आपको कही चोट लगने से घाव हो गया हो और खून बह रहा है तो ऐसे में इसका बारीक पाउडर लगाने से खून बहना बंद हो जाता है।
- जिन लोगों को डायबिटीज की समस्या है और उसका मुंह सूखे तो वह एक सुपारी का टुकड़ा मुंह में रख लें। ऐसी करने से मुंह बार-बार नही सूखेगा।
- दाद, खाज, खुजली और चकत्ते होने पर सुपारी को पानी के साथ घिसकर लेप करने से फायदा होता है। बहुत ज्यादा खुजली होने पर सुपारी की राख को तिल के तेल में मिलाकर लगाने से लाभ होता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**